શુભ લાભ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | शनिवार, 21 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-170

बांग्लादेश पर कब्जा कर 1971 का बदला लेने की तैयारी में पाकिस्तान

इस बार बांग्लादेश की तरफ से होगा पहलगाम जैसा कांड

दीनबंधु कबीर

1971 के मुक्ति संग्राम में अपनी हार के पांच दशक से ज्यादा समय बाद भी पाकिस्तान की सैन्य व्यवस्था बंगाली लोगों द्वारा दिए गए तीखे अपमान को स्वीकार नहीं कर पाई है। भारत के निर्णायक हस्तक्षेप के फलस्वरूप हुए उस युद्ध में पूर्वी पाकिस्तान आजाद हुआ और बांग्लादेश के रूप में एक संप्रभु राष्ट्र अस्तित्व में आया। इससे इस्लामाबाद में सेना के शीर्ष अधिकारी तथाकथित बंगाली हिंदुओं (बांग्लादेश के मुसलमानों को पाकिस्तानी बंगाली हिंदू कहते हैं) और भारतीय सेना द्वारा किया गया अपमान मानते हैं और बदला लेने का मौका तलाशते रहते हैं। मोहम्मद यूनुस नामके पिट्ठू को अमेरिकी डीप स्टेट द्वारा बांग्लादेश की सत्ता पर ठोके जाने के बाद पाकिस्तान को यह मौका मिल गया है। पाकिस्तानी नेतृत्व खास तौर पर पाकिस्तानी सेना और खुफिया एजेंसियां लंबे समय से बंगालियों की सांस्कृतिक और भाषाई स्वतंत्रता पर आपत्ति उठाती रही हैं। पाकिस्तानियों को इस बात पर गहरी नाराजगी रही है कि तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान के बांग्लाभाषियों ने उर्दू को राष्ट्रीय भाषा मानने से इन्कार कर दिया था। बंगालियों के उस विरोध ने 1952 का ऐतिहासिक भाषा आंदोलन खड़ा किया, जिसमें असंख्य बंगालियों की शहादत हुई थी। एक प्रकार से कहें तो उस असंतोष और मुक्ति की इच्छा ने उसी समय बांग्लादेश के अस्तित्व में आने का बीज बो दिया था।

आज, बांग्लादेश की आजादी के 54 साल से भी ज्यादा समय बाद, पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान गुप्त और खतरनाक एजेंडे को आगे बढ़ा रहा है। यह एजेंडा है, बांग्लादेश पर फिर से नियंत्रण हासिल करना और उसके नागरिकों को इस्लामाबाद के अधीन करना। इस खतरनाक साजिश में पाकिस्तान उन बिहारी मुसलमानों का रणनीतिक इस्तेमाल कर रहा है, जो 1947 के बंटवारे में भारत छोड़ कर पाकिस्तान बसाने के धार्मिक कृत्य में पूर्वी पाकिस्तान चले आए थे। अब उन्हीं बिहारी मुसलमानों को पाकिस्तान अपना औजार बना रहा है। बिहारी मुसलमानों को पाकिस्तान अपना वफादार मानता है। बांग्लादेश की आजादी के लिए 1971 में हुए युद्ध में बिहारी मुसलमानों ने पाकिस्तानी सेना के साथ मिल कर भीषण उत्पात मचाया था। वे बंगालियों के साथ बलात्कार, हत्या और लूटपाट सहित अत्याचारों में व्यापक रूप से शामिल थे। इसका नतीजा यह निकला कि बांग्लादेश की आजादी के बाद बिहारी मुसलमानों को गद्दार और पाकिस्तान के वफादार के रूप में सार्वजनिक घृणा का पात्र बना दिया गया। 1947 के बाद बिहारी मुसलमान भारत के गद्दार बने और 1971 के बाद वे बांग्लादेश के भी गद्दार साबित हुए।

अपमान का बदला लेने की फिराक में

पाकिस्तान के वफादार पिट्ठू का काम कर रहे बांग्लादेश के बिहारी मुसलमान

पाकिस्तान में ट्रेंड 50 हजार बिहारी मुसलमान भारत आकर विलीन हो गए

एचआईवी संक्रमित महिलाओं के जरिए हिंदुओं को विकृत करने की साजिश

बांग्लादेश को अस्थिर करने के बाद पाकिस्तान ने बनाया भारत को टारगेट

शुरुआत में पाकिस्तान ने अपने वफादार बिहारी मुसलमानों को पाकिस्तान भेजा, जो तत्कालीन सरकार में कर्मचारी थे या सेना में काम करते थे। शुरुआती दौर में पाकिस्तान भेजे गए बिहारी मुसलमानों की तादाद 83,000 थी। लेकिन 1974 में अचानक पाकिस्तान ने वफादारों की पाकिस्तान वापसी की प्रक्रिया रोक दी। विशेषज्ञों का मानना है कि कालांतर में उन्हीं बिहारी मुसलमानों को स्लीपर एजेंट और कवर जासूस के रूप में इस्तेमाल करने की रणनीति के तहत वहीं बांग्लादेश में छोड़ दिया गया। आज वही बिहारी मुसलमान बांग्लादेश का दशकों खाया नमक भूल कर फिर से पाकिस्तान का गुलाम बनने के लिए उद्धत हो रहे हैं। पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) बांग्लादेश में बचे रह गए बिहारी मुसलमानों को भविष्य के मुखबिर के रूप में देखा, जिन्हें बांग्लादेश को अस्थिर करने और भारत के लिए खतरा बनने के लिए सक्रिय किया जा रहा है। वर्तमान में अनुमान है कि बांग्लादेश में 300,000 से 600,000 बिहारी मुसलमान रहते हैं, जिनमें से कई ढाका और 13 अन्य जिलों में घनी आबादी वाले और गरीब बस्तियों में रहते हैं। यह समुदाय कट्टरपंथ और आपराधिक गतिविधियों में पूरी तरह मुब्तिला है और यह पाकिस्तानी एजेंडे के लिए अनुकूल है।

2024 के मध्य से, पाकिस्तान की आईएसआई ने बिहारी मुस्लिम समुदाय की सामाजिक-आर्थिक कमजोरियों का फायदा उठाकर बांग्लादेश में अपने अभियान को तेज कर दिया है। बिहारी मुसलमानों के शिविरों और बस्तियों से ड्रग्स का धंधा और अवैध हथियारों से लेकर मानव तस्करी तक का कारोबार अंधाधुंध चल रहा है। इससे भी ज्यादा खतरनाक बात यह है कि पाकिस्तानी शह पर अब ▶10पर

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को दी महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात

पंजा-लालूटेन के जंगलराज से आगाह रहें : पीएम मोदी

सीवान (बिहार), 20 जून (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव की आहट राज्य में संकेतों में सुनाई देने लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आज की सभा में चुनाव का जिक्र तो नहीं हुआ, लेकिन परोक्ष रूप से इसकी प्रतिध्वनि तब जरूर सुनाई पड़ी, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौजवानों से कहा कि उन्होंने जंगलराज की कहानियां जरूर सुनी होंगी। देखा भले नहीं होगा। उस माहौल से भले ही गुजरे नहीं होंगे। लेकिन उसकी त्रासदी के बारे में सुना जरूर होगा। फिर से वही लालटेन और पंजे वाला गिरोह बिहार पर शिकंजा कसने का मौका तलाश रहा है। इससे सतर्क रहना होगा, वरना वह गिरोह विकास पर ब्रेक लगा देगा। प्रधानमंत्री मोदी शुक्रवार को बिहार दौरे पर सीवान पहुंचे। उन्होंने दस हजार करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी सहित बिहार कैबिनेट के तमाम मंत्री और नेता इस मौके पर मौजूद थे। पिछले तीन हफ्तों में मोदी दूसरी बार बिहार पहुंचे थे। प्रधानमंत्री ने कहा, सिवान की ये धरती हमारे स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरक स्थली है। ये हमारे लोकतंत्र को, देश को, संविधान को ताकत देने वाली भूमि है। आज इस मंच से हजारों, करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण हुआ है। विकास की ये सारी परियोजनाएं बिहार को उज्ज्वल भविष्य की तरफ ले जाएगी, समृद्ध बिहार बनाएंगी।

मढ़ौरा रेल फैक्ट्री से अफ्रीका के लिए पहला इंजन रवाना

पटना से मुजफ्फरपुर, गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस शुरू

नई वैशाली-देवरिया रेलवे लाइन परियोजना का उद्घाटन

पीएम आवास के 53,600 पात्रों को मिली पहली किस्त

पीएम मोदी ने कहा, आप सब जानते हैं कि मैं कल ही विदेश से लौटा हूं। इस दौरे में दुनिया के बड़े-बड़े समृद्ध देशों के नेताओं से मेरी बात हुई। सारे नेता, भारत की तेज प्रगति से बहुत प्रभावित हैं। वे भारत को दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक महाशक्ति बनते देख रहे हैं और इसमें बिहार की निश्चित तौर पर बहुत बड़ी भूमिका होने वाली है। बिहार समृद्ध होगा और देश की समृद्धि में भी बड़ी भूमिका निभाएगा।

▶10पर

ओड़ीशा आना जरूरी था, इसलिए ट्रंप को मना किया

भुवनेश्वर, 20 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ओड़ीशा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आमंत्रण को इसलिए अस्वीकार कर दिया, क्योंकि उन्हें 20 जून को भगवान जगन्नाथ की पुण्य भूमि पर पहुंचना था। प्रधानमंत्री ने आज ओड़ीशा को करोड़ों की परियोजनाएं सौगात में दीं। इसमें पेयजल, सिंचाई, कृषि अवसंरचना, स्वास्थ्य अवसंरचना, ग्रामीण सड़कें और पुल, राष्ट्रीय राजमार्गों के खंड और एक नई रेलवे लाइन शामिल हैं। ▶10पर

आईआईटी गुवाहाटी ने विकसित की क्रांतिकारी तकनीक

20 रुपए में हजार लीटर फ्लोराइड मुक्त पानी

फ्लोराइड युक्त पानी से भारत के लोगों को मिलेगी मुक्ति

गुवाहाटी, 19 जून (एजेंसियां)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने 20 रुपए में 1000 लीटर फ्लोराइड मुक्त पानी उपलब्ध कराने वाली तकनीक विकसित की है। इस तकनीक में 1000 लीटर पानी को शुद्ध करने की लागत केवल 20 रुपए आएगी। इस तकनीक को बहुत कम निगरानी की आवश्यकता होती है और इसका अनुमानित जीवनकाल 15 वर्ष है। इस आविष्कार से आईआईटी गुवाहाटी के वैज्ञानिकों ने एक बहुत ही सस्ती, देसी और असरदार तकनीक खोज ली है। जिसकी मदद से सिर्फ 20 रुपए खर्च करके 1000 लीटर तक भूमिगत जल को पीने लायक साफ पानी में बदला जा सकता है। यह तकनीक पानी को पूरी तरह से सुरक्षित और पीने लायक बना देता है, साथ ही यह बहुत सस्ता भी है। यह सिस्टम 94 प्रतिशत आयरन और 89 प्रतिशत फ्लोराइड को हटाकर पानी को पूरी तरह पीने लायक और सुरक्षित बनाता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि यह तकनीक रोजाना 20,000 लीटर पानी तक को साफ करने में मदद कर सकती है।

फ्लोराइड भूजल में प्राकृतिक फिर इंसानों द्वारा की गई गतिविधियों से पहुंचता है। फ्लोराइड वाला पानी पीने से स्केलेटल फ्लोरोसिस नाम की बीमारी होती है, जिसमें शरीर की हड्डियां काफी कमजोर और सख्त हो जाती हैं और जोड़ों में दर्द बना रहता है। लेकिन आईआईटी गुवाहाटी द्वारा विकसित किए गए तकनीक की मदद से भारत के लोग इस समस्या से बच सकेंगे क्योंकि यह उपकरण महज 20 रुपए में हजार लीटर पानी को फ्लोराइड से 89 प्रतिशत तक साफ करने उसे पीने लायक पानी बना देता है। आईआईटी द्वारा यह तकनीक विशेष रूप से असम के ग्रामीण क्षेत्रों में आर्सेनिक और फ्लोराइड मुक्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विकसित की गई है। यह तकनीक भारत सरकार को देश के कई अन्य राज्यों में ग्रामीण आबादी को दूषित पानी से बचाने में मदद करेगी। आईआईटी गुवाहाटी द्वारा विकसित यह उपकरण लाखों भारतीयों के गंभीर स्वास्थ्य संकट का निदान करने वाला है। विशेष रूप से असम, राजस्थान, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, हरियाणा, बंगाल, झारखंड और गुजरात जैसे राज्यों में, जहां भूजल में अत्यधिक फ्लोराइड के कारण कंकाल फ्लोरोसिस जैसी गंभीर बीमारियां होती हैं।

केमिकल इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर मिहिर कुमार पुरकाइत ने उस शोध दल का नेतृत्व किया, जिसने वास्तविक जमीनी स्थितियों का परीक्षण करने और उसका मुकाबला करने वाली तकनीक विकसित करने में मात्र 12 सप्ताह का समय लगाया। प्रतिष्ठित एसीएस ईएसएंडटी वाटर जरनल में प्रकाशित शोध निष्कर्ष यह बताता है कि आईआईटी गुवाहाटी द्वारा विकसित उपकरण दूषित पानी से 94 प्रतिशत आयरन और 89 प्रतिशत फ्लोराइड हटाने की तकनीकी क्षमता रखता है, जिससे पानी का स्तर भारतीय सुरक्षा मानकों के अनुकूल आ जाता है। इस उपकरण को प्रयोग के तौर पर असम राज्य के सार्वजनिक स्वास्थ्य इंजीनियरिंग विभाग और काकती इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से ▶10पर

भारतीयों की वापसी में भारत की मदद कर रहा ईरान

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान और इजराइल के बीच जारी युद्ध के दरम्यान भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने का काम भी जारी है। इसमें ईरान सरकार भारत सरकार की पूरी मदद कर रही है। भारत ने ईरान में फंसे अपने भारतीय नागरिकों को बचाने के लिए ऑपरेशन सिंधु की शुरुआत की है। इसके तहत सभी की सुरक्षित वतन वापसी की कोशिश हो रही है। भारत की इस पहल में ईरान भी पूरी तरह से सहयोग कर रहा है, ▶10पर

ममता सरकार की मुस्लिम अंधभक्ति हिंदुओं पर पड़ रही भारी

मुसलमान बनाएंगे दीघा जगन्नाथ धाम का प्रसाद

देश के कई राज्यों में हिंदू धर्म स्थलों पर गौमांस फेंक कर उसे अपवित्र किए जाने की अधर्मी हरकतें चल रही हैं, ऐसे में पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने दीघा जगन्नाथ धाम का प्रसाद बनाने का ठेका मुसलमानों को देकर आग में घी डाल दिया है। इसे लेकर एक नया सांप्रदायिक विवाद खड़ा होने लगा है। मुस्लिमों की अंधभक्ति में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा दीघा जगन्नाथ धाम मंदिर में प्रसाद बनाने का ठेका मुस्लिमों को दे दिए जाने को सीधा-सीधा हिंदुओं का अपमान बताया जा रहा है। ममता सरकार की इस करतूत को लेकर बंगाल के हिंदू श्रद्धालुओं में घोर नाराजगी है। उल्लेखनीय है कि दीघा जगन्नाथ धाम प्रसाद का वितरण बंगाल सरकार दुआरे सरकार योजना के तहत करवा रही है। लेकिन इस प्रसाद को जगन्नाथ मंदिर धाम ट्रस्ट द्वारा नहीं बल्कि स्थानीय स्तर पर बनावाया जा रहा है और इसका ठेका मुसलमानों को दे दिया गया है। रानीनगर में दीघा जगन्नाथ धाम सांस्कृतिक केंद्र के प्रसाद वितरण के लिए मुसलमान ठेकेदारों को चुने जाने का खुलासा होने के बाद इसका व्यापक विरोध हो रहा है। भाजपा नेताओं का कहना है कि हिंदुओं की धार्मिक भावनाओं को जानबूझ कर ठेस पहुंचाया जा रहा है। भाजपा नेता सुकांत मजूमदार ने बंगाल सरकार से इस बारे में स्पष्टीकरण देने की मांग की है। मजूमदार ने कहा है कि रानीनगर के ब्लॉक नंबर-1 में दीघा जगन्नाथ धाम सांस्कृतिक केंद्र के प्रसाद की आपूर्ति के लिए जो अधिसूचना जारी की गई है, उससे हिंदुओं में आशंका पैदा हो गई है। इस अधिसूचना की सच्चाई को लोगों के सामने तत्काल लाया जाना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि क्या ममता सरकार ओबीसी आरक्षण की तरह हिंदुओं के प्रसाद वितरण में भी मुसलमानों को आरक्षण दे रही है?

Sl No	Name of the Block	Name of sweet Shop with address	Contact Person	Contact Number
1	Raninagar-I	Tiptop Mistanno Bhandar, Islampur GP	Raju Sekh	8159944308
2		Bhai-Bhai Mistanna Bhandar, Islampur GP	Sabirulla Islam	9593155289
3		Sonali Mistanna Bhandar, Paharpur GP	Rajab Ali	9734679985

हिंदू मंदिरों को अपवित्र करने की चल रही हैं हरकतें

नेता विपक्ष शुवेंदू अधिकारी ने भी इस मामले पर अपनी कड़ी प्रतिक्रिया दी और कहा कि प्रसाद बनाने और वितरण में मुसलमानों को शामिल करना हिंदू धर्म का अपमान है। मिठाई का पैकेट दिखाते हुए उन्होंने कहा कि पूर्वी मेदिनीपुर के दीघा में बने जगन्नाथ मंदिर से प्रसाद लाने के बजाए राज्य सरकार स्थानीय दुकान से प्रसाद तैयार करवा रही है। भगवान के प्रसाद के नाम पर स्थानीय दुकानों की मिठाई घरों तक पहुंचेगी। ▶10पर

इजराइल से युद्ध रोकने में ईरान ने भारत से मदद मांगी

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। ईरान ने भी भारत सरकार से मदद मांगी है। भारत में ईरान के उप-राजदूत मोहम्मद जवाद हुसैनी ने कहा कि भारत को इजराइल की कड़े शब्दों में निंदा करनी चाहिए और उस पर दबाव बनाना चाहिए। ईरान ने भारत सरकार से अपील की है कि वह इजराइल पर प्रेशर बनाए और उसे युद्ध रोकने के लिए कहे। मोहम्मद जवाद हुसैनी ने कहा कि भारत शांति समर्थक देश है, ▶10पर

बेंगलूरु कैंटोनमेंट से व्हाइटफील्ड क्वाड्रपलिंग परियोजना 38 किलोमीटर: डीआरएम

यह पूरी तरह से रेलवे द्वारा वित्तपोषित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर (डीआरएम) आशुतोष कुमार सिंह ने गुरुवार को बेंगलूरु क्षेत्र में प्रमुख रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर अतिरिक्त डिवीजनल रेलवे मैनेजर – आशुतोष माथुर और परीक्षित मोहनपुरिया, मुख्य इंजीनियर (निर्माण) प्रेम नारायण और अन्य अधिकारी मौजूद थे। प्रेस मीट में डीआरएम ने विभिन्न चल रही रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं और बेंगलूरु क्षेत्र में और उसके आसपास के रेलवे प्रोजेक्ट्स के बारे में जानकारी साझा की, जिनके लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण स्वीकृत किया गया है। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु कैंटोनमेंट से व्हाइटफील्ड क्वाड्रपलिंग परियोजना 38 किलोमीटर की है और यह पूरी तरह से रेलवे द्वारा वित्तपोषित है, जिसकी अनुमानित लागत 492.87 करोड़ रुपये है। प्रमुख मिट्टी के काम, रिटेनिंग वॉल और पुल विस्तार का काम पूरा हो चुका है। इस परियोजना से लाइन की क्षमता बढ़ेगी, यातायात की भीड़ कम होगी, समय की बचत होगी और बेंगलूरु के भीतर आवागमन तेज और आसान हो जाएगा। बेंगलूरु कैंटोनमेंट रेलवे स्टेशन का 484.58 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। पुनर्विकास में दक्षिण और उत्तर की ओर नए स्टेशन भवन शामिल हैं। स्टेशन में एयर कॉनकोर्स, वेटिंग हॉल, वीआईपी लाउंज, लिफ्ट, एस्केलेटर, रिटायरिंग रूम, डॉरमेट्री और बेसमेंट पार्किंग जैसी आधुनिक सुविधाएं होंगी। स्टेशन की लगभग 72 प्रतिशत ऊर्जा आवश्यकताओं को छत पर सौर पैनल लगाकर पूरा किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट और वर्षा जल संचयन प्रणाली भी लगाई जाएगी। यशवंतपुर रेलवे स्टेशन का भी लगभग 377.86 करोड़ रुपये की लागत से बड़े पैमाने पर पुनर्विकास किया जा रहा है। स्टेशन का पुनर्विकास 2 चरणों में किया जा रहा है। चरण 1 में लिनन स्टोर, आरपीएफ बिल्डिंग, मल्टी-लेवल कार पार्किंग (जी प्लस 5 मंजिल), पूर्व की ओर एलिवेटेड आगमन/प्रस्थान प्लाजा आदि का निर्माण शामिल है। चरण 2 में, पश्चिम की ओर एक नई 4 मंजिला इमारत, प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग पहुंच मार्ग, प्लेटफार्मों के ऊपर एक एयर कॉन्कोर्स, पार्किंग क्षेत्र आदि प्रदान किए जाएंगे। लिफ्ट और एस्केलेटर प्रदान किए जाएंगे। 25 किलोमीटर की यशवंतपुर से चन्नासांद्रा दोहरीकरण परियोजना, जिसकी लागत 683.57 करोड़ रुपये है, चल रही है। बैयप्पनहल्ली से होसुर दोहरीकरण परियोजना, जो 48 किलोमीटर लंबी है और जिसकी लागत 1148 करोड़ रुपये है, में 83 प्रतिशत प्रगति देखी गई है। बेट्टाहलसूर से राजनुकुंटे बाईपास लाइन की 6.14 किलोमीटर लंबाई को 248.24 करोड़ रुपये में मंजूरी दी गई है, जिसके लिए भूमि अधिग्रहण का काम अभी चल रहा है। बेंगलूरु के आसपास कई रेलवे परियोजनाओं को अंतिम स्थान सर्वेक्षण के लिए मंजूरी मिल गई है। बेंगलूरु शहर के आसपास सर्कुलर रेल परियोजना, जो सात खंडों में 288 किलोमीटर तक फैली है, की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) अगस्त 2025 तक प्रस्तुत किए जाने की उम्मीद है।

येलहंका से देवनहल्ली दोहरीकरण परियोजना (23.7 किलोमीटर) के लिए डीपीआर प्रस्तुत की गई है और यातायात औचित्य तैयार किया जा रहा है। इसी प्रकार से उन्होंने अन्य योजनाओं की जानकारी दी।

निर्धारित ट्रेड फेयर के लिए मंत्री को किया आमंत्रित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक इनर वियर एसोसिएशन बेंगलूरु के एक प्रतिनिधिमंडल ने एसोसिएशन अध्यक्ष दिलीप जैन, उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी, सचिव रविन्द्र बंबोली के नेतृत्व में कर्नाटक के कपड़ा व टैक्सटाइल मंत्री शिवानंद एस पाटिल से उनके सरकारी कार्यालय पर मुलाकात कर आगामी 22 जुलाई से कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन के तत्वावधान में बेंगलूरु में निर्धारित ट्रेड फेयर में शिरकत करने के लिए आमंत्रित किया। अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि मुलाकात के दौरान मंत्री शिवानंद एस पाटिल ने ट्रेड फेयर व व्यापारियों से सम्बंधित जानकारी ली। इस मौके पर सचिव रविन्द्र बंबोली, सयुक्त कोषाध्यक्ष विनोद चौहान सहित एसोसिएशन के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर का अवलोकन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तेरापंथ युवक परिषद एचबीएसटी हनुमंतनगर द्वारा संचालित देश की 50वीं आचार्य तुलसी डाइग्नोस्टिक सेंटर एवं डेंटल केअर, हनुमंतनगर में साध्वी पुण्ययशा जी एवं सहवर्ती साध्वी वर्धमानयशा जी ने अवलोकन किया एवं मंगलपाठ सुनाया। साथ ही यहाँ हो रहे कार्यों की सराहना की। परिषद के पूर्व अध्यक्ष गौतम खाब्या ने एटीडीसी में हो रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि सभी समाज के वर्गों के लिए रक्त परिक्षण एवं दंत चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। इस अवसर पर मूलचंद नाहर, सभा अध्यक्ष गौतम दक, महिला मंडल पूर्व अध्यक्ष मंजू दक, अनिता श्रीश्रीमाल एवं परिषद अध्यक्ष कमलेश झाबक, उपाध्यक्ष द्वितीय देवेंद्र आंचलिया, मंत्री संदीप चौधरी, सहमंत्री प्रथम नवरतन बोल्या, रमेश नाहर एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री ओमकार चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित ओमकार गौशाला शिवगंगा में श्री रेणुकाचार्य कुटीर उद्घाटन एवं वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डॉ. मलय शांतामुनि देसी केंद्र शिवाचार्य स्वामी के सानिध्य में मधुसूदन बाहेती ने कुटीर का उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत एवं अन्य अतिथियों एवं गौ भक्तों ने गौ पूजन किया। मुणोत ने अपने वक्तव्य में कहा गाय पृथ्वी का पोषण है। इस अवसर पर एल गुरु प्रसाद, दीपक आर, वीएच आर दयानंद एवं बड़ी संख्या में गौ भक्त उपस्थित थे। आयोजकों ने अतिथियों को सम्मानित किया।*

विधायक ने महिला मंडल द्वारा निर्मित कन्या सुरक्षा स्तंभ का किया उद्घाटन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कन्या सुरक्षा अभियान के तहत तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा स्थानीय सुभाष चंद्र बोस पार्क में कन्या सुरक्षा स्तंभ का विधायक कृष्णप्पा ने गुरुवार को उद्घाटन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र एवं नारी जागृति गीत के संगान के साथ हुआ। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए कन्या सुरक्षा अभियान की जानकारी दी तथा विधायक कृष्णप्पा, गोविंद राज नगर के विधायक प्रियाकृष्णा, युवा नेता प्रदीप कृष्णप्पा एवं महेंद्र मुथा के प्रति आभार व्यक्त किया। कृष्णप्पा ने कन्या सुरक्षा पर अपने विचारों की अभिव्यक्ति देते हुए कहा कि कन्याओं को गर्भ में ही मार दिया जाता है, छुप-छुप कर भ्रूण हत्या की जाती है।

जबकि नारी नहीं तो सृष्टि नहीं। नारी को कम नहीं समझना चाहिए। एक नारी ही सब कुछ कर सकती है। ब्रह्मा विष्णु महेश ने भी माताओं से ही विनती की, अतः कन्या व नारी जाति को कम न आंकें। इसके साथ ही कृष्णप्पा ने कहा कि सबके खून का रंग एक है, ऐसे में जाति, पंथ, धर्म, संप्रदाय भाषा सबसे ऊपर उठकर प्रेम से रहना सीखें। कार्य ऐसा करें जिससे जीवन सफल हो जाए। उन्होंने मंडल के कार्यों की सराहना करते हुए अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। अभातेममं से तेलंगाना प्रभारी वीणा बैद, कर्नाटक प्रभारी मधु कटारिया, महासभा दक्षिणांचल प्रभारी प्रकाश लोढा, जीतो नॉर्थ अध्यक्ष विमल कटारिया, अभातेयुप परामर्शक दिनेश पोकरणा, अणुविभा संगठन मंत्री राजेश चावत, विजयनगर सभा अध्यक्ष मंगल कोचर, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चोपड़ा, महिला मंडल निवर्तमान अध्यक्ष प्रेम भंसाली, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष पुखराज श्रीश्रीमाल, कन्या मंडल संयोजिका ध्वनि गन्ना ने अपने विचारों की प्रस्तुति देते हुए मंडल के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त की। मंडल की ओर से विधायक कृष्णप्पा तथा महेंद्र मुथा एवं स्तंभ निर्माण में श्रम सहयोग हेतु धनराज छाजेड़ का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के सफलतम आयोजन में संयोजिका उपाध्यक्ष बरखा पुगलिया का विशेष श्रम रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन मेघना हिरण एवं आभार ज्ञापन मंत्री दीपिका गोखरू ने व्यक्त किया।

इलेक्ट्रॉनिक एसोसिएशन द्वारा निर्यात बढ़ाने हेतु ट्रैडर्स वेलफेयर बोर्ड को ज्ञापन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन द्वारा देश में ही वस्तुओं का निर्माण कर भारत से निर्यात बढ़ाने हेतु व्यापारियों को सरकार की ओर से सुविधाएं प्रदान करने हेतु ज्ञापन सौंपा गया।

एसोसिएशन के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता ललित डाकलिया ने बताया कि बेंगलूरु इलेक्ट्रॉनिक डीलर्स एसोसिएशन के काफी सदस्य भारत से निर्यात करने के इच्छुक हैं। भारत सरकार द्वारा समय समय पर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन के लिए विभिन्न योजनाओं की घोषणाएं की जाती है, इसकी जानकारी हमें नहीं मिलती है, और कई उद्योगों में तकनीक की कमी के कारण सफल नहीं हो पाते है। सुनील सिंघी चेयरमैन, नेशनल ट्रैडर्स वेलफेयर बोर्ड के माध्यम से हम भारत सरकार से निवेदन करते हैं कि बेंगलूरु में इलेक्ट्रॉनिक सामानों तथा पुर्जों के उद्योग निर्माण और निर्यात बढ़ाने हेतु सुविधाएं प्रदान करें। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल वरन्दानी के साथ उपाध्यक्ष मदनलाल धोका, उदेश राजपुरोहित आदि सदस्य उपस्थित थे।

दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य डॉ मुनि पुलकित कुमारजी नचिकेता और मुनि आदित्य कुमारजी के पावन सानिध्य में श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर की ओर से मुमुक्षु मनोज सकलेचा का दीक्षार्थी अभिनंदन समारोह का आयोजन तेरापंथ भवन में किया गया। उपस्थित श्रावक समाज को संबोधित करते हुए डॉ मुनि पुलकित कुमारजी ने कहा वितरागता के मार्ग पर बढ़ाने का प्रथम सोपान है संयम स्वीकार करना। संयम के भाव तभी फलवान होते हैं जब व्यक्ति दृढ़ संकल्पी बनता है। संयम का भाव हमेशा पूज्य वह आदरणीय होता है। बिना वैराग्य भाव के दीक्षा नहीं ली जा सकती। मुनि ने तेरापंथ धर्मसंघ की दीक्षा विधि का उल्लेख करते हुए कहा तेरापंथ में पहले शिक्षा फिर परीक्षा उसके बाद दीक्षा होती है। गुरु की पारखी नजरों से परखने के बाद ही वह आगे बढ़ पाता है। गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण रखकर ही संयम जीवन को सफल बनाया जा सकता है। नवकार महामंत्र उच्चारण से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। नचिकेता आदित्य मुनि ने दीक्षार्थी के प्रति मंगल भावना व्यक्ति की। कार्यक्रम में मंगलाचरण तेरापंथ महिला मंडल राजाजी नगर ने किया। स्वागत भाषण सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी ने किया। महिला मंडल अध्यक्षा उषा चौधरी, तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरडिया, उपासिका संगीता तातेड़, भावना बाफना, सिवांची मालानी संघ बेंगलूरु से रमेश सालेचा, तेरापंथ सभा गांधीनगर के मंत्री विनोद छाजेड़, उषा तातेड आदि ने वक्तव्य दिया। बहादुर सेठिया एवं सिवांची मालानी महिला मंडल ने गीत के माध्यम से मंगल भावना व्यक्त की। तेरापंथ सभा ट्रस्ट राजाजीनगर द्वारा दीक्षार्थी का अभिनंदन पत्र भेंट कर किया गया। अभिनंदन पत्र का वचन मदन बोराणा ने किया। इस अवसर पर जुगराज श्रीश्रीमाल, मानकचंद मुथा, उपाध्यक्ष विमल पितलिया, परामर्शक उत्तम गन्ना, कोषाध्यक्ष हंसराज चौधरी, बेंगलूरु गांधीनगर टीपीएफ अध्यक्ष पुष्पराज चोपड़ा, ललित कानुंगा, महेंद्र बागरेचा, शांतिलाल बैदमुथा, संजय तातेड, सरस्वती बाफना आदि लोग उपस्थित थे।

एकल श्रीहरि सत्संग समिति बेंगलूरु चैप्टर की नई कार्यकारिणी गठित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। एकल श्रीहरि सत्संग समिति, बेंगलूरु चैप्टर की एक महत्वपूर्ण बैठक विजय केडिया, राष्ट्रीय महामंत्री, मक्खन किशोर गोयल राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सीमा अजगांवकर की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें समिति की नई कार्यकारिणी की औपचारिक घोषणा की गई। यह नई टीम समाज सेवा एवं सांस्कृतिक जागरूकता के क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने के उद्देश्य से गठित की गई है। नई कार्यकारिणी के तहत अध्यक्ष के रूप में सुरेश कुमार मोदी, सचिव के रूप में संजय अग्रवाल और कोषाध्यक्ष के रूप में सुनील शाह को नियुक्त किया गया। कोर कमेटी सदस्यों में प्रहलाद अग्रवाल, मति अंजना शर्मा, नीरा लड्ढा, सुनिता मालपानी, शोभाभल्ला, मीरा अग्रवाल, सतीश गोयल एवं श्रेया अग्रवाल शामिल हैं।

धर्मगुरु दीवान माधवसिंह का सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कोतनूर में धर्मगुरु दीवान माधवसिंह के आगमन पर राजस्थानी प्रवासियों ने धर्मगुरु का सम्मान किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रकाश चौहान ने कहा कि धर्मगुरु दीवान साहब का आशिर्वाद प्राप्त हुआ। ये माताजी के चमत्कार से कम नहीं है। चौहान परिवार की ओर से धर्मगुरु का माला शाल साफा पहनाकर स्वागत व बधावा किया गया। धर्मगुरु दीवान माधवसिंह ने कहा कि आज के समय में युवाओं को समाज सेवा के कार्यों में जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि समाज सेवा के कार्यों में बच्चों व नई पीढ़ी को शामिल किया जाना चाहिए। इससे उनमें सेवा की भावना पैदा होगी। वे आगे आएंगे उन्हे अधिक से अधिक सामाजिक आयोजनों में भागीदार बनाना चाहिए। दीवान ने राजस्थानी समुदाय की सराहना करते हुए कहा कि इस समुदाय ने पैसा कमाने के साथ साथ समाज सेवा के भी महान काम किए है। इस अवसर पर माली सैनी समाज वर्तूर के उपाध्यक्ष ओगाड़राम चौहान, सीरवी महासभा कर्नाटक के सचिव अमरचन्द सानपुरा, तुलसाराम राठौड़, जोगाराम परिहार, बाबूलाल भायल, भजन गायक कैलाश पंवार एवं भवानी शंकर पारीक, मांगीलाल सहित राजस्थानी समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सभी वर्गों को न्याय मिले

राज्य सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है और अधिकांश विकास कार्य ठप हो गए : येदियुरप्पा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा केंद्रीय संसदीय बोर्ड के सदस्य और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार में भ्रष्टाचार व्याप्त है और अधिकांश विकास कार्य ठप हो गए हैं। यहां भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया प्रतिनिधियों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि स्थिति ऐसी हो गई है कि लोगों की समस्याओं को कोई नहीं सुन रहा है। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे केवल प्रचार में लगे हैं और विकास पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। सिंचाई परियोजनाएं पूरी तरह से ठप हो गई हैं। उन्होंने सरकार को चुनौती दी कि वह कर्नाटक के किसी भी कोने में एक किलोमीटर सड़क बनाकर

दिखाए। उन्होंने इस सरकार पर तुगलक दरबार लगाने का आरोप लगाया। हम अल्पसंख्यकों के खिलाफ नहीं हैं। हालांकि, अल्पसंख्यकों को सीमा से अधिक सहायता प्रदान करना अक्षम्य अपराध है। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति व जनजाति के लोगों को अधिक सुविधाएं देने वाली यह सरकार केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए अल्पसंख्यकों को संतुष्ट करने के काम में लगी हुई है, जिसकी हम सभी निंदा करते हैं। कम से कम अब तो सरकार को सचेत होकर विकास की ओर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि सभी वर्ग के लोगों को न्याय मिले। कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल के वायरल ऑडियो के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि आश्रय गृह लेने के लिए लोगों को पैसे देने चाहिए। बीआर पाटिल ने जो कहा वह 100 प्रतिशत सच है। यह साबित हो गया है कि पैसे दिए बिना कोई काम नहीं हो सकता। अगर गरीबों को घर चाहिए भी तो उसे लेने के लिए उन्हें पैसे देने पड़ते हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार अपनी गलती स्वीकार करे, उसे सुधारे और गरीबों को न्याय दिलाए। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारस्वामी की बातों का मतलब है कि सब साथ चलेंगे। भाजपा-जेडीएस अलग नहीं हैं, हम साथ मिलकर आगे बढ़ेंगे। एचडी देवेगौड़ा ने भी कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपनी आस्था और विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में भाजपा-जेडीएस को मिलकर आगे बढ़ना चाहिए और किसी तरह सरकार को गिराना चाहिए और हमारी सरकार सत्ता में आनी चाहिए। हम इस संबंध में आवश्यक प्रयास करेंगे। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी, जो असंतुष्ट लोगों को बुला रहे हैं और उनसे समस्या का समाधान करने के लिए बात कर रहे हैं, के इस प्रयास का स्वागत हैं। मैं किसी भी असंतुष्ट व्यक्ति से बात करने के लिए तैयार हूं। मैंने प्रतिदिन इस कार्यालय में आने और दोपहर तक यहां रहने का निर्णय लिया है। उन्होंने घोषणा की कि मैं हर सप्ताह एक या दो जिलों का दौरा करूंगा।

एयर इंडिया की फ्लाइट में केबिन क्रू के साथ दुर्व्यवहार करने के आरोप में डॉक्टर हिरासत में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु पुलिस ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट में केबिन क्रू के साथ दुर्व्यवहार करने और विमान को उड़ाने की धमकी देने के आरोप में 36 वर्षीय महिला डॉक्टर को हिरासत में लिया है। यह घटना मंगलवार को दोपहर करीब 2.30 बजे हुई, जब फ्लाइट संख्या आईएक्स 2749 केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) से सूरत अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए रवाना होने वाली थी। महिला डॉक्टर बेंगलूरु में येलहंका के पास शिवनहल्ली की निवासी हैं।

महिला यात्री व्यास हीरल मोहन भाई ने अपना सामान विमान की पहली पंक्ति में छोड़ दिया था और उसके बाद वह सीट नंबर 20 पर बैठ गई। केबिन क्रू ने डॉक्टर के बैग पर आपत्ति जताई और उसे अपनी सीट के पास ओवरहेड कम्पार्टमेंट में रखने को कहा, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बजाय, क्रू ने जोर देकर कहा कि उसे उसकी सीट पर ले जाया जाए। चालक दल और पायलट द्वारा हस्तक्षेप करने के अनुरोध के बावजूद, डॉक्टर ने कथित तौर पर इनकार कर दिया और अनुचित तरीके से व्यवहार करना शुरू कर दिया। उन्होंने उन साथी यात्रियों पर भी चिल्लाया, जिन्होंने उनसे बहस करने की कोशिश की। स्थिति तब और बिगड़ गई जब महिला ने अपना आपा खो दिया और विमान को उड़ाने की धमकी दी। पायलट और चालक दल ने सुरक्षा कर्मियों और सीआईएसएफ कर्मियों को सूचित किया। फिर उसे जबरन विमान से उतार दिया गया। सूत्रों ने कहा कि महिला के व्यवहार ने अन्य यात्रियों की सुरक्षा को खतरे में डाल दिया था। महिला ने केआईए पुलिस स्टेशन में पुलिस अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार किया और उन पर हमला किया। पता चला है कि उसके पति ने पुलिस को बताया था कि उसने अपना मेडिकल पेशा छोड़ दिया है। महिला पर भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया पर गलत दावे करना और जांच में हस्तक्षेप करना दंडनीय अपराध: पुलिस आयुक्त

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त सुधीर कुमार रेड्डी ने शहर में बढ़ती घातक दुर्घटनाओं के मद्देनजर लोगों, खासकर युवाओं और उनके अभिभावकों से अपील की है कि वे वाहन चलाते समय पूरी जिम्मेदारी और संयम बरतें। यहां जारी एक बयान में आयुक्त ने खुलासा किया कि इस साल अब तक मेंगलूरु शहर की सीमा में सड़क दुर्घटनाओं में 75 लोगों की मौत हो चुकी है, जिनमें से 70 मौतें तेज और लापरवाही से वाहन चलाने के कारण हुई हैं। उन्होंने कहा अधिकांश पीड़ित 30 वर्ष से कम आयु के युवा थे, जिनमें से काफी संख्या 25 वर्ष से कम आयु के थे। यह एक गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने अभिभावकों से युवा चालकों को वाहन सौंपते समय सावधानी बरतने का आग्रह

करते हुए कहा कृपया सुनिश्चित करें कि वे तेज गति से वाहन न चलाएं। एक बार जब वे भागने के लिए तेज गति से वाहन चलाते हैं तो पुलिस भी उन्हें नहीं रोक पाती - और इससे घातक दुर्घटनाएं हो सकती हैं। उन्होंने शराब के नशे में तेज गति से वाहन चलाने के कारण शहर में हाल ही में हुई दो मौतों का हवाला दिया। उन्होंने कहा इस साल अकेले ऐसी चार मौतें हुई हैं। मैं लोगों से शराब के नशे में गाड़ी न चलाने और हमेशा यातायात नियमों का पालन करने का आग्रह करता हूं। धीमी गति से गाड़ी चलाएं, सिग्नल का पालन करें और सुरक्षित घर पहुंचें। ऐसी मौतों के व्यापक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा अगर मृतक कमाने वाला था, तो पूरा परिवार पीड़ित होता है। हम सभी से जिम्मेदारी निभाने का आग्रह करते हैं। अगर आपको जल्दी पहुंचना है, तो जल्दी निकल जाएं। जीवन अनमोल है।

एक और बढ़ती चिंता को संबोधित करते हुए आयुक्त ने उन व्यक्तियों के खिलाफ चेतावनी दी जो सोशल मीडिया पर आपराधिक मामलों की जांच कर रहे हैं, यह तय कर रहे हैं कि पुलिस को किसे गिरफ्तार करना चाहिए या रिहा करना चाहिए। पुलिस सबूतों के आधार पर काम करती है।

हम बिना उचित सबूत के किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकते। अगर आपके पास कोई सबूत है - चाहे वह आरोपी के समर्थन में हो या किसी की बेगुनाही साबित करने के लिए - तो कृपया आगे आएं और किसी भी पुलिस स्टेशन में जमा करें। हम इसकी निष्पक्ष जांच करेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि सोशल मीडिया पर इस तरह के दावे फैलाना और जांच में हस्तक्षेप करना दंडनीय अपराध है।

भाजपा लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही

लक्ष्मी हेब्बालकर ने झूठ फैलाने के लिए चक्रवर्ती सुलीबेले की आलोचना की

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी जिले की प्रभारी मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने कहा जब भी चक्रवर्ती सुलीबेले बोलते हैं, तो वे रामायण, भगवद गीता और महाभारत का हवाला देते हैं। लेकिन कर्नाटक में हर कोई जानता है कि जब भी वे अपना मुंह खोलते हैं, तो वे कितने झूठ बोलते हैं। वे काले को सफेद और सफेद को काला करने में माहिर हैं। महिला एवं बाल विकास, दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों के सशक्तिकरण मंत्री और उडुपी जिले की प्रभारी लक्ष्मी हेब्बालकर ने शुक्रवार को उडुपी की अपनी यात्रा के दौरान मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी ने हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सहित सभी प्रकार की स्वतंत्रता को बरकरार रखा है। इस देश के इतिहास में, यह कांग्रेस ही है जिसने संविधान की रक्षा की

है। हमें चक्रवर्ती सुलीबेले से सबक लेने की जरूरत नहीं है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने हमें सूचित किया है कि सुलीबेले तीन दिनों के लिए उडुपी जिले में रहेंगे। जब तक वे यहां आने-जाने के लिए स्वतंत्र हैं, उन्हें नफरत, झूठ और जहरीले विचारों को फैलाने से बचना चाहिए। उडुपी एक शांतिप्रिय जिला है। तटीय कर्नाटक में विशेष कार्य बल के भाजपा विधायकों के विरोध के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा एक तरफ भाजपा सांप्रदायिकता को भड़काती है और फिर इसके विपरीत दावा करती है। दूसरी तरफ, वे सांप्रदायिकता विरोधी कार्य बल की तैनाती का विरोध करते हैं। यह विरोधाभासी व्यवहार उडुपी के लोगों के सामने भाजपा विधायकों की मानसिकता को स्पष्ट रूप से उजागर करता है। अल्पसंख्यकों के लिए आवास आवंटन में 5 प्रतिशत की वृद्धि पर टिप्पणी करते हुए, मंत्री हेब्बालकर ने कहा यह केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई योजना है। हमने उनके निर्देशों का पालन करते हुए इसे कैबिनेट में मंजूरी दी है। भाजपा नेता ऐसी जगह खामियां खोजने की कोशिश कर रहे हैं, जहां कोई खामियां नहीं हैं। पहले, उन्होंने गारंटी योजनाओं की आलोचना की, कहा कि वे सफल नहीं होंगी। फिर, जब हमने 136 सीटें जीतीं, तब भी उन्होंने दावा किया कि हमारी सरकार छह महीने से अधिक नहीं चलेगी। भाजपा लोगों की भावनाओं के साथ खेल रही है। उनके पास बात करने के लिए कोई वास्तविक मुद्दा नहीं है और वे केवल जनता को गुमराह करने के तरीके खोज रहे हैं। जिले में भारी बारिश के मुद्दे पर बोलते हुए मंत्री ने कहा इस साल उम्मीद से ज्यादा बारिश हुई है। मैंने अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाने की सलाह दी है। पिछले सालों की तुलना में, हम इस मानसून में किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बेहतर तरीके से तैयार हैं।

अमित शाह ने भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ दोहरी लड़ाई की सलाह दी: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री और पार्टी के राष्ट्रीय नेता अमित शाह ने भ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई को दोगुना करने के लिए कुछ सुझाव दिए हैं। यहां

मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा आज सुबह, मैं, पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई, विपक्ष के नेता आर. अशोक और अरविंद बेलाड ने अमित शाह से मुलाकात की। हमने राज्य की राजनीति और मौजूदा घटनाक्रम पर चर्चा की। राज्य सरकार अल्पसंख्यकों को लुभाने के लिए फैसले ले रही है। आवास विभाग के तहत अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षण 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के आधार पर हिंदुओं और अल्पसंख्यकों सहित सभी को न्याय प्रदान कर रहे हैं। मोदी द्वारा दी गई किसान सम्मान योजना का श्रेय किसानों को दिया जा रहा है, और यह केवल हिंदुओं के लिए नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसका श्रेय कृषक समुदाय के सभी समुदायों और धर्मों को दिया जा रहा है। मोदी का बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम केवल हिंदू लड़कियों तक सीमित नहीं है। हालांकि, राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया विभाजनकारी नीति अपना रहे हैं। निश्चित रूप से भगवान अच्छा नहीं कर सकते हैं। यदि भाजपा एक तरफ लड़ रही है, तो मुख्यमंत्री का व्यवहार उनके पद का अपमान है। वह तुगलक दरबार लगा रहे हैं, यह भूलकर कि वह राज्य के मुख्यमंत्री हैं। विजयेंद्र ने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले दिनों में राज्य की जनता उन्हें जवाब देगी। उन्होंने सवाल के जवाब में कहा कि वे सत्र से पहले जेडीएस के साथ समन्वय के लिए एचडी कुमारस्वामी और विधायकों के साथ चर्चा करेंगे। बिना रिश्वत के काम नहीं हो रहे हैं। आज, चाहे किसी से भी पूछो, व्यापारी सहित आम लोग 100 प्रतिशत भ्रष्टाचार की बात कर रहे हैं। सत्ताधारी पार्टी के विधायकों ने खुद खुलासा किया है कि वे इस तरह से भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे चाहे किसी भी विभाग में जाएं, बिना रिश्वत के काम नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री सहित सभी लोग भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि बीआर पाटिल का ऑडियो इसका एक छोटा सा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लोग इस संबंध में सरकार से तंग आ चुके हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि वे आरसीबी की जीत के जश्न - भगदड़ और 11 मौतों के बाद नया कानून लाने की कहानी कह रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपनी प्राथमिकताएं भूल गई है, विकास नहीं किया है और भ्रष्टाचार में डूबी हुई है, जिसका खामियाजा राज्य की जनता को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने एक अन्य सवाल के जवाब में कहा कि उन्होंने पार्टी के भीतर छोटे-मोटे मुद्दों को सुलझाने के लिए कदम उठाए हैं।

आयुक्तालय के क्षेत्र के अनुसार ही कर्तव्यों का पालन करें: सीमांत कुमार सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु सिटी आयुक्तालय का क्षेत्र दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है, और उसी के अनुसार कर्तव्यों का पालन किया जाना चाहिए। यह बात यहां सिटी पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने कही। वे शहर के मैसूरु रोड स्थित सीएआर सेंटर मैदान में आयोजित पहली मासिक परेड में धन्यवाद प्रस्ताव प्राप्त करने के बाद बोल रहे थे। बेंगलूरु सिटी आयुक्तालय का क्षेत्र दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। अब इसमें कुंबलगुड, अवलाहल्ली और हेब्बागोडी पुलिस स्टेशन भी जुड़ गए हैं। क्षेत्र दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इसलिए काम भी बढ़ रहा है। इसलिए आयुक्त ने अधिकारियों

और कर्मचारियों को अपने कर्तव्यों का अच्छे से पालन करने के निर्देश दिए। मौजूदा 8 डिवीजनों के अलावा, जल्द ही तीन और नए डिवीजन जोड़े जाएंगे। इसलिए, उन्हें उसी के अनुसार काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मासिक परेड में कोई भी शामिल न हो। परेड में भाग लेने से प्रेरणा और अनुशासन मिलता है। प्रशिक्षण के दौरान जो सीखा है, उसे अपने कर्तव्यों में लागू करें। हमारा लक्ष्य हमेशा आम नागरिकों को अच्छी सेवा प्रदान करना होना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत करनी चाहिए कि वे खुश रहें। मैंने 28 साल पहले इसी सीएआर ग्राउंड पर अपना पहला प्रशिक्षण लिया था। अब, मैं आज उसी स्थान पर परेड की सलामी लेते हुए खुश हूं। मैंने ट्रैफिक विभाग के डीसीपी और बेंगलूरु शहर में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के रूप में काम किया है। बेंगलूरु शहर का अच्छा नाम है। इसलिए हमें उसी तरह काम करना चाहिए। हमें सभी के साथ मिलकर एक टीम के रूप में काम करके विभाग का नाम रोशन करना चाहिए। मुझे यकीन है कि आप निश्चित रूप से एक टीम के रूप में काम करेंगे। दैनिक कार्य और कार्यों में बाधाएं आती हैं। समय की कमी है। हमें उन सभी को संभालना है और अपने कर्तव्यों का पालन करना है। शहर के नागरिकों के लिए एक अच्छा माहौल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। पुलिस सेवा में शामिल होने के बाद, आपको अपना कर्तव्य निभाना है, मुझे यकीन है कि आप अच्छी तरह से सेवा करेंगे। मैं आपकी हर तरह की मदद करूंगा। उन्होंने कहा कि एकता में शक्ति है, आइए हम सब मिलकर बेंगलूरु शहर की शांति और व्यवस्था के लिए काम करें, अच्छी सेवा करें। कमिश्नर ने अधिकारियों और कर्मचारियों से कहा कि वे पुलिस स्टेशन आने वाले लोगों से विनम्रता से बात करें, वे पहले से ही पीड़ा में हैं, उन्हें परेशान न करें, उनकी शिकायतें सुनें और उनकी मदद करें।

हाथी के हमले में सुरक्षा गार्ड की मौत

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले के भद्रावती तालुक के बदानेहाल बांदीगुड्डा में खनन पट्टा क्षेत्र में विश्वेश्वरैया आयरन एंड स्टील प्लांट (वीआईएसपी) के लिए गार्ड के रूप में काम करने वाले एक व्यक्ति की गुरुवार की रात हाथी के हमले में मौत हो गई। 53 वर्षीय कुमार ड्यूटी पर थे, जब एक जंगली हाथी ने उन्हें कुचलकर मार डाला। उनके परिवार में उनकी पत्नी शांतम्मा और एक बेटी हैं। वे चन्नागिरी रेंज में वन परिक्षेत्र के भीतर खनन पट्टा क्षेत्र में तैनात थे। भद्रावती के

डीसीएफ आशीष रेड्डी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए शिवमोग्गा के मैकगैन अस्पताल में भेज दिया गया है। उन्होंने कहा यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना थी। उन्हें क्षेत्र में घूम रहे एक हाथी का सामना करना पड़ा। यह स्थान जंगल से घिरा हुआ है। अधिकारी ने कहा कि विभाग पीड़ित के परिवार को 20 लाख रुपये का मुआवजा देगा।

व्यक्ति ने झगड़े के बाद पत्नी की हत्या कर दी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

एक चौंकाने वाली घटना में, एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी की मोबाइल फोन के लगातार इस्तेमाल को लेकर हुए झगड़े के बाद कथित तौर पर हत्या कर दी। यह घटना गुरुवार की देर रात ब्रह्मवर तालुक के हिलियाना गांव के होसनमाथा में हुई। पीड़िता की पहचान रेखा (27) के रूप में हुई है, जो पेट्रोल पंप पर काम करती थी। आरोपी गणेश पुजारी (42), जो कोलांबे गांव का निवासी है और पेशे से पेंटर है, को शंकरनारायण पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। सूत्रों के अनुसार, गणेश और रेखा की शादी को आठ साल हो चुके थे और उनके दो बच्चे भी थे। कथित तौर पर दंपति के बीच घरेलू विवाद अक्सर होते रहते थे, गणेश अक्सर रेखा पर मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल का आरोप लगाता था। रेखा ने पहले शंकरनारायण पुलिस से संपर्क किया था, जिसके बाद मामले को सुलझाया गया और दोनों को परामर्श दिया गया और शांतिपूर्ण आचरण का वादा करते हुए एक समझौते पर हस्ताक्षर करवाए गए। हालांकि, 19 जून की रात को गणेश कथित तौर पर घर लौटा और एक मामूली बात पर रेखा से झगड़ा करने लगा। गुस्से में आकर उसने उस पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे रेखा को गंभीर चोटें आईं। माना जा रहा है कि रेखा की मौके पर ही मौत हो गई। अपराध करने के बाद गणेश मौके से भाग गया। कुंडापुरा सर्किल इंस्पेक्टर जयराम गौड़ा और शंकरनारायण सब-इंस्पेक्टर नसीर हुसैन के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने उसे सफलतापूर्वक पकड़ लिया और हिरासत में ले लिया।

राष्ट्रपति भवन में एक ऐसा कैफे है जिसे दिव्यांगजन चलाते हैं : मुर्मू

देहरादून, 20 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शुक्रवार को उत्तराखंड के देहरादून स्थित राष्ट्रीय दृष्टि दिव्यांगजन सशक्तीकरण संस्थान (एनआईबीएच) में दृष्टिबाधित बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि राष्ट्रपति भवन परिसर में एक ऐसा कैफे है जिसे दिव्यांग लोग चलाते हैं।

राष्ट्रपति ने कहा, सरकार का यह प्रयास रहा है कि दिव्यांगजनों की पहुँच सरकारी भवनों, संस्थानों आदि में सुगम्य बनाई जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन द्वारा भी दिव्यांगजनों के हित में अनेक कदम उठाए जा रहे हैं। श्रीमती मुर्मू ने कहा, दृष्टिबाधित लोगों को शिक्षण तथा प्रशिक्षण प्रदान करने और उन्हें रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ समाज को उनके प्रति जागरूक बनाने में योगदान के लिए मैं इस संस्थान से जुड़े सभी लोगों की सराहना करती हूं। किसी देश या समाज की प्रगति का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि उस समाज के लोगों द्वारा दिव्यांगजनों के साथ कैसा व्यवहार किया जाता है। भारत का इतिहास संवेदनशीलता एवं समावेशिता के प्रेरक प्रसंगों से भरा पड़ा है। हमारी संस्कृति और सभ्यता में मानवीय करुणा एवं प्रेम के तत्व हमेशा रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में दिव्यांग बच्चों को अन्य बच्चों के समान अच्छी शिक्षा के अवसर प्रदान करने का प्रावधान है। सुगम्य भारत अभियान के माध्यम से सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और समान भागीदारी के लिए प्रयत्नशील है। उन्होंने कहा कि यह अभियान सुगम्य भौतिक वातावरण, परिवहन, सूचना एवं संचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने पर बल देता है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि इस वर्ष मार्च महीने में दिव्यांगजनों की प्रतिभा, उपलब्धियों और आकांक्षाओं का उत्सव मनाने के लिए राष्ट्रपति भवन के अमृत उद्यान में पर्पल फेस्ट का आयोजन किया गया था। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि उसका उद्देश्य विभिन्न विकलांगताओं और लोगों के जीवन पर पड़ने वाले उनके प्रभाव के बारे में जागरूक करना था। साथ ही, दिव्यांगजनों को समझने, उन्हें स्वीकार करने तथा समाज में समावेश को बढ़ावा देना भी था। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि दिव्यांगजनों को जीवन के हर क्षेत्र में प्रोत्साहित करने के प्रयास समाज द्वारा अवश्य किए जाने चाहिए।

कर्नाटक में लगातार स्कूल छोड़ रहे छात्र

कांग्रेस सरकार में बढ़ा ड्रॉपआउट रेट

बेंगलुरु, 20 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में माध्यमिक स्तर पर शिक्षा को लेकर चिंता बढ़ने लगी है। प्रदेश में माध्यमिक स्तर पर स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या 14.1 प्रतिशत से बढ़कर 22.2 प्रतिशत हो गई है। यानी 8.1 प्रतिशत बढ़ गई है। राज्य में 9वीं और 10वीं कक्षा में ही छात्र स्कूल से ड्रॉपआउट कर रहे हैं। इस पर केंद्र सरकार ने राज्य से गंभीर होने का आग्रह किया है।केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक में माध्यमिक स्तर पर ही पढ़ाई छोड़ने वाले छात्र-छात्राओं की दर 22.2 प्रतिशत हो गई है। साल 2023-24 के आंकड़ो के मुताबिक, कर्नाटक में कक्षा 9वीं और 10वीं में ही विद्यार्थी स्कूल छोड़ रहे हैं।

इस सूची में मध्य प्रदेश, झारखंड, त्रिपुरा, पंजाब, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे राज्य भी शामिल हैं। इस मामले में दक्षिण भारत में कर्नाटक बदतर स्थिति में हैं। आंकड़ों में स्कूल छोड़ने वाले विद्यार्थी केरल में 3.41 प्रतिशत, तमिलनाडु में 7.68 प्रतिशत, तेलंगाना में 11.43 प्रतिशत और आंध्र प्रदेश 12.48 प्रतिशत हैं। दूसरी तरफ बिहार और असम में स्कूल छोड़ने वालों की दर में भी वृद्धि हुई है। इस रिपोर्ट के बाद अब शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों से स्कूल छोड़ने वाले छात्र-छात्राओं की पहचान करने के लिए कहा है। इसके बाद उन सभी छात्रों का वापस नामांकन कराया जाएगा। इसके लिए घर-घर सर्वेक्षण होगा।

जीएसटी पंजीयन और शिकायत निवारण को सरल बनाये : सीतारमण

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) को माल एंव सेवा कर (जीएसटी) पंजीयन और शिकायत निवारण को सरल बनाने, सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच को तेजी से पूरा करने, कर चोरी और गलत इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) दावों की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कहा।

श्रीमती सीतारमण ने यहां सीबीआईसी के प्रधान मुख्य आयुक्तों, मुख्य आयुक्तों और महानिदेशकों के सम्मेलन की अध्यक्षता करते हुये ये बातें कही। इस दौरान पंजीकरण, रिटर्न दाखिल करने, रिफंड, रिटर्न की जांच, जीएसटी ऑडिट, जांच, आयात और निर्यात के लिए ठहरने का समय जैसे सीमा शुल्क पर संकेतक, शिकायत निवारण और सतर्कता और सीबीआईसी के समग्र प्रदर्शन पर प्रमुख आंकड़ों के संबंध में सीजीएसटी और सीमा शुल्क क्षेत्रों के प्रदर्शन पर प्रस्तुतियां दी गईं।इस दौरान श्रीमती सीतारमण ने कहा कि सीबीआईसी को करदाताओं, व्यापार संघों और उद्योग निकायों के बीच लक्षित जागरूकता अभियान शुरू करना चाहिए। वित्त मंत्री ने जीएसटी पंजीकरण, रिफंड की प्रक्रिया और करदाताओं की शिकायतों से निपटने जैसे विभिन्न मापदंडों में सुधार के लिए जोन को एक कार्य योजना तैयार करने का निर्देश दिया।श्रीमती सीतारमण ने प्रौद्योगिकी और जोखिम-आधारित मापदंडों के उपयोग के साथ करदाताओं के लिए जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया को आसान, निर्बाध और अधिक पारदर्शी बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।वित्त मंत्री ने सीजीएसटी संरचनाओं को जीएसटी पंजीकरण के लिए आवश्यक अनिवार्य दस्तावेज, विशेष रूप से व्यापार के मुख्य स्थान से संबंधित दस्तावेजों के बारे में करदाताओं, व्यापार संघों और उद्योग निकायों के बीच लक्षित जागरूकता अभियान शुरू करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इससे पंजीकरण में अस्वीकृति और देरी को कम करने और आवेदनों के तेजी से प्रसंस्करण को सक्षम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने सीजीएसटी जोनल प्रमुखों को आवेदन प्रक्रिया में करदाताओं की सुविधा के लिए जीएसटी पंजीकरण के लिए एक समर्पित हेल्पडेस्क बनाने का भी निर्देश दिया।वित्त मंत्री ने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला कि जीएसटी सेवा केंद्र और सीमा शुल्क तुरंत सुविधा केंद्रों में पर्याप्त कर्मचारी हों, सुलभ हों और उनका उचित रखरखाव हो, ताकि करदाताओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण सहायता मिल सके। करदाताओं के विश्वास पर जोर देते हुए उन्होंने शिकायत निवारण पर लक्षित और निरंतर ध्यान देने का आह्वान किया, ताकि बेहतर प्रणालियों और जवाबदेही के माध्यम से प्रश्नों और शिकायतों का समय पर समाधान सुनिश्चित किया जा सके। श्रीमती सीतारमण ने सीमा शुल्क और सीजीएसटी मामलों की जांच को तेजी से पूरा करने का आह्वान किया।

लोकतंत्र की कीमत समझने के लिए आपातकाल के बारे में ज्यादा से ज्यादा जाना जाए : धनखड़

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शुक्रवार को यहां राज्य सभा के इंटर्नशिप कार्यक्रम में शामिल युवाओं के एक समूह को संबोधित करते हुए उन्हें लोकतंत्र की कीमत समझने के लिए देश में 1970 के दशक में उस समय की सरकार द्वारा लागू किये गये आपात काल के बारे में ज्यादा से ज्यादा पढ़ने और जानने का सुझाव दिया।श्री धनखड़ ने 25 जून को 'संविधान हत्या दिवस' घोषित करने के सरकार के पिछले वर्ष के निर्णय को उचित और महत्वपूर्ण बताया और कहा कि यह आपातकाल की घटना के इस गंभीर संदेश की याद दिलाने के लिए है कि हमें स्वयं लोकतांत्रिक मूल्यों का संरक्षक और प्रहरी बनना होगा।

उन्होंने सातवें राज्य सभा इंटर्नशिप कार्यक्रम के समापन समारोह में युवाओं से कहा, मैं आप सभी से समय का सदुपयोग करने का आग्रह करता हूं। एक होमवर्क मौलिक कर्तव्य था, दूसरा है कि कृपया आपातकाल के बारे में जितना हो सके सीखें, तब आपको लोकतंत्र की कीमत पता चलेगी। उन्होंने कहा, भारत की स्वतंत्रता के 28वें वर्ष में 25 जून, 1975 की मध्यरात्रि थी, तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद ने तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कहने पर देश में आपातकाल की घोषणा पर हस्ताक्षर किये।

श्री धनखड़ ने कहा, यह पहली बार था। अब, आप समझदार हैं, एक राष्ट्रपति किसी व्यक्ति,(अकेले) प्रधानमंत्री की सलाह पर काम नहीं कर सकता। उन्होंने संविधान की उस व्यवस्था का उल्लेख किया कि राष्ट्रपति की सहायता और सलाह के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक मंत्रिपरिषद होती है।उप राष्ट्रपति ने कहा कि उस समय संविधान का उल्लंघन किये जाने का परिणाम यह हुआ कि उस दौरान देश में 100,000 से अधिक नागरिकों को कुछ ही घंटों में उनके घरों से घसीट कर सलाखों के पीछे डाल दिया गया था। उन्होंने कहा, हमारा संविधान खत्म हो गया, हमारे मीडिया को बंधक बना लिया गया।

कुछ प्रतिष्ठित अखबार, जैसे इंडियन एक्सप्रेस, और भी हैं, स्टेट्समैन एक और अखबार है। उनके संपादकीय खाली थे..उन्होंने कहा कि उस समय जिन्हें अचानक सलाखों के पीछे डाल गया था, उनमें से कई बाद में देश के प्रधानमंत्री बने (अटल बिहारी वाजपेयी, मोरारजी देसाई और चंद्रशेखर) और कई मुख्यमंत्री, राज्यपाल, वैज्ञानिक, प्रतिभाशाली लोग बने। उप राष्ट्रपति ने अधिकारियों से कहा, उनमें से कई आपकी उम्र के थे। उन्होंने कहा, उस समय देश के नौ उच्च न्यायालयों ने शानदार ढंग से परिभाषित किया कि आपातकाल हो या न हो, लोगों के पास मौलिक अधिकार हैं। न्याय प्रणाली तक पहुंच है। दुर्भाग्य से, सुप्रीम कोर्ट ने सभी नौ उच्च न्यायालयों को पलट दिया और एक ऐसा फैसला दिया जो दुनिया में किसी भी न्यायिक संस्थान के इतिहास में सबसे काला फैसला होगा जो कानून के शासन में विश्वास करता है। उप राष्ट्रपति ने कहा, उच्चतम न्यायालयों की व्यवस्था के खिलाफ उच्चतम न्यालय का निर्णय यह था कि कार्यपालिका की इच्छा है कि वह आपातकाल को जितने समय के लिए उचित समझे, लागू करे। दूसरी बात यह कि आपातकाल के दौरान कोई मौलिक अधिकार नहीं होते, इसलिए सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय ने इस भारत भूमि, जो कि सबसे पुराना और अब सबसे जीवंत लोकतंत्र है, में तानाशाही, निरंकुशता को वैध बना दिया।

उन्होंने कहा, इसलिए सरकार ने बहुत समझदारी से सोचा और 11 जुलाई, 2024 को एक अधिसूचना (25 जून को संविधान हत्या दिवस' घोषित करने की अधिसूचना) जारी की ...। श्री धनखड़ ने युवा प्रशिक्षुओं को राज्य सभा की इंटरर्नशिप कर चुके अपने पुराने साथियों से संपर्क में रहने की सलाह

दी। उन्होंने कहा कि इससे बड़ी शक्ति मिलेगी। उन्होंने कहा, आपको बता सकता हूं, वह मंच जिसे आप तैयार करनेकी प्रक्रिया में हैं और महासचिव बहुत उत्सुकता से इस पर विचार कर रहे हैं। आपको उस मंच पर वह सब कुछ मिलेगा जिसकी युवा दिमाग को वैश्विक ज्ञान संसाधन, आपके अवसर और परामर्श के बारे में ज़रूरत है। कार्यक्रम को राज्य सभा के महासचिव पी सी मोदी ने भी संबोधित किया।

पांच करोड़ के ड्रग्स के साथ पकड़ी गई नाइजीरियाई महिला

मुंबई, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने दिल्ली से मुंबई जा रही एक बस में यात्रा कर रही एक नाइजीरियाई महिला से करीब पांच करोड़ रुपए मूल्य की ड्रग्स बरामद की है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत करीब पांच करोड़ रुपए बताई जा रही है। इसे कालाबाजारी के जरिए ही बेचा या खरीदा जा सकता है। महिला को एनडीपीएस अधिनियम, 1985 से जुड़े प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि ड्रग्स मेथमफेटामाइन और एक्स्टसी की डिलीवरी जिस संदिग्ध व्यक्ति को की जानी थी, उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया है। प्रतिबंधित पदार्थों को खाद्य पैकेट (ओट्स) और जूस टेट्रा पैक में छिपाया गया था। डीआरआई अधिकारियों ने विशेष खुफिया सूचना के आधार पर गुरुवार की सुबह महिला को पकड़ने से पहले मुंबई के पास करीब 50 किलोमीटर तक दिल्ली से आ रही बस का पीछा किया। उन्होंने बताया कि देश की प्रमुख तस्करी रोधी इकाई की टीम ने 2.56 किलोग्राम मेथमफेटामाइन और 584 ग्राम एक्स्टसी की गोलियां बरामद कीं, जिनकी कुल कीमत करीब पांच करोड़ रुपए है। मेथमफेटामाइन और एक्स्टसी अपने उत्तेजक प्रभावों के कारण रेव पार्टियों में लोकप्रिय हैं। नाइजीरियाई नागरिक को नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सबस्टेंस (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच चल रही है।

इससे पहले डीआरआई ने अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया था। इस दौरान 1.4 करोड़ की पीली धातु जब्त की गई थी और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया था। अधिकारियों ने 15 जून को बताया था कि डीआरआई ने सोने की तस्करी करने वाले गिरोह के मास्टरमाइंड और एयर इंडिया के एक चालक दल के सदस्य को गिरफ्तार किया है। उनके पास से 1.41 करोड़ रुपए की कीमती धातु जब्त की गई है। उन्होंने बताया था कि डीआरआई ने एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई-116 के एक पुरुष चालक दल के सदस्य को रोका, जो शुक्रवार को न्यूयॉर्क से मुंबई पहुंचा था। चालक दल के सदस्य की शुरुआती तलाशी में कोई बरामदगी नहीं हुई। अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि उसने विदेशी मूल के सोने की छड़ों से भरी थैली को काले डक्ट टेप में लपेटकर बैगेज सर्विस एरिया के पास छिपा दिया था। उड़ान के बाद चालक दल के सदस्यों के लिए ब्रेथलाईजर टेस्ट के दौरान बैगेज सर्विस एरिया के पास उसने यह थैली छिपाई थी।

उन्होंने बताया था कि थैली को बरामद कर लिया गया और उसमें 1,373 ग्राम वजनी विदेशी मूल के सोने की छड़ें बरामद की गईं। अधिकारी ने बताया था कि आरोपी चालक दल के सदस्य ने अपने बयान में पहले भी भारत में सोने की तस्करी करने की बात स्वीकार की है। इसके बाद की कार्रवाई में गिरोह के मास्टरमाइंड को भी पकड़ा गया। वह चालक दल के सदस्यों को भारत में सोने की तस्करी करने के लिए चुनता था। मास्टरमाइंड ने भी सोने की तस्करी में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली है। दोनों आरोपियों को सीमा शुल्क अधिनियम के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया गया है।

आरटीआई से हुआ अहम खुलासा

रेप की 43 प्रतिशत एफआईआर झूठी

200 मामलों में सबूत नहीं, 96 महिलाओं पर कार्रवाई

गुरुग्राम, 20 जून (एजेंसियां)। गुरुग्राम में दुष्कर्म के मामलों को लेकर एक बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में पता चला है कि पिछले पांच वर्षों में दर्ज कराए गए दुष्कर्म के 43.6 प्रतिशत मामले झूठे हैं। जिसके बाद पुलिस ने झूठा मामला दर्ज कराने वाली कई महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई भी की है। यह खुलासा एक आरटीआई के तहत हुआ है। जांच में सामने आया है कि 1 जनवरी 2020 से 18 दिसंबर 2024 तक गुरुग्राम में दुष्कर्म के कुल 955 मामले कराए गए। इनमें से 417 मामले ऐसे थे, जहां शादी का झांसा देकर रेप करने की शिकायत की गई थी।आरटीआई एक्टिविस्ट दीपिका नारायण भारद्वाज ने बताया कि जांच में पता चला है कि अधिकतर मामलों में अपनी मर्जी से शारीरिक संबंध बनाने के बाद भी शादी ना होने पर लड़कियों ने लड़कों पर रेप के झूठे आरोप लगाए हैं। गुरुग्राम पुलिस के पास दर्ज 236 एफआईआर में पुलिस को शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों का कोई भी सबूत नहीं मिला, इसलिए ये मामले रद्द कर दिए गए।

सच्चाई सामने आने के बाद 96 मामलों में झूठा केस दर्ज कराने वाली महिलाओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इन्हें छह महीने की जेल की सजा दी गई है और जुर्माना भी लगाया गया है।

हरिद्वार में फिर सील हुए चार अवैध मदरसे

जिले में अब तक 85 पर हुआ एक्शन

हरिद्वार, 20 जून (एजेंसियां)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर जिला प्रशासन ने एक बार फिर से अवैध मदरसों को सील किए जाने का अभियान तेज किया है। आज चार अवैध मदरसे सील किए गए हैं। जिलाधिकारी मयूर दीक्षित द्वारा गठित टीम ने जिला हरिद्वार में अवैध रूप से चल रहे मदरसों को सील किए जाने का कार्य पुनः शुरू किया है। उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन ने पहलगाम घटना के बाद उक्त अभियान पर ब्रेक लगाया था।आज चार अवैध मदरसे सील किए जाने की पुष्टि जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने करते हुए बताया कि अभियान जारी रहेगा।

उन्होंने कहा कि अवैध मदरसे सील किए जाएंगे और जो वैध मदरसे चल रहे है उनके यहां भी सर्वे कराया जाएगा कि वो बच्चों को कैसी शिक्षा दे रहे है, उन्होंने कहा कि मदरसों में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम को पढ़ाया जाना अनिवार्य है और प्रशासन इसकी समीक्षा करेगा। जानकारी के मुताबिक हरिद्वार जिले में अब तक 85 अवैध मदरसे सील किए जा चुके हैं।

सीएम योगी ने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे जनता को समर्पित किया

आज आजमगढ़ बना अदम्य साहस का गढ़ : योगी

लखनऊ/आजमगढ़ 20 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार आजमगढ़ में गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का भव्य लोकार्पण किया। राज्य को विकास के नए आयामों पर ले जाने का प्रतीक बना यह लिंक एक्सप्रेस-वे 91.352 किलोमीटर लंबा है जिसे 7,283 करोड़ की लागत से तैयार किया गया है। सीएम योगी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर एक्सप्रेस-वे आम जनता के लिए समर्पित किया और खुद अपने काफिले के साथ गोरखपुर के लिए रवाना हो गए।

इससे पहले आजमगढ़ के सलारपुर, फूलपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ पहचान के संकट से जूझता था, लेकिन आज यह अदम्य साहस का गढ़ बन चुका है। यह उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और डबल इंजन सरकार के प्रयासों का परिणाम है, जो उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्य से एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह एक्सप्रेस-वे आजमगढ़ के साथ-साथ अंबेडकर नगर, संत कबीर नगर और गोरखपुर को विश्वस्तरीय कनेक्टिविटी प्रदान करेगा।

सीएम योगी ने कहा कि आजमगढ़ से गोरखपुर तक यह लिंक एक्सप्रेस-वे पूर्वी उत्तर प्रदेश को विकास की मुख्यधारा से जोड़ रहा है। यह कनेक्टिविटी पटना से दिल्ली तक की यात्रा को आसान बनाएगी। उन्होंने कहा कि 2017 में केवल दो एक्सप्रेस-वे (यमुना और आगरा-लखनऊ) थे जिसमें आगरा-लखनऊ अधूरा ही था जिसे डबल इंजन की सरकार ने पूरा किया, लेकिन अब 340 किलोमीटर का पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, 300 किलोमीटर का बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे और 91 किलोमीटर का गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे चालू हो चुके हैं। इसके अलावा, गंगा एक्सप्रेस-वे (600 किलोमीटर), लखनऊ-कानपुर, बलिया लिंक सहित छह एक्सप्रेस-वे निर्माणाधीन हैं। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे ने 3 घंटे की दूरी को 40-45 मिनट में सिमटने का गौरव हासिल किया है। सीएम योगी ने कहा कि इस वर्ष के अंत तक गंगा एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण प्रधानमंत्री करेंगे और इंफ्रास्ट्रक्चर इतना मजबूत होगा कि उत्तर प्रदेश को समृद्ध होने से कोई रोक नहीं सकेगा। उन्होंने कहा कि 2047 में भारत एक विकसित भारत होगा उसे विकसित भारत के लिए विकसित और आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश बनाने के दिशा में डबल इंजन की भारतीय जनता पार्टी की सरकार के द्वारा किए गए प्रयासों का एक प्रतिफल है कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य से अब एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में अपनी पहचान बना रहा है। सीएम योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि 2017 से पहले सड़कों का हाल ऐसा था कि गड्ढे में सड़क थी या सड़क में गड्ढा, पता ही नहीं चलता था। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का शिलान्यास तो हो गया था, लेकिन जमीन तक नहीं खरीदी गई थी। 15,200 करोड़ में 110 मीटर चौड़ा एक्सप्रेस-वे बनाना चाहते थे, हमने उसे 120 मीटर चौड़ा करके 11,800 करोड़ में बनवाया। बचे हुए पैसों की डकैती किसकी होती, जनता समझती है।

आजमगढ़ से गोरखपुर तक 91.352 किमी लंबा लिंक एक्सप्रेस-वे चालू

सीएम योगी ने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि पिछली सरकारें विकास की बजाय डी-कंपनी और दाऊद गिरोह के साथ साझेदारी करती थीं, सुरक्षा में सेंध लगाती थीं और आजमगढ़ को आतंक का गढ़ बना दिया था। 2007-08 में शिवली नेशनल कॉलेज में अजीत राय की हत्या वंदे मातरम गाने की वकालत के लिए हुई थी, लेकिन अब ऐसा दुस्साहस कोई नहीं कर सकता। आज कोई प्रदेश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करता है तो उसके लिए यमराज का टिकट पहले से कट जाता है।

सीएम योगी ने कहा कि अब देश और प्रदेश की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं होगा। ऑपरेशन सिंदूर, सर्जिकल और एयर स्ट्राइक इसके उदाहरण हैं। जो सुरक्षा में सेंध लगाएगा, उसे यमराज का टिकट मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ प्रयागराज, अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भगवान रामलाल के भव्य मंदिर का निर्माण होना काशी में काशी विश्वनाथ धाम का होना मां विंध्यवासिनी धाम का विकसित होना चित्रकूट धाम का विकसित होना यह सभी आज एक नई पहचान दिला रहे हैं। मथुरा-वृंदावन में भी हमारा कार्य प्रारंभ हो चुका है। आजमगढ़ में महाराज सुहेलदेव विश्वविद्यालय और मेडिकल कॉलेज संस्कृति की पहचान को मजबूत कर रहे हैं।

सीएम ने 60,244 पुलिस भर्ती का उदाहरण देते हुए कहा कि बिना सिफारिश या पैसे के हर जाति-संप्रदाय के युवा, जिसमें 12,045 बेटियां शामिल हैं, नौकरी पा रहे हैं। 2017 से पहले चाचा-भतीजा वसूली के लिए निकलते थे, लेकिन अब सबका साथ, सबका विकास हो रहा है। उन्होंने एक्सप्रेस-वे किनारे औद्योगिक क्लस्टर विकसित करने की बात कही, ताकि नौजवानों को स्थानीय रोजगार मिले और उन्हें देश-दुनिया में सम्मान मिले।

सीएम योगी ने कहा कि पहचान के संकट से जूझ रहे आजमगढ़ ने दो-दो मुख्यमंत्री दिए, लेकिन उसे पहचान नहीं मिल सकी। आज डबल इंजन की सरकार की वजह से आजमगढ़ विकास की मुख्यधारा में शामिल हो चुका है। यह लिंक एक्सप्रेस-वे न सिर्फ आजमगढ़ को गोरखपुर से जोड़ेगा, बल्कि पूरे पूर्वांचल को एक नई गति देगा। सीएम योगी ने कहा कि पहले आजमगढ़ के नाम से लोग डरते थे। 2017 के बाद डबल इंजन की सरकार ने आजमगढ़ की साड़ी, ब्लैक पॉटरी और हरिहरपुर के संगीत घराने को नई पहचान दिया। पहले इनकी अनदेखी हुई, लेकिन अब निरहुआ (दिनेश लाल यादव) और नीलम सोनकर जब सांसद हुए तो जिले में विकास ने रफ्तार पकड़ी। औद्योगिक विकास की बात करते हुए सीएम ने कहा कि एक्सप्रेस-वे किनारे औद्योगिक क्लस्टर विकसित हो रहे हैं, जिससे युवाओं को गांव में ही रोजगार मिलेगा। अब नौजवानों को पहचान का संकट नहीं झेलना पड़ेगा। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में 16 एयरपोर्ट, जिसमें चार अंतरराष्ट्रीय और फोरलेन कनेक्टिविटी है जिसने उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

यूपी का सातवां संचालित एक्सप्रेस-वे बना गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे

गोरखपुर, 20 जून (एजेंसियां)।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हाथों लोकार्पित हुआ गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे उत्तर प्रदेश का सातवां संचालित एक्सप्रेस-वे बना। इन सात में से पांच का निर्माण योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद बीते आठ साल में हुआ है। वर्तमान में तीन एक्सप्रेस-वे निर्माणाधीन हैं जबकि आठ नए एक्सप्रेस-वे का निर्माण होना प्रस्तावित है।

योगी सरकार में उत्तर प्रदेश की पहचान एक्सप्रेस-वे प्रदेश के रूप में भी सुदृढ़ हो रही है। 2017 के पहले तक यूपी में सिर्फ दो एक्सप्रेस-वे संचालित थे। जबकि योगी सरकार ने अपने अब तक के आठ साल में पांच नए एक्सप्रेस-वे संचालन योग्य बना दिए हैं। संचालन के लिए लोकार्पित होने वाले एक्सप्रेस-वे की सूची में नया जुड़ा नाम गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे का है। यूपी देश में सबसे लंबे एक्सप्रेस-वे वाला राज्य बन चुका है। ये एक्सप्रेस-वे प्रदेश के विकास को रफ्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए कठिन माने जा रहे क्षेत्र में बने गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे को सीएम योगी के दृढ़ संकल्प का एक्सप्रेस भी कहा जा रहा है। यह एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल कॉरिडोर की भी सौगात लाया। शानदार रोड कनेक्टिविटी मिलना सुनिश्चित होने से लिंक एक्सप्रेस-वे का किनारा निवेशकों की खास पसंद बन गया। एक्सप्रेस-वे का लोकार्पण होने के पहले ही यहां चार इंडस्ट्रियल यूनिट्स में उत्पादन हो रहा है। जबकि कुछ बड़ी यूनिट्स की स्थापना के लिए भूमि आवंटन हो चुका है और कई को जल्द उनकी मांग के अनुसार जमीन उपलब्ध हो जाएगी। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे गीडा (गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण) ने अपने महत्वपूर्ण इंडस्ट्रियल सेक्टर्स विकसित किए हैं। लिंक एक्सप्रेस-वे के किनारे ही गीडा ने 88 एकड़ क्षेत्रफल में उत्तर प्रदेश का पहला प्लास्टिक पार्क बनाया है। इसमें प्लास्टिक उत्पाद की 92 इकाइयों हेतु विभिन्न क्षेत्रफल के आवंटन हेतु उपलब्ध भूखंडों में से करीब पांच दर्जन भूखंडों का आवंटन किया जा चुका है। प्लास्टिक पार्क में कुछ यूनिट्स में उत्पादन शुरू हो चुका है। इसमें 96 करोड़ रुपए का निवेश करने वाली प्लास्टिक पैकेंजिंग की प्रमुख कंपनी टेक्नोप्लास्ट पैकेंजिंग प्राइवेट लिमिटेड, 17 करोड़ रुपए का निवेश करने वाली ओम फ्लैक्स इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड और 7 करोड़ रुपए का निवेश करने वाली गजानन पॉलीप्लास्ट शामिल हैं।

सीएम योगी ने पीडब्लूडी के कामकाज की समीक्षा की

75 जिलों से मांगा गया कामकाज का ब्यौरा

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) की प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन और आगामी रणनीति के संबंध में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। इस बैठक में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ राज्य के समस्त जिलाधिकारी, विभिन्न विधानसभा के जनप्रतिनिधि और संबंधित विभागीय अधिकारी वर्चुअल माध्यम से सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि लोक निर्माण विभाग की प्रमुख 18 योजनाओं के अंतर्गत प्रदेश के सभी 75 जिलों से 30 जून तक प्रस्ताव अनिवार्य रूप से प्राप्त हो जाना चाहिए। सीएम ने जिलाधिकारियों से कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधियों से समन्वय स्थापित कर स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप प्रस्ताव तैयार कर तय समयसीमा के भीतर भेजें। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास का लाभ राजनीतिक क्षेत्रफल नहीं, बल्कि स्थानीय आवश्यकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने समावेशी विकास की संकल्पना को केंद्र में रखते हुए निर्देशित किया कि सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों को कम से कम 2-3 योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ अवश्य मिलना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि विकास कार्यों का भूमि पूजन अथवा शिलान्यास स्थानीय जनप्रतिनिधियों के माध्यम से कराया जाए, ताकि विकास में जनभागीदारी की भावना सशक्त हो। मुख्यमंत्री ने धार्मिक पर्यटन को आर्थिक सशक्तिकरण से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्देश देते हुए कहा कि हर वर्ष प्रदेश के टॉप-50 धार्मिक स्थलों का चयन उसकी ऐतिहासिकता, महत्व एवं श्रद्धालुओं की संख्या के आधार पर किया जाए और इन स्थलों को जोड़ने वाले मार्गों के निर्माण एवं सुदृढ़ीकरण को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों की बेहतर कनेक्टिविटी न केवल सांस्कृतिक अनुभव को समृद्ध करती है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी प्रोत्साहित करती है।

प्रदेश के 10 अंचलों में 237 सेतुओं का निर्माण कर रही यूपी सरकार

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए प्रदेश के 10 अंचलों में 237 सेतुओं के निर्माण पर सरकार फोकस कर रही है। सीएम योगी के निर्देश पर लोकनिर्माण विभाग द्वारा 116 नदी सेतु, 96 रेल ओवर ब्रिज, 12 फ्लाइओवर समेत 13 अन्य कार्यों को पूरा करने का खाका तैयार किया है। उल्लेखनीय है कि इन कार्यों को उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा को पूरा किया जा रहा है और इस पर 16,967 करोड़ रुपए का खर्च आएगा और इससे यातायात प्रबंधन में मदद मिलेगी।

जिन अंचलों में सेतु निर्माण के इन कार्यों को पूरा किया जा रहा है उनमें आगरा, अयोध्या, आजमगढ़, बरेली, गाजियाबाद, गोरखपुर, कानपुर, लखनऊ, प्रयागराज व वाराणसी प्रमुख है। बड़ी बात यह है कि 237 में से 61 परियोजनाओं पर 75 से 99 प्रतिशत तक कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि 60 सेतुओं के निर्माण का कार्य 51 से 75 प्रतिशत तथा 33 सेतुओं का निर्माण कार्य 26 से 50 प्रतिशत के बीच पूरा किया जा चुका है।

लोकनिर्माण विभाग द्वारा तैयार किए गए खाके के अनुसार, प्रदेश में सेतु निर्माण के जिन कार्यों को पूरा करने के लिए वरीयता के आधार पर काम हो रहा है उसमें 116 नदी सेतु प्रमुख हैं। इनका निर्माण 6123 करोड़ रुपए से अधिक लागत से किया जा रहा है तथा 26 सेतुओं का निर्माण 76 से 99 प्रतिशत तक, 28 सेतुओं का निर्माण 51 से 75 प्रतिशत तथा 18 सेतुओं का निर्माण 26 से 50 प्रतिशत तक हो चुका है। इसी प्रकार, 96 रेल उपरिगामी सेतुओं का निर्माण 7557 करोड़ रुपए की अधिक लागत से किया जा रहा है। इसमें 33 कार्य 76 से 99 प्रतिशत तक, 27 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तक तथा 9 कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। इसी प्रकार, 12 फ्लाइओवर निर्माण के कार्य लगभग 1540 करोड़ रुपए की लागत से पूर्ण किए जा रहे हैं। इनमें एक कार्य 76 से 99 प्रतिशत तक, 2 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तक तथा 2 कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूर्ण हो चुके हैं। 13 अन्य निक्षेप कार्यों को भी 1745 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया जा रहा है।

प्रदेश में सेतु निर्माण के जिन कार्यों को पूरा करने की कार्ययोजना लोकनिर्माण विभाग ने तैयार की है उनमें सर्वाधिक 47 कार्य लखनऊ में प्रस्तावित हैं। इन पर 3427 करोड़ रुपए का खर्च आएगा तथा 8 कार्य 76 से 99 प्रतिशत, 14 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तथा 8 कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। गाजियाबाद में 38 सेतुओं का निर्माण 2626 करोड़ की लागत से किया जा रहा है जिसमें से 11 कार्य 76 से 99 प्रतिशत, 10 कार्य 51 से 75 प्रतिशत तथा 5 कार्य 26 से 50 प्रतिशत तक पूरे हो चुके हैं। इसके अतिरिक्त, कानपुर में 26 तथा अयोध्या में भी 26 कार्यों को पूरा करने की तैयारी है जिसमें क्रमशः 1885 करोड़ तथा 1392 करोड़ रुपए का खर्च होगा। इन दोनों ही अंचलों में 9-9 कार्यों के पूर्ति की वर्तमान स्थिति 76 से 99 प्रतिशत के बीच है। वहीं, आगरा में 23 कार्यों को 1360 करोड़, गोरखपुर में 24 कार्यों को 2191 करोड़, वाराणसी में 22 कार्यों को 1278 करोड़, बरेली में 13 कार्यों को 609 करोड़, प्रयागराज में 10 कार्यों को 890 करोड़ तथा आजमगढ़ अंचल में 8 कार्यों को 1301 करोड़ रुपए के लागत से पूरा करने की तैयारी है।

यूपी में तबादलों में भी भ्रष्टाचार: आईजी स्टांप हटाए गए

210 ट्रांसफर निरस्त हुए, पैसे के लेनदेन की शिकायत थी

लखनऊ, 20 जून (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्टांप एवं पंजीयन विभाग में तबादलों में हुए भ्रष्टाचार की शिकायत पर कड़ी कार्रवाई करते हुए महानिरीक्षक आईजी स्टांप समीर वर्मा को हटा दिया है और सभी तबादले निरस्त कर दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने यह कार्रवाई स्टांप एवं पंजीयन राज्यमंत्री रवींद्र जायसवाल की शिकायत पर की है। जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर आईजी स्टांप द्वारा किए गए तबादलों में भ्रष्टाचार की शिकायत की थी। सीएम ने मामले की जांच कराने के भी आदेश दिए हैं। वहीं, स्टांप और परिवहन विभाग के प्रमुख सचिव अमित गुप्ता को आईजी स्टांप का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है।

तबादला सीजन में शासन स्तर से 4 उप महानिरीक्षक और 18 सहायक महानिरीक्षकों का तबादला किया गया था। वहीं आईजी स्टांप ने मंत्री से चर्चा किए बिना ही 58 उप निबंधकों के अलावा 114 लिपिकों, 8 चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के अलावा 30 नए कर्मचारियों का तबादला कर दिया। रवींद्र जायसवाल ने पत्र में समीर वर्मा पर खुलेआम भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। उन्होंने लिखा कि उन्हें समूह ख एवं ग श्रेणी के 210 अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले में भ्रष्टाचार की शिकायत मिली थी। आईजी ने तमाम भ्रष्ट और जांच से घिरे अधिकारियों को बड़े बड़े जिलों में तैनाती दे दी है। इसके लिए लाखों रुपए के लेनदेन की जानकारी मिली थी। मंत्री ने तबादले में आईजी स्टांप की भूमिका को भी संदिग्ध बताया है।

जायसवाल ने पत्र में यह भी लिखा है कि आईजी ने सभी तबादले 13 जून को ही कर दिए थे और खानापूर्ति के लिए 15 जून को मेरे सामने तबादलों की सूची रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया है कि आईजी द्वारा महत्वपूर्ण कार्यालयों में प्रभारी उप निबंधकों और लिपिक से प्रोन्नत उप निबंधकों को मानक के विपरीत तैनात कर दिया है। मंत्री ने लिखा है कि बार-बार मांगने के बाद भी आईजी ने उप निबंधकों की तैनाती का प्रस्ताव उपलब्ध नहीं कराया। स्टांप एवं पंजीयन मंत्री रवींद्र जायसवाल ने कहा कि आईजी स्तर पर हुए तबादलों में सर्वाधिक गड़बड़ी सामने आई है। मुख्यमंत्री ने पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर स्थानांतरण का आदेश दिया है। लेकिन, बाबुओं और सब रजिस्ट्रार का जो तबादला हुआ, उसके लिए कोई सहमति नहीं ली गई। सूची आने पर सामने आया कि तबादलों में पारदर्शिता नहीं बरती गई। एक इंटर पास बाबू को रजिस्ट्रार बना दिया। इन सभी शिकायतों का मुख्यमंत्री ने संज्ञान लेकर तबादलों पर रोक लगाने के साथ जांच करने का आदेश दिया है।

संभल हिंसा में खुलासा

सपा सांसद के उकसावे पर सर्वे रोकने जुटी थी भीड़

संभल, 20 जून (एजेंसियां)।

सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के व्यक्तिगत सहायक अब्दुल रहमान के पिता रिजवान की भूमिका भीड़ को एकत्र करने में सामने आई है। सांसद के कहने पर रिजवान ने ही फोन कर जामा मस्जिद के आसपास इलाके के साथ सरायतरीन से भीड़ को सर्वे रोकने के लिए बुलाया था। पुलिस ने चार्जशीट में लिखा है कि रिजवान जामा मस्जिद में इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम भी करता है।

जामा मस्जिद सर्वे के दौरान हुए बवाल का मुख्य साजिशकर्ता तो पुलिस ने सांसद जियाउर्रहमान बर्क और जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट को माना है। चार्जशीट में इसका उल्लेख भी किया गया है। इसके अलावा सांसद के व्यक्तिगत सहायक अब्दुल रहमान के पिता रिजवान की भूमिका भीड़ को एकत्र करने में सामने आई है। सांसद के कहने पर रिजवान ने ही फोन कर जामा मस्जिद के आसपास इलाके के साथ सरायतरीन से भीड़ को सर्वे रोकने के लिए बुलाया था। यह सभी खुलासे रिजवान की सीडीआर सामने आने के बाद हुए थे।

पुलिस ने चार्जशीट में लिखा है कि रिजवान जामा मस्जिद में इलेक्ट्रीशियन के तौर पर काम भी करता है। पुलिस ने आगे की छानबीन की तो भीड़ एकत्र करने की पुष्टि हुई। जिन लोगों से फोन पर बातचीत हुई थी। उनकी भूमिका की जांच करने पर वह भी बवाल की साजिश में शामिल पाए गए। इन सभी 23 आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट फाइल कर दी है। इसमें कुछ गिरफ्तार किए गए हैं। जबकि कुछ को धारा 35 (3) का नोटिस दिया गया है।

चार्जशीट के अनुसार 24 नवंबर की सुबह सर्वे होगा। इसकी जानकारी जब जामा मस्जिद कमेटी के सदर को हुई तो उन्होंने 23 नवंबर की देर रात में ही सबसे पहले यह सूचना सांसद को दी थी। सांसद ने कहा था कि सर्वे नहीं होने देना है। भीड़ को एकत्र किया जाए और इसके बाद रिजवान के फोन पर भी कई बार सांसद ने बातचीत की। जिसमें भीड़ को एकत्र करने और सर्वे होने से रोकने का संदेश दिया गया। इसके चलते सर्वे को रोकने के लिए बड़ी तादाद में भीड़ एकत्र हुई और बवाल किया। जफर अली पर आरोप है कि उन्होंने पूरी साजिश को सांसद के साथ मिलकर रचा और बवाल के बाद प्रेसवार्ता कर झूठे बयान दिए। जो गंभीर अपराध के संबंध में दिए गए थे। अलग-अलग दौर की पूछताछ में वह कोई साक्ष्य नहीं दे सके और उन्होंने कबूल किया कि सांसद ने ही भीड़ एकत्र करने के लिए कहा था। इसके बाद ही भीड़ एकत्र हुई। जामा मस्जिद कमेटी सदर 23 मार्च से जेल में बंद हैं।

सांसद जियाउर्रहमान बर्क, जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट, आसिफ, दानिश, मुजम्मिल, सुभान, जमशेद आलम, रफीक अली, आसिम, अब्दुल रहमान, रिजवान, हाजी राशिद, लड्डन खां, मुमताज, इतरत हुसैन, मताहिर हुसैन, अब्दुल माबूद खान, मोहसिन, आरिश, गिलमान, जाहिद अली, अल्तमश, मुजम्मिल खान। 24 नवंबर को हुए बवाल में एसआईटी ने जांच शुरू की तो साक्ष्य एकत्र करने के साथ बयान भी दर्ज किए। एसआईटी ने इस मुकदमे में 14 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। यह वह लोग हैं जो बवाल के दौरान मौके पर मौजूद थे। इसमें पुलिस के साथ अधिवक्ता भी शामिल हैं। जिन्होंने पूरे बवाल को देखा था। इन गवाहों के बयान भी अहम साबित होंगे। 1100 पन्नों की चार्जशीट एसआईटी ने दाखिल की है।

जामा मस्जिद कमेटी के सदर जफर अली एडवोकेट तो 23 मार्च से जेल में बंद है। उन पर बवाल की साजिश करने और गंभीर अपराध में झूठे बयान देने जैसे गंभीर आरोप है। इसके अलावा चार्जशीट में पांच और पदाधिकारी आरोपी बनाए गए हैं। इनमें से किसी की गिरफ्तारी नहीं की गई है। पुलिस ने धारा 35 (3) का नोटिस तामील कराया है। सपा विधायक इकबाल महमूद के बेटे सुहेल इकबाल पर 24 नवंबर 24 को बवाल में भीड़ को उकसाने का आरोप लगा था। सांसद के साथ सुहेल इकबाल को नामजद करते हुए 700-800 अज्ञात आरोपी बनाए गए थे। इसमें 23 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो गई है।

ये हैं साथ, तो चिंता की क्या बात

चिंता और बैचेनी को दूर भगाने का इतना मीठा और मजेदार तरीका भी हो सकता है, यह शायद ही आपने सोचा होगा। वाकई खाने की कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो कई बार दवा से भी ज्यादा असर दिखाती हैं, अगर आप एंजाइटी से परेशान हैं। वैसे भी ये सुपरफूड्स आपको दूसरे प्रोसेस्ड स्नेक्स से बेहतर हैं...

ब्लूबैरीज : इस लिस्ट में ब्लूबैरीज को आप टॉप पर रख सकते हैं क्योंकि यह एंजाइटी भागाने वाले विटामिन 'सी'' और एंटिऑक्सिडेंट्स से लबालब है। यह छोटी-छोटी बैरीज पॉवरफुल स्ट्रेस बस्टर्स हैं। आपके शरीर को विटामिन 'सी'' और एंटिऑक्सिडेंट्स की जरूरत सेल्स को रिपेयर और प्रोटेक्ट करने के लिए होती है। जब आप चिंताओं से लड़ रहे हों तब फ्रेश ब्लूबैरीज खाने से बेहतर कुछ नहीं है। अगर आप खाने-पीने के शौकीन नहीं हैं तो इसकी स्मूदिज तैयार कर पी सकते हैं।

नाशपाती : नाशपाती में दिल को स्वस्थ रखने के तमाम गुण मौजूद हैं। इसमें मौजूद फैटी एसिड्स आपके दिमाग को भी ठीक रूप से चलने में मदद देते हैं। यह पोटेशियम का भी खजाना है और आपके ब्लड प्रेशर पर भी यह काबू रखेगा। इसे सलाद, स्मूदिज में शामिल किया जा सकता है।

बादाम : क्या आप जानते हैं कि बादाम में क्या होता है! इसमें विटामिन बी2 और ई भी होता है। इससे आपका इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। ये विटामिन्स आपकी मदद तक करते हैं जब आप खुद को तनाव से घिरा और डल पाते हैं। अगर आप कैलोरीज का भी ध्यान रखने वालों में से हैं तो एक तिहाई कम से ज्यादा रोज न खाएं। काजू और अखरोट भी बेहतरीन विकल्प हैं।

डार्क चॉकलेट : डार्क चॉकलेट खाकर आप अपनी एंजाइटी चमत्कारिक रूप से कम कर सकते हैं। तीस ग्राम चॉकलेट रोज खाकर आप अपने एंजाइटी लेवल को कम कर सकते हैं और मौसम के कारण होने वाले डिप्रेशन को भी भगा सकते हैं। डार्क चॉकलेट के एक सामान्य आकार के टुकडे में 155 कैलोरीज, 5 ग्राम सेचुरेटेड फैट, 1.4 ग्राम प्रोटीन, 12 मिली ग्राम कैफीन और दो ग्राम डाइट्री फाइबर होता है। यह

ब्यूटी स्लीप ना लेने से कैसे पड़ सकता है

आपके चेहरे पर असर

आज कल की भाग दौड़ भरी जिंदगी ने हमारी नींद हराम कर रखी है। ऑफिस में देर तक काम करना और फिर लेट नाइट सोने से हमारी नींद ठीक प्रकार से पूरी नहीं हो पाती। नींद को पूरा ना करने से ना केवल हमारे शरीर पर बुरा असर पड़ता है बल्कि दिमागी रूप से भी असर पड़ता है। नींद के दौरान हमारी बॉडी और माइंड खुद को रिपेयर करते हैं और दूसरे दिन के लिये तैयार होते हैं।

अगर आप नींद पूरी नहीं करती तो इसका सीधा असर आपकी स्किन पर भी पड़ेगा, जिसे खुद मेकअप भी नहीं छुपा पाएगा। आइये जानते हैं कि जब आप अपनी ब्यूटी स्लीप नहीं लेती तो आपके चेहरे पर क्या असर पड़ता है। ब्यूटी स्लीप ना लेने से कैसे पड़ सकता है आपके चेहरे पर असर...

आपकी रंगत पर असर पड़ सकता है

अगर आपकी नींद पूरी नहीं होगी तो वह डल और थकी दिखने लगेगी। ऐसा इसलिये क्योंकि जब आप सोती हैं, तब शरीर हर तहर की गंदगी को बाहर निकालने का काम करता है, जिससे त्वचा ब्राइट और ग्लो हो जाती है।

शरीर के आवश्यक तरल पदार्थ के स्तर में असंतुलन होने लगता है

कम सोने से त्वचा की नमी में कमी आ जाती है, जिससे पीएच लेवल पर असर पड़ता है और त्वचा रूखी होनी शुरु हो जाती है। इससे चेहरे पर लालिमा और दाने दिखने लगते हैं।

सोने से पहले ना करें ये गलती

कई लोग रात में शराब पीते हैं, जिस दौरान हमारी बॉडी सबसे ज्यादा सेल बना रही होती है। शराब पीने से शरीर में पानी की कमी हो जाती है और त्वचा में पूरे दिन सूजन दिखाई पड़ती है।

सोने के तरीके पर भी ध्यान दें

किसी को अच्छा नहीं लगता कि उसकी आंखें सुबह के समय सूजी हुई दिखाई दें। वे लोग जो पेट के बल सोते हैं उन्हें यह समस्या ज्यादा होती है।

सोने की पोजिशन से जानिये इंसान का व्यक्तित्व

रात को देर से सोना और जल्दी उठन भी खराब रात को देर से सोने से और जल्दी उठ जाने से आंखों के नीचे डार्क सर्कल पड़ जाते हैं।

समय प्रबंधन का महत्व

-जोगिंदर सिंह

आपको इस नियम का ज्ञान होना चाहिए कि जब काम छोटा और समय ज्यादा हो, तो काम स्वयं को फैला लेता है। हमारे यहां एक घरेलू काम करने वाली थी वह इस नियम का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करती थी। वह उतने ही समय में एक काम या कभी-कभी तीन-चार काम एक साथ ही करती थी। मैंने उससे पूछा कि ऐसा वह क्यों करती है। उसका उत्तर था कि यह तरीका उसके समय बिताने का जरिया था, लेकिन सत्य यह है कि हर एक के जीवन में काफी काम होते हैं। यह तो हम पर निर्भर करता है कि उनको किस प्रकार करें। यह भी सच है कि आसान काम को हम शायद ज्यादा आसानी से करते हैं। तथ्य यह है कि यदि हम मजबूत और शक्तिशाली होना चाहते हैं, तो हमें दृढ़निश्चयी होना ही पड़ेगा-चाहे जो भी हम करें। हममें से हर एक की कुछ धनात्मक और ऋणात्मक प्रवृति होती ही है। कुछ लोग अपने काम में बड़े माहिर होते हैं, परंतु थोड़े याद-भूला भी होते हैं। वे नाम और तारीखों तथा अपने प्रिय व्यक्तियों की जन्म और विदाई की तिथियां प्रायः भूल जाते हैं।

इस संदर्भ में हमें ज्यादा समय और सहृदय होना चाहिए और यह नहीं सोचना चाहिए कि कोई भी ऐसी घटना जान बूझकर हमें नीचा दिखाने या तिरस्कार करने के लिए की गई है। आदर्श स्थिति तो यह है कि सभी का भला सोचा जाए। कभी-कभी कटु सत्यों को यथाशीघ्र भूल जाना ही श्रेयस्कर होता है। दरअसल, हम खुद ही अपने बर्ताव या प्रतिक्रिया के लिए जिम्मेवार होते हैं। इसलिए ऐसे संदर्भों में हमें अपनी सोच में बदलाव लाना चाहिए। हम इसलिए ऐसी स्थितियां भुगतते हैं, क्योंकि हम दूसरों के जाने या अनजाने में में किए गए बर्ताव के खुद ही शिकार बनना पसंद कर सकते हैं। यदि वाकई में कोई चीज बुरी लगती है, तो हमें अपना पक्ष स्पष्टद्द कर स्वयं को व्यक्त करने का पूरा हक है। एक बहुत श्रेष्ठ गुण है जीवन की विभिन्न स्थितियों में राई का पहाड़ बनाने की प्रवृति से परहेज करना।

न हमें हर चीज को अपने पूर्वाग्रह युक्त दृष्टि से देखना चाहिए और न ही सदैव-न्यायाधीश का चोला पहने रहना चाहिए। हमें स्वयं से भी पूछना चाहिए कि क्या हमने किया या नहीं किया, जिसके कारण यह घटना हुई या यह उक्ति सुनने को मिली। जीवन में घटने वाली हर घटना में हममें से हर एक की जिम्मेदारी होती है, जो नकारी नहीं जा सकती। हमें किसी भी घटना में अपनी भूमिका को संज्ञान में लेने से बचना नहीं चाहिए। जो भी हम करते या कहते हैं, उसके बारे में हमें पूरी तरह सचेत रहना चाहिए कि हमने क्या किया या कहा या क्या दूसरे के पास है और हमारे पास नहीं है, जिसके कारण यह घटना या कोई घटना घटी या काण्ड हुआ।

दूसरों पर दोषरोपन करने से कुछ हासिल नहीं होता यद्यपि ज्यादातर लोग ऐसा ही करते हैं यदि आप अपनी भूमिका के बारे में पूरी तरह सचेत होंगे, तब ही उसमें सुधार ला सकते हैं या किसी घटना के संदर्भ में अवांछित अक्षर अपने जीवन, परिवार या कार्य क्षेत्र में कम या ज्यादा कर उसका प्रभाव नगण्य कर सकते हैं। हमें जागरूक रहना चाहिए कि हम जो कुछ करते या कहते हैं, जीवन में उसका प्रभाव होता है। जीवन एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें हम अनुभव और जरूरी सबक प्राप्त करते हैं। इसके द्वारा न सिर्फ हम अपने अस्तित्व में बदलाव ला सकते हैं, वरन अपने चारों तरफ एक सकारात्मक वातावरण फैला सकते हैं। हमें जीवन को ऋणात्मक प्रवृत्तियों में बर्बाद नहीं करना चाहिए तथा व्यर्थ के दोषरोपन अपने पर तरस खाने और जीवन की असमानताओं की शिकायत करने में नहीं गवाना चाहिए। जब तक जीवन है उसे बेहतर बनाएं। **(लेखक सीबीआई के पूर्व निदेशक हैं)**

बच्चों में भूख बढ़ाने वाले योगासन

बच्चों में भूख को लेकर होने वाली समस्याएं बेहद आम हैं। शैक्षणिक दबाव के कारण उन्हें कई बार समय पर भोजन करने का समय नहीं मिल जाता है ऐसे में उनकी भूख भी मर जाती है और शरीर में हेल्दी पोषक तत्वों की कमी हो जाती है।

1. बटरफ्लाई पोज़ या बधाकोसन : यह भूख बढ़ाने वाला काफी अच्छा योगा है। इसे करने से कब्ज की समस्या दूर हो जाती है और पाचन क्रिया भी दुरूस्त हो जाती है।

2. शशांक आसन या खरगोश पोज़ः यह आसन तनाव दूर करने के लिए सबसे अच्छा होता है। इसे करने से पाचन क्रिया भी दुरूस्त रहती है और पेट में होने वाली आंतरिक समस्या भी दूर हो जा ती है। इसे निम्न प्रकार करते हैं: शशांकासन को करने के लिए फर्श पर दरी या चटाई बिछाकर बैठ जाएं। दोनो पैरों को घुटनों से मोड़कर पीछे की ओर हिप्स के नीचे रखें और एड़ियों पर बैठ जाएं। अब सांस लेते हुए दोनों हाथों को ऊपर की ओर करें। इसके बाद सांस को बाहर छोड़ते हुए धीरे-धीरे आगे की ओर झुकते हुए सांस को बाहर निकालें और दोनो हाथों को आगे की ओर फैलाते हुए हथेलियों को फर्श पर टिकाएं। अपने सिर को भी फर्श पर टिकाकर रखें। आसन की इस स्थिति में आने के बाद कुछ समय तक सांस को बाहर छोड़कर और रोककर रखें। फिर सांस लेते हुए शरीर में लचक लाते हुए पहले पेट को, फिर सीने को, फिर सिर को उठाकर सिर व हाथों को सामने की तरफ करके रखें। कुछ समय तक इस स्थिति में रहे और फिर सीधे होकर कुछ समय तक आराम करें और पुनः इस क्रिया को करें।

3. चिन्मय मुद्रा : इस मुद्रा को करने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है, पाचन क्रिया दुरूस्त होती है और भूख लगना भी शुरू हो जाती है। इ स के निम्न प्रकार किया जाता है: अपनी आंखों को बंद करके आराम से सुखासन में बैठ जाएं। अपने हाथों को जांघों पर रखें और हथेली को नीचे करके रखें। अब एक हाथ को उठाएं और उसके अंगूठें को दबाकर बाकी की तीन उंगलियों को ऊपर की ओर ज्ञान मुद्रा में रखें। गहरी सांस लें और दो से तीन मिनट तक इसी मुद्रा में रहें। इस प्रक्रिया को पांच बार दोहराएं।

4. सूर्य नमस्कार से बच्चों को बहुत लाभ होता है। इसे बच्चों को सिखाएं और दिन में कम से कम पांच बार करने को कहें।

इसे निम्न प्रकार करें

सबसे पहले फर्श पर बैठ जाएं। अपनी पीठ को बिल्कुल सीधा रखें और अपने पैरों को घुटनों से मोढ़ लें। पैरों के तलवों को इस प्रकार रखें कि वो एक दूसरे के आमने-सामने रहें। अब अपने हाथों से, पंजों को पकडें और पैरों को मूव कराएं। अपनी जांघों को ऊपर नीचे हिलाएं। ऊपर की ओर जितना उठा सकते हैं उतना उठाएं। इसे जितनी बार किया जाएं, उतना ही अच्छा है। इसे करने से शरीर में लचीलापन भी आता है।

मच्छरों से बचने अपनाए ये घरेलू उपाय

बरसात का मौसम एक ओर जहां अपने साथ नई ताजगी लेकर आता है वहीं दूसरी ओर ढ़ेर सारी बीमारियां भी. ये मौसम मच्छरों के प्रजनन का होता है.

आप लाख दरवाजे और खिड़कियां बंद कर लीजिए लेकिन डेंगू, मलेरिया और जीका जैसी जानलेवा बीमारियों को फैलाने वाले ये मच्छर कहीं न कहीं से घर में घुस ही जाते हैं. इस मच्छरों को भगाने के लिए हम हर महीने सैकड़ों रुपए के कॉयल और लिक्विड वेपराइजर खरीदते हैं. लेकिन फायदा कुछ नहीं होता.

न तो मच्छर भागते हैं और न ही मरते हैं. वे कमरे में ही किसी कोने में छिप जाते हैं. उसके बाद जैसे ही कॉयल खत्म होता है, वे कोने से बाहर निकल आते हैं और अपने नुकीले एंटीना चुभाना शुरू कर देते हैं.

एक ओर जहां ये केमिकल बेस्ड प्रोडक्ट काफी महंगे होते हैं वहीं ये बहुत प्रभावी भी नहीं होते. साथ ही इनसे निकलने वाले धुंए का बुरा असर हमारी सेहत पर भी पड़ता है. लेकिन आप चाहें तो घरेलू और नेचुरल तरीके से भी मच्छरों से राहत पा सकते हैं.

जॉन्सन बेबी क्रीम

अगर आपको ये पढ़कर हंसी आ रही है तो आपको बता दें कि ये कोई मजाक नहीं है. जॉन्सन बेबी क्रीम लगाकर आप मच्छरों से राहत पा सकते हैं.

नीम और लैवेंडर का तेल

नीम का तेल तो मच्छरों से छुटकारा पाने का रामबाण उपाय है. विशेषज्ञों की मानें तो नीम का तेल किसी भी कॉयल और वेपराइजर की तुलना में दस गुना ज्यादा इफ़ेक्टवि होता है. नीम के तेल में एंटी-फंगल, एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण पाया जाता है. आप चाहें तो नीम के तेल को लैवेंडर ऑयल के साथ मिलाकर भी लगा सकते हैं.

नींबू और लौंग

एक नींबू को बीच से काट लें और उसमें कुछ लौंग धंसा दें. इस नींबू को उस जगह पर रख दें जहां मच्छरों के होने की आशंका सबसे अधिक हो. इस उपाय को करने से मक्खियां भी दूर रहती हैं.

तुलसी

अपने घर में तुलसी का एक पौधा लगा लें. तुलसी कई बीमारियों में फायदेमंद है. इसके साथ ही ये मच्छरों को दूर रखने में भी मददगार है. इसकी गंध से मच्छर घर से दूर ही रहते हैं.

लहसुन

लहसुन की 5 से 6 कलियों को कूट लें. इसे एक कप पानी में मिलाकर कुछ देर के लिए उबाल लें. इस पानी को एक स्प्रे बॉटल में भरकर घर के अलग-अलग कोनों में छिड़क दें. इसकी गंध से भी मच्छर दूर ही रहेंगे.

शराब पीने से शरीर को होते है ये नुकसान

शराब की बुराइयों और उसके नुकसान के बारे में अक्सर आप पढ़ते सुनते होंगे। डॉक्टरों के मुताबिक यकृत यानी लीवर से जुड़ी बीमारियों की मुख्य वजह शराब है। बहुत से डाक्टरों का कहना है कि यकृत की बीमारियों से बचने के लिए शराब की दुकानों पर रोक लगाई जानी चाहिए। ज्यादा शराब पीने से ये नुकसान शरीर को हो सकते हैं जो हैं-

- ज्यादा शराब पीने लीवर और यकृत को नुकसान पहुंचता है।
- ज्यादा शराब पीने से अल्कोहल कई अंगों पर बुरा असर डाल सकता है और 200 से ज्यादा बीमारियां पैदा कर सकता है।
- मुंह और गले में अल्कोहल कफ झिल्ली को प्रभावित करता है, भोजन नलिका पर असर डालता है।
- ब्रेस्ट कैंसर और आंत के कैंसर के लिए अल्कोहल भी जिम्मेदार होता है।
- ज्यादा शराब के सेवन से पेट में अल्सर भी हो सकता है।
- अत्यधिक शराब के सेवन से पाचन तंत्र पर काफी बुरा असर होता है।

हर वीक खुद को दें 90 मिनट और रहें फिट

मार्निंग वॉक हेल्थ के लिए कितनी जरूरी होती है, यह तो हम सभी बहुत अच्छे से जानते हैं। लेकिन सुबह की नींद के आगे हम अपनी सेहत के साथ समझौता कर लेते हैं। अगर अपने आलस को थोड़ी देर के लिए दूर कर दिया जाए, तो हम खुद को कितनी ही बीमारियों से दूर कर सकते हैं और डॉक्टर को बाय-बाय कह सकते हैं।

धीमी गति से हर रोज 15 मिनट और सप्ताह में 90 मिनट तक की शारीरिक गतिविधि किसी भी तरह से होने वाली मौत की संभावना को 14 प्रतिशत तक कम कर सकती है। यह उपाय अपनाने से व्यक्ति की आयु तीन साल तक बढ़ जाती है। यह जानकारी हार्ट केयर फाउंडेशन (एचसीएफआई) के अध्यक्ष के.के. अग्रवाल ने दी।

लांसेट में प्रकाशित एक अध्ययन का हवाला देते हुए डॉ. अग्रवाल ने बताया कि कम से कम 15 मिनट के बाद की जाने वाली हर एकस्ट्रा 15 मिनट की सैर मौत की संभावना को 4 प्रतिशत और कम कर देती है और सभी किस्म के कैंसर में यह खतरा 1 प्रतिशत तक कम हो जाता है।

उन्होंने कहा कि व्यायाम के यह सभी फायदे सभी उम्र वर्ग, लिंग और दिल के रोगियों में भी देखे गए हैं। मौजूदा निर्देशों के तहत 150 मिनट व्यायाम प्रति सप्ताह करने की सलाह दी जाती है। डॉ. अग्रवाल के मुताबिक, हल्का व्यायाम उसे कहा जाता है, जब इसके दौरान दिल की धड़कन उस स्तर पर पहुंच जाए कि आपको पसीना आए और आप थकान महसूस करते हुए भी आराम से बात कर सकें। आप बात कर सकें, लेकिन गा न सकें। इसका उदाहरण है चार मील प्रति घंटे की रफ्तार पर सैर करना।

काली चाय के बेहतरीन फायदे, जरूर जानें

दुनिया भर में चाय का शौक रखने वालें की कमी नहीं है। चाय के अलग-अलग स्वाद और प्रकार अपने-अपने फायदे के लिए जाने जाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि काली चाय भी आपके लिए बहुत फायदेमंद होती है। काली चाय से होने वाले लाभ जानना चाहते हैं, तो जरूर पढ़ें -

कैंसर

काली चाय को रोजाना अपनी डाइट में शामिल कर आप प्रोस्टेट, ओवेरियन और फ़ेफड़ों के कैंसर से बच सकते हैं। काली चाय का प्रयोग शरीर में कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में मदद करता है। यह महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर की संभावना को रोकती है साथ ही मुंह के कैंसर से भी बचाने में मदद करती है।

दिमाग के लिए

दिमाग की कोशिकाओं को स्वस्थ रखने के साथ ही उनमें रक्त के प्रवाह को और भी बेहतर बनाने के लिए काली चाय पीना बहुत उपयोगी है। दिन में लगभग 4 कप काली चाय का सेवन तनाव को कम करने में सहायक है यह दिमाग को तेज की आप की याददाश्त को बढ़ाती है और आप पहले से अधिक सतर्क व सक्रिय होते हैं।

पाचन

काली चाय में मौजूद टेनिन पाचन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह गैस के अलावा पाचन संबंधी अन्य समस्याओं में भी काफी लाभदायक होती है। साथ ही दस्त या अतिसार होने पर काली चाय का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

हृदय के लिए फायदेमंद -

जी हं काली चाय आपके दिल के लिए बेहद फायदेमंद है। रोजाना एक कप काली चाय पीना दिल की सेहत को बनाए रखने में आपकी मदद करेगा। इसमें मौजूद फ्लेवेनॉयड्स एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को कम करता है। इसके अलावा काली चाय का प्रयोग हृदय की धमनियों को स्वस्थ रखने में मदद करती है और रक्त के जमने की प्रक्रिया को भी कम करने में सहायक है।

संपादकीय

पीएम की दो टूक

अब भारत और उसके प्रधानमंत्री मोदी को यह मुद्दा दफन ही कर देना चाहिए। विपक्ष को भी समझना चाहिए कि यह राष्ट्रहित का मुद्दा नहीं है। विपक्ष को इस संदर्भ में मजाकिया टिप्पणियां करने से भी बाज आना चाहिए। सत्ता में आने का उसे भी मौका मिलेगा, तब भी अमरीकी राष्ट्रपति का यही रवैया रहा, तो क्या करेंगे? हमें यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि फोन पर प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की 35 मिनट लंबी बातचीत होने के बावजूद अमरीकी राष्ट्रपति वही पुराना, घिसा-पिटा राग अलाप रहे हैं। बेशक ट्रंप दुनिया की सबसे ताकतवर और संपन्न महाशक्ति के निर्वाचित राष्ट्रपति हैं, तो नरेंद्र मोदी भी सबसे अधिक आबादी, सबसे तेज विकसित होती अर्थव्यवस्था और दुनिया के सबसे व्यापक बाजार भारत के निर्वाचित प्रधानमंत्री हैं। भारत की अपनी संप्रभुता, सुरक्षा, सोच और क्षेत्रीय अखंडता है। जब प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप को दो टूक समझा दिया कि भारत न तो मध्यस्थता स्वीकार करता है, न भारत-पाक संघर्ष को रोकने में किसी की मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही कभी मध्यस्थता स्वीकार करेगा, तो फिर राष्ट्रपति ट्रंप को कौनसी भाषा समझ में आती है? दरअसल हम भारतीय महानतम चाणक्य की संतति हैं, भाषा के मर्म और संस्कारों को अच्छी तरह समझते हैं। हम किसी राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी। राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है। प्रधानमंत्री मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर' और पाकपरस्त आतंकवाद पर राष्ट्रपति ट्रंप को खुलासा करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि गिड़गिड़ाते पाकिस्तान के डीजीएमओ ने बातचीत और संघर्षविराम की गुहार लगाई थी, जिस पर भारत के ही डीजीएमओ ने सैन्य कार्रवाई स्थगित करने की सहमति जताई थी। गौरतलब तो यह है कि पहलगाम नरसंहार की तारीख 22 अप्रैल के बाद प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच पहली बार फोनिक बातचीत अब हुई है, तो मध्यस्थता के लिए किससे आग्रह किया गया था? प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद भारत के लिए 'प्रॉक्सी वॉर' नहीं, बल्कि युद्ध है और हम भविष्य में आतंकवाद से इसी आधार पर निपटेंगे। हमारा मानना है कि ट्रंप को यह समझ आ गया होगा! यदि फिर भी वह पुराना राग अलापते रहना चाहते हैं और पाकिस्तान को अमरीका का 'भरोसेमंद साझेदार' मानना चाहते हैं, तो यह उनकी इच्छा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने 'व्हाइट हाउस' में पाकिस्तान के फील्ड मार्शल जनरल आसिम मुनरो को लंच का आतिथ्य पेश किया है, तो यह अमरीका की कूटनीतिक, व्यापारिक और सामरिक विवशता हो सकती है। यदि अमरीका को ईरान पर हमला करना है, तो उसे पाकिस्तान के एयरबेस और हवाई क्षेत्र की जरूरत पड़ेगी। ईरान के साथ पाकिस्तान की 900 किमी लंबी सीमा है। विशेषज्ञों का मानना है कि नूरखान एयरबेस, जिसे भारत के हवाई हमलों ने तबाह कर दिया था, अमरीकी नियंत्रण में है। वहां पाकिस्तान के जनरल भी फटक नहीं सकते। बहरहाल उसकी मरम्मत कराई जा रही है। इसके अलावा, अमरीका की नजर पाकिस्तान के खनिज संसाधनों पर है। अमरीका ने क्रिप्टो करेंसी का मुख्यालय पाकिस्तान को बनाना तय किया है। वहां राष्ट्रपति ट्रंप के सुपुत्र और दामाद यह धंधा संभालेंगे। बहरहाल देश को प्रधानमंत्री, विदेश सचिव, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के बयानों को स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि वे ही भारत सरकार हैं। अब सब कुछ कहने-सुनने को संसद सत्र का इंतजार करना चाहिए।

> भारत-पाक संघर्ष को रोकने में किसी की मध्यस्थता स्वीकार की है और न ही कभी मध्यस्थता स्वीकार करेगा, तो फिर राष्ट्रपति ट्रंप को कौनसी भाषा समझ में आती है? दरअसल हम भारतीय महानतम चाणक्य की संतति हैं, भाषा के मर्म और संस्कारों को अच्छी तरह समझते हैं। हम किसी राष्ट्राध्यक्ष अथवा प्रधानमंत्री से इस भाषा में नहीं बोल सकते कि ट्रंप 'झूठा' है, गलत बोल रहा है। हमारी कूटनीति की संस्कारी भाषा यही है, जो प्रधानमंत्री मोदी ने अभिव्यक्त की है। दिलचस्प यह है कि फोनिक संवाद के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप ने, कनाडा से वापसी करते हुए, अमरीका आने का आमंत्रण दिया, जिस पर पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने असमर्थता जता दी। राष्ट्रपति ट्रंप से एक मुलाकात और बातचीत के लिए राष्ट्राध्यक्ष और प्रधानमंत्री कतार लगाए प्रतीक्षारत हैं, लेकिन भारतीय प्रधानमंत्री इस न्योते को अस्वीकार करने का साहस दिखा सके, यही भारत की ताकत और हैसियत है।

आप का नजरिया

हिमाचल का पहलगाम

सरकार के कदम पहुंचते ही बंद फाइलें खुल जाती हैं, प्रदेश का बजट और योजनाएं आंखें खोल लेती हैं और विकास की प्राथमिकताएं नई कसरतें शुरू कर देती हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने 'सरकार गांव के द्वार' में अब तक जो क्षेत्र मापे हैं, वे सभी अपनी विशेषताओं के आगोश में नई आर्थिकी की करवटें भी हैं। यह दीगर है कि अभी चंबा, लाहुल-स्पीति, कुल्लू व किन्नौर की प्रकृति में ही प्रक्रिमा के हस्ताक्षर करती उम्मीदें सामने आई हैं। अब बागा सराहन तक पहुंचे कदम ठिठक जाते हैं। प्रकृति अपने निखार को श्रृंखलाबद्ध करके हाजिरी लगाती है, तो मुख्यमंत्री का शिविर, 'सरकार पर्यटन का द्वार' बना देता है। पहली बार पर्यटन की अभिलाषा सरकार के साथ कदमताल करती है, तो संभावनाओं के अक्स में एक साथ कई पहलगाम, कदमताल करना शुरू कर देते हैं। सरकार तो पहुंच गई, लेकिन पर्यटक कैसे पहुंचें, क्योंकि आसान नहीं है इस क्षेत्र के मानचित्र को सडक़ की यात्रा से सीधे जोडऩा। अभी सारी कनेक्टिविटी रामपुर बुशहर और निरमंड के कठिन मार्ग से ही संभव है, जबकि सामने कुल्लू से आंख मिलाते इस स्थान को एक अदद आसान सी सडक़ चाहिए। हम बार-बार कहते आएं हैं कि पर्वतीय राज्यों में कुछ पर्यटन मार्ग चिन्हित होने चाहिएं। इसी परिप्रेक्ष्य में अगर कुल्लू से बागा सराहन की लगभग तीस किलोमीटर की दूरी पाट दी जाए, तो पूरा पर्यटन कश्मीर घाटी के तिलिस्मि को भूल जाएगा। बहुत पहले जब शांता कुमार प्रदेश के मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने खजियार के विकास को स्विट्जरलैंड की राह पर देखा, लेकिन आज तक हुआ कुछ भी नहीं। देखा जाए तो एडीबी प्रोत्साहित परियोजनाओं में भी पर्यटन विकास की परिपाटी विकसित करने के बजाय फिजूलखर्ची ही हुई या राजनीतिक तरफदारी में अनेक संभावनाएं गुम हो गईं। यही आश्चर्य बागा सराहन जैसे स्थानों को घोर उपेक्षा में देख रहा है। पिछली सरकार ने 'नई राहें-नई मंजिलों' के तहत तीन महत्त्वाकांक्षी परियोजनाएं शुरू की थीं, लेकिन पर्यटन दोहन की अति का एक नजारा आज का बीड़-बिलिंग है। नए क्षेत्रों के विकास को एक मॉडल के तहत ही स्थापित करना चाहिए। कल बागा-सराहन की हालत आज के बीड़-बिलिंग की तरह न हो, इसलिए आसपास के विस्तृत क्षेत्र को साडा के तहत लाकर टीसीपी कानून लागू कर देना चाहिए। बागा-सराहन को कश्मीर के पहलगाम से भी श्रेष्ठ रैंकिंग में लाना है, तो बीस-पच्चीस वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल के लिए पर्यटन एवं शहरी विकास योजना का मानचित्र तैयार करना होगा। आज से ही कंक्रीट के जरिए निर्माण को प्रतिबंधित करते हुए क्षेत्र को पारंपरिक वास्तुशास्त्र के तहत ही अनुमति प्रदान करनी होगी। कुछ साल पूर्व हमने सियासी कारणों से मनाली स्की विलेज की एक बड़ी परियोजना को शून्य किया था या आज पूरे मनाली क्षेत्र की आभा को ही कंक्रीट के बेहद इस्तेमाल से उजाड़ चुके हैं, तो बागा-सराहन को पर्यटन के भविष्य के रूप में सुसज्जित व सुव्यवस्थित करने के लिए एक अलग से प्राधिकरण या विकास बोर्ड का गठन करना होगा। मुख्यमंत्री ने कुल्लू से जोडऩे के लिए सडक़ सर्वेक्षण की घोषणा के अलावा ई कार्ट खरीद पर पचास फीसदी सबसिडी की घोषणा की है। पर्यटन विकास को अब विभिन्न डेस्टिनेशन के हिसाब से एक मॉडल के रूप में विकसित करना होगा। उदाहरण के लिए पालमपुर के आसपास हाई-वे टूरिज्म डेस्टिनेशन के प्रारूप में टूरिस्ट विलेज, मनोरंजन पार्क, टी टूरिज्म और फूड मार्ट से सुसज्जित करके वाइब्रेंट बनाना होगा।

भारतीय इतिहास के अनेक नायक ब्रिटिश शासकों की इस नीति का दंश आज भी भोग रहे

हमारे और अंग्रेजों के महाराजा रणजीत सिंह

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

> ब्रिटिश प्रशासनिक या सैन्य अधिकारियों ने ब्रिटिश राज के समय अनेक किताबें लिखीं थीं। क्योंकि अपने वक्त में वे पाठ्यक्रमों का हिस्सा बना दी गई थीं, इसलिए बाद के शोधशास्त्री भी उन्हीं ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारतीय इतिहास व सामाजिक संरचना पर की गई व्याख्याओं, मूल्यांकनों और निष्कर्षों को आगे बढ़ाते रहे। लेकिन समाज विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर लिखने वाले इंग्लैंड से आए हुए ये प्रशासनिक अधिकारी इन विषयों पर लिखने के लिए न तो प्रशिक्षित थे और न ही वे उन विषयों के गहन ज्ञाता थे। इनका उद्देश्य भारतीय इतिहास या सामाजिक संरचना की अपने देश ब्रिटेन के उपनिवेशवादी हितों की पूर्ति के लिए व्याख्या करना मात्र था। उसी की पूर्ति के लिए ये भारतीय इतिहास में से नायक या खलनायक पैदा करते थे। भारतीयों के नायक को ये खलनायक और भारतीयों के खलनायक को नायक के रूप में सजा कर खड़ा कर देते थे।

भारत के इतिहास, यहां की रियासतों, मजहबों व समाज शास्त्र पर पर अनेक ब्रिटिश प्रशासनिक या सैन्य अधिकारियों ने ब्रिटिश राज के समय अनेक किताबें लिखीं थीं। क्योंकि अपने वक्त में वे पाठ्यक्रमों का हिस्सा बना दी गई थीं, इसलिए बाद के शोधशास्त्री भी उन्हीं ब्रिटिश प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भारतीय इतिहास व सामाजिक संरचना पर की गई व्याख्याओं, मूल्यांकनों और निष्कर्षों को आगे बढ़ाते रहे। लेकिन समाज विज्ञान के अलग-अलग विषयों पर लिखने वाले इंग्लैंड से आए हुए ये प्रशासनिक अधिकारी इन विषयों पर लिखने के लिए न तो प्रशिक्षित थे और न ही वे उन विषयों के गहन ज्ञाता थे। इनका उद्देश्य भारतीय इतिहास या सामाजिक संरचना की अपने देश ब्रिटेन के उपनिवेशवादी हितों की पूर्ति के लिए व्याख्या करना मात्र था। उसी की पूर्ति के लिए ये भारतीय इतिहास में से नायक या खलनायक पैदा करते थे। भारतीयों के नायक को ये खलनायक और भारतीयों के खलनायक को नायक के रूप में सजा कर खड़ा कर देते थे। भारतीय इतिहास के अनेक नायक ब्रिटिश शासकों की इस नीति का दंश आज भी भोग रहे हैं। महाराजा रणजीत सिंह भी उनमें से एक हैं। रणजीत सिंह को ब्रिटिश इतिहासकारों ने अपने तरीके से सृजित किया है। उदाहरण के लिए लैपल ग्रिफ्फिन के रणजीत सिंह की चर्चा की जा सकती है। वैसे लैपल ग्रिफ्फिन प्रशिक्षण से इतिहासकार नहीं थे। वे हिंदुस्तान में यहां की सेना में एक उच्च ब्रिटिश अधिकारी थे। उनका नाम भी महाराजा रणजीत सिंह पर लिखने वालों में प्रमुखता से लिया जाता है। उन दिनों जिस प्रकार का रणजीत सिंह ब्रिटिश शासकों को अपने साम्राज्यवादी हितों के अनुकूल चाहिए था और वे भारतीय जनमानस में जैसी छवि रणजीत सिंह की स्थापित करना चाहते थे, लैपल ग्रिफ्फिन ने वैसे ही रणजीत सिंह की रचना की। बाहर से यह शरारत इतनी जल्दी पकड़ में नहीं आती। लेकिन भीतर गहरा झांकने से पाठक इस शरारत को पकड़ सकते हैं। महाराजा रणजीत सिंह का देहांत 27 जून 1839 को 58 साल की आयु में लाहौर में हुआ था। पंजाब/सप्त सिंधु पर 1846 में अंग्रेजों ने कब्जा कर लिया था। अंग्रेजों के शिकंजे में फंसने वाला सप्त सिंधु/पंजाब भारत का अंतिम भाग था। इससे पहले भारत का अधिकांश भाग उनके कब्जे में आ गया था। जाहिर है ब्रिटिश शासकों को आम जनता में अपने राज्य को बेहतर सिद्ध करने के लिए रणजीत सिंह और उनके राज्य को निकृष्ट सिद्ध करना जरूरी था। इसके लिए ब्रिटिश नौकरशाहों को ही इतिहासकार का बुर्का पहना कर रणजीत सिंह पर पुस्तकें लिखी गईं। इस प्रकार की किताबों को समझने के लिए एक अफ्रीकी कहावत हमारी सहायता कर सकती है। इस कहावत के अनुसार जब तक

इतिहासकार शिकारी का होगा, तब तक शिकार बनाई गई पार्टी का सही पक्ष सामने नहीं आ पाएगा। महाराजा रणजीत सिंह को लेकर लैपल ग्रिफ्फिन के महाराजा रणजीत सिंह का विश्लेषण उपरोक्त अफ्रीकी कहावत के आधार पर ही करना होगा। महाराजा रणजीत सिंह बुद्धिमान व दूरदृष्टि वाले शासक थे। वे जानते थे कि अंग्रेजों ने भारत के अधिकांश हिस्सों पर अपने पराक्रम से नहीं, बल्कि छल-कपट से कब्जा कर लिया था। अब वे पंजाब ही नहीं, बल्कि उससे भी आगे पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र को हड़पना चाहते थे। असम पर उनका कब्जा हो ही चुका था। अब वे अफगानिस्तान तक पहुंच कर रूस को मध्य एशिया में आगे बढऩे से रोकना चाहते थे। इसलिए पश्चिमोत्तर भारत कर कब्जा करना जरूरी है। युवा रणजीत सिंह अंग्रेजों की इस गिद्ध दृष्टि को भांप गए थे। इसलिए उन्हें आगे बढऩे से किसी भी तरह रोकना ही होगा। लेकिन क्या यह एक छोटी सी मिसल का शासक बने रहने से संभव हो सकता है? उत्तर नकारात्मक ही था। युवा रणजीत सिंह समझ गए थे कि पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र का एकीकरण करके एक सशक्त राज्य का गठन करना होगा, तभी अंग्रेजी शासन के विस्तार को रोका जा सकेगा। सारा क्षेत्र मुगल-अफगान शासकों के छोटे-छोटे शासकों में बंटा हुआ था। इन शासकों का भी कुछ सौ साल पहले तक पूरे हिंदुस्तान पर कब्जा था। अब यह कब्जा अंतिम सांस ले रहा था। रणजीत सिंह ने इस पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र का एकीकरण किया और वे रणजीत सिंह से महाराजा रणजीत सिंह बन गए। लैपल ग्रिफ्फिन का कहना है कि रणजीत सिंह साधारण समुदाय में से थे। उनके पीछे किसी प्रतिष्ठित समाज की परंपरा नहीं थी। शायद लैपल ग्रिफ्फिन नहीं जानते कि भारत के इसी प्रकार के अनेक समुदाय अरबों, तुर्कों व मुगल हमलावरों से सैकड़ों साल जूझते रहे थे। हमलावरों के इतिहासकारों ने ही इन समुदायों को अपने इतिहास में दीन-हीन चित्रित किया और इनके शौर्य की गाथाएं छिपा दीं। जाहिर है उन दिनों इतिहासकार एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल) मूल के हमलावरों के थे और वे अपने से लडऩे वालों की बहादुरी नहीं लिख सकते थे। अब इतिहासकार अंग्रेज हमलावरों के थे। शिकारियों के इतिहासकार अब रणजीत सिंह की बिरादरी को लेकर सवाल उठा रहे थे। आज जब विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परंपरा की सर्वत्र चर्चा हो रही है तो महाराजा रणजीत सिंह के व्यक्तित्व व कृतित्व पर शिकारियों के इतिहासकारों ने जो धूल फैलाई हुई है, उसको साफ करने का समय आ गया है। लेकिन यह काम तभी संभव है यदि पहले यह पकड़ में आ जाए कि इन शिकारी इतिहासकारों ने यह धूल कहां और कैसी फैलाई है? इसे समझने के लिए लैपल ग्रिफ्फिन की महाराजा रणजीत सिंह पर लिखी गई यह पुस्तक उपयोगी है। लैपल ग्रिफ्फिन लिखता है, 'रणजीत सिंह ने जो बोया था, उसी प्रकार की फसल पैदा हुई। उनके पुरखे अंगूर खा गए, लेकिन उनकी संतान के दांत धारहीन निकले। जिस साम्राज्य की स्थापना हिंसा, छल और खून खराबे से हुई थी, वह अपने निर्माता के परलोक गमन के बाद अधिक समय तक टिक नहीं पाया। यह साम्राज्य एक व्यक्ति की सैन्य और प्रशासनिक प्रतिभा के कारण अस्तित्व में आया था, जो उसके बाद धूलि की तरह बिखर गया। जब वह आत्मा जिसने इस साम्राज्य को आकार दिया था, चली गई तो खालसा की विरासत अंग्रेजों के पास चली गई। अब अंग्रेज ही इस सत्ता के हकदार बनेंगे, जो केवल न्याय, शक्ति और लाभ के साथ शासन करेंगे। इसी के कारण साम्राज्य स्थायी बनते हैं।' लैपल ग्रिफ्फिन का यह विश्लेषण महत्वपूर्ण है और ब्रिटेन की साम्राज्यवादी चेतना को अनवरत करता है। रणजीत सिंह किसी व्यक्तिगत साम्राज्य का निर्माण नहीं कर रहे थे, बल्कि वे लगभग सात-आठ सौ साल से जिन एटीएम हमलावरों ने यहां अपना विदेशी साम्राज्य स्थापित कर लिया था, उनसे आजादी की लड़ाई लड़ रहे थे। इस लड़ाई में 1699 में 'खालसा की स्थापना' ने एक महत्वपूर्ण इबारत लिख दी थी। खालसा ने सप्त सिंधु क्षेत्र में यहां की सभी बिरादरियों को एक सांझे उद्देश्य के लिए एक मंच प्रदान कर दिया था। खालसा के झंडे तले पहली बार सभी बिरादरियां मसलन खत्री (खत्री तो इसके संस्थापक ही थे), जाट, राजपूत, ब्राह्मण, वाल्मीकि, गुज्जर, बंजारा एकजुट हो गई थीं। जिनको आजकल ओबीसी, एससी या एसटी कहा जाता है, वे सभी अपने पूर्वकाल के शौर्य को याद कर उत्साहित हो गए थे। रणजीत सिंह ने इसी अभियान को आगे बढ़ाया था। साम्राज्य स्थापित करने की विस्तारवादी चेतना का शिकार इंग्लैंड था और उसी के कारण वह एशिया और अफ्रीका को लूट रहा था। रणजीत सिंह विदेशी साम्राज्य को समाप्त करने की चेतना से अनुप्राणित साधक था। उसने साम्राज्य नहीं, बल्कि 'खालसा सरकार' की स्थापना की थी और खालसा लोकतंत्र की चेतना से संचालित था।

देश दुनिया से

राहुल गांधी के 'मिशन बिहार' को बड़ा झटका- अब कांग्रेस क्या करेगी?

कांग्रेस पार्टी को देशभर में मजबूत बनाने के अभियान में जुटे राहुल गांधी पिछले कुछ महीनों से लगातार बिहार का दौरा कर रहे हैं। वर्ष 2025 में वह अब तक कुल मिलाकर पांच बार बिहार का दौरा कर चुके हैं। अपने इन दौरे के दौरान कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बिहार के दलित मतदाताओं, अन्य पिछड़ी जाति के लोगों और अत्यंत पिछड़ी जाति के लोगों के साथ-साथ युवाओं और महिलाओं के साथ संवाद कर, उन्हें साधने की कोशिश की। पार्टी संगठन को धार और नई रफ्तार देने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी और प्रदेश अध्यक्ष से लेकर जिला अध्यक्षों तक को बदल दिया। जाहिर तौर पर, राहुल गांधी अपनी इन तमाम कोशिशों के जरिए बिहार में कांग्रेस पार्टी को मजबूत बनाने की रणनीति पर ही काम कर रहे थे। इसका एक मकसद और भी था कि बिहार में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी विपक्षी इंडिया गठबंधन (महागठबंधन) में ज्यादा से ज्यादा सीटें हासिल कर सकें। लेकिन राहुल गांधी के इस 'मिशन बिहार' को उनके अपने ही सहयोगी दल राष्ट्रीय जनता दल ने बड़ा झटका दे दिया है। लालू यादव के फॉर्मूले ने कांग्रेस पार्टी को बेचैन कर दिया है। कांग्रेस 2020 की तरह इस बार भी 70 विधानसभा सीटों पर ही चुनाव लड़ना चाहती है लेकिन राजद ने इतनी सीटें देने से साफ-साफ इनकार कर दिया है। यानी अब यह तय हो गया है कि विपक्षी महागठबंधन में कांग्रेस को इस बार 2020 की तरह 70 सीटें नहीं मिलेगी। गठबंधन और सीटों को लेकर होने वाली बैठकों की अध्यक्षता भले ही तेजस्वी यादव कर रहे हो लेकिन पर्दे के पीछे से सब कुछ लालू यादव ही तय कर रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, राजद ने यह साफ कर दिया है कि राजनीतिक दलों की संख्या और क्षमता के आधार पर गठबंधन में कांग्रेस को लगभग 53 सीटें ही मिल

सकती है। बिहार में वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में महागठबंधन के सबसे बड़े दल के तौर पर राजद 144 सीटों पर चुनाव लड़ी थी। जबकि कांग्रेस के खाते में 70 सीटें आई थी। सीपीआई-माले 19, सीपीआई 6 और सीपीएम 4 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ी थी। पिछले विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन के साथ चुनाव लड़ने वाले मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी भी इस बार विपक्षी गठबंधन का हिस्सा है। एक तरफ जहां मुकेश सहनी की पार्टी को सीट बंटवारे में एडजस्ट करने की चुनौती है वहीं लेफ्ट फ्रंट के दल खासकर सीपीआई-माले सीट बढ़ाने की मांग को लेकर अड़ गया है। ऐसे में लालू यादव भी अपनी पार्टी के कोटे को घटाने पर तैयार हो गए हैं। लेकिन वो किसी भी कीमत पर 140 से कम पर जाने को तैयार नहीं है। सूत्रों के मुताबिक, तेजस्वी यादव ने कांग्रेस के सामने जो पहला फॉर्मूला रखा है उसके तहत आरजेडी 144 की बजाय 140 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। पिछली बार की तरह ही इस बार भी सीपीआई को 6 और सीपीएम को 4 सीटें ही दी जाएगी। लेकिन सीपीआई-माले को 6 सीटें बढ़ाकर 25 सीटें दी जा सकती है। मुकेश सहनी की पार्टी वीआईपी को 15 सीटों पर लड़ाया जाएगा। वहीं पिछली बार 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस को इस बार 53 सीटों के आसपास ही संतोष करना पड़ेगा। इस फॉर्मूले में 2-3 सीटों का हेरफेर किया जा सकता है। लेकिन अगर आने वाले दिनों में पशुपति पारस, असदुद्दीन ओवैसी, हेमंत सोरेन और अखिलेश यादव को भी बिहार में होने वाले विधानसभा चुनाव के मद्देनजर गठबंधन में शामिल किया गया तो फिर सभी दलों को त्याग करना पड़ेगा। ऐसे हालात में, कांग्रेस के हाथ में सिर्फ 45-46 सीटें ही आ पाएंगी। यानी लालू यादव के पहले फॉर्मूले के तहत कांग्रेस को 53-55 और दूसरे फॉर्मूले के तहत सिर्फ 45-46 सीटें ही मिल सकती है। आपको याद दिला दें कि, वर्ष 2020 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव के दौरान राजद मुखिया लालू यादव जेल में थे। यह आरोप लगाया जाता है कि लालू यादव के जेल में रहने का फायदा उठाते हुए कांग्रेस ने तेजस्वी यादव पर दबाव डालकर गठबंधन में 70 सीटें झटक ली। लेकिन 70 सीटों पर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सिर्फ 19 सीटों पर ही जीत हासिल कर पाई। लालू यादव और तेजस्वी यादव सहित विपक्षी गठबंधन के कई नेताओं का यह मानना है कि कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के कारण ही बिहार में नीतीश कुमार फिर से मुख्यमंत्री बनने में कामयाब हो गए थे। लालू यादव 2020 के विधानसभा चुनाव के समय पर जेल में थे लेकिन इस बार बाहर है और सीट बंटवारे के अपने फॉर्मूले पर अडिग है। राजद के इस फॉर्मूले ने कांग्रेस नेताओं को दुविधा की स्थिति में डाल दिया है। अब गेंद राहुल गांधी के पाले में है कि वह इतनी ही सीटों पर चुनाव लड़ने के लिए तैयार हो जाएं या सीधे लालू यादव से बात करके कांग्रेस के कोटे की सीटों की संख्या को बढ़ाने का प्रयास करें। हालांकि बिहार में कांग्रेस के कई नेता दबी जुबान में एक तीसरे विकल्प की बात भी कर रहे हैं। तीसरा विकल्प यानी राहुल गांधी बिहार में अन्य छोटे-छोटे दलों को साथ लेकर तीसरा मोर्चा बनाए और बड़े भाई की भूमिका में चुनाव लड़ जाएं।

कुछ अलग

मैं रॉयल्टी नहीं दे पाऊंगा

मेरे एक अंतरंग प्रकाशक मित्र हैं। जब भी मिलते हैं या बात करते हैं तो यही कहते हैं कि अमुक लेखक रॉयल्टी की मांग कर रहा है या फलां लेखक ने मुझसे दस प्रतिशत रॉयल्टी मांगी। यह कहकर वे इस तरह हंसते हैं, मानो लेखक ने रॉयल्टी मांग कर अपराध कर दिया हो। उनका कहना है कि लेखक अपना पारिश्रमिक लम-सम में एकमुश्त ले ले, लेकिन यह रॉयल्टी का लफड़ा माथाफोड़ी का है, अतः मैं इससे बचना चाहता हूं। रॉयल्टी सा'ब ज्यादा से ज्यादा पाठ्य पुस्तकों की दी जा सकती है। यह जनरल बुक्स में रॉयल्टी का चक्कर बुरा। मैंने अनेक बार तर्क भी दिए कि किताब बिकती है तो रॉयल्टी देने में क्या परेशानी है? उनका जवाब होता है कि साहित्य अब बिकता नहीं है और वे जो बेच रहे हैं, उसके हथकंडे सनसनीखेज हैं। लायब्रेरियन कमीशन लेते हैं, उसके बाद मार्जिन रहता नहीं है कि लेखक को रॉयल्टी दी जाए। यानी लाभ का उन तक का तो मार्जिन है, लेकिन लेखक की रॉयल्टी गोल हो गई है। गोया पुस्तक व्यवसाय में लाभ का मार्जिन लेखक की रॉयल्टी मारने तक है, आगे हानि ही हानि है। मेरे एक असली साहित्यकार भी मित्र हैं। मैं मानता हूं उन्हें अपना मित्र, पता नहीं वे मानते हैं या नहीं। क्योंकि वे जब आते हैं तो अपने आपको बहुत ही अटपटा-सा महसूस करते हैं कि वे मेरे पास क्यों आए। अब चूंकि काम उनको ही होता है तो उन्हें ही आना पड़ता है। साहित्य की घनघोर घटाओं से आच्छादित रहते हैं, लेकिन अभी जिस दिन वे आए थे, साहित्य का सारा बखेड़ा घर छोड़ आए थे। बहुत ही आत्मीय भाव से बोले-'अमां शर्मा जी, यह रॉयल्टी क्या होती है?' मैं चौंका ऊपर से नीचे तक, मैंने उन्हें देखा और कहा-'आपको यह शब्द कहां मिला? आपके शब्दकोश में तो यह था नहीं? यह तो व्यावसायिक लेखकों की लूट में शामिल है। आपका क्या लेना-देना है इस रॉयल्टी से?' वे बोले-'मजाक छोड़ो यार, यह बताओ, यह कैसे मिलती है?' मैंने कहा-'इसका मिलना इतना आसान नहीं है जितना आपने समझा है। पहले तो किताब लिखनी पड़ती है। फिर छपवाने का पापड़ बेलना पड़ता है। इसके बाद किताब बिके तत्पश्चात राजी हो तो वह मु_ी बांध कर जो दे दे, वही रॉयल्टी मानकर मन को प्रसन्न कर लो।' वे बोले-'नहीं शर्मा जी, सुना है दस प्रतिशत तक रॉयल्टी मिलती बताई।' मैंने कहा-'मुझे तो दस ही प्रतिशत मिलती है, लेकिन आपकी बाजार में क्या पोजीशन है, घूमकर पता कर लें। यदि भाव है तो मिल जाएगी रॉयल्टी। एक बात और, मेरे जो परम प्रिय प्रकाशक मित्र हैं, उनके पास जाकर तो आप रॉयल्टी का नाम भी मत लेना। वे रॉयल्टी मांगने वाले से बोलचाल भी नहीं रखते। किसी और को पकडऩा। हो सकता है रॉयल्टी मिल जाए।' यह कहकर मैं हंसा तो असली साहित्यकार जी के कान खड़े हो गए, वे बोले-'आप हंसे क्यों?' मैं बोला-'आपके मुखारविंद से रॉयल्टी शब्द सुनकर मुझे हंसी आ रही है।'

दृष्टि कोण

स्मोकिंग और सांसें – ये रिश्ता क्या कहलाता है

हमें जिंदा रहने के लिए क्या चाहिए? आप शायद इस सवाल पर हंस रहे होंगे कि कितना बचकाना सवाल है। बच्चा-बच्चा जानता है, कि जीवित रहने के लिए हमारी सांसों का चलना बहुत जरूरी है। सांसें गईं, तो सब गया। मतलब इन्सान खत्म। जितना सच ये है कि, सांसों की जरूरत के बारे में सबको पता है, उतना ही बड़ा सच ये भी है कि, शायद ही कोई ऐसा इन्सान होगा, जिसे पता नहीं होगा कि स्मोकिंग और सांसों के बीच क्या रिश्ता है। स्मोकिंग का सीधा संबंध, हमारे फेफड़ों से है। स्मोकिंग चाहे किसी भी रूप में हो, वो इन्सान के फेफड़ों को तबाह कर देती है। फेफड़े ही हैं, जो हमारी सांसों को चलता रखते हैं। ये खराब होते हैं, तो सांसों की लड़ी भी टूटने लगती है, बिखरने लगती है। इस बात में भी सौ प्रतिशत सच्चाई है कि सब जानते हैं कि स्मोकिंग करना गलत है। इससे फेफड़े खराब होते हैं। सिगरेट की डिब्बी पर भी लिखा होता है कि ये स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इससे कैंसर होने का डर होता है। लेकिन फिर भी स्मोकिंग का चलन कम होने की बजाय, बढ़ता ही जा रहा है। ऐसा क्यों है?

हर जगह मौजूद हूं मैं : इसका मुख्य कारण है – स्मोकिंग प्रोडक्ट आसानी से मिलना। 18 साल से ऊपर का कोई भी व्यक्ति बड़े आराम से इन्हें खरीद सकता है। ये हर किसी के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। और कुछ मिले न मिले, हर गली-नुक्कड़ की दुकान मिल जाती है, जहां इन्सान के फेफड़ों को गलाने का सामान धड़ल्ले से बेचा जाता है। डिटेक्टिव गुरू राहुल राय गुप्ता कहते हैं, "मैंने जबसे अपनी कंपनी खोली है, तब से यही नियम बनाया है कि, स्मोकिंग करने वाला कोई भी इन्सान हमारी कंपनी में काम नहीं करेगा।

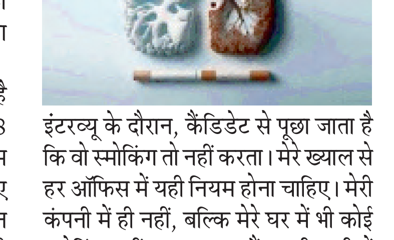

इंटरव्यू के दौरान, कैंडिडेट से पूछा जाता है कि वो स्मोकिंग तो नहीं करता। मेरे ख्याल से हर ऑफिस में यही नियम होना चाहिए। मेरी कंपनी में ही नहीं, बल्कि मेरे घर में भी कोई स्मोकिंग नहीं कर सकता। मैं अपनी गाड़ी में किसी को स्मोकिंग करने की परमिशन नहीं देता, चाहे वो इन्सान कितना भी खास क्यों न हो। लेकिन बड़े अफसोस की बात है कि, बड़ी-बड़ी कंपनियां अलग से 'स्मोकिंग ज़ोन' बनाती हैं, जहां लोग 'स्मोक ब्रेक' के लिये जाते हैं। ये एक तरह से उन लोगों के साथ सहानुभूति की तरह लगता है। उनकी जरूरत बना दिया गया है। जिसको पूरा करना कंपनी अपना फर्ज समझती है। हर एयरपोर्ट पर ऐसे ज़ोन बने होते हैं। ऐसे जोन्स की जरूरत ही बताती है कि हम स्मोकिंग रोकने को कितना सीरियसली लेते हैं।"

बड़ी-बड़ी हस्तियां गुलाम हैं मेरी : स्मोकिंग के बढ़ते चलन का एक और बड़ा कारण है – फिल्मों, सीरीज में इसका बहुत ज्यादा प्रयोग। बॉलिवुड की फिल्में हों, या टॉलिवुड की या फिर हॉलिवुड की, हर जगह पात्रों से इतनी ज्यादा स्मोकिंग करवाई जाती है, कि दर्शकों को लगने लगता है कि, स्मोकिंग इन्सान की ज़िंदगी का एक अभिन्न अंग है। ये कोई खराब बात नहीं है। आपने देखा होगा कि, जैसे ही फिल्म या सीरीज के मुख्य पात्र को कोई टेंशन होती है, तो वो झट से सिगरेट सुलगा लेता है। इससे दर्शकों के मन में ये संदेश जाता है कि, स्मोकिंग, तनाव को दूर करती है। जब लोग अपने मनपसंद हीरो को पर्दे पर स्मोकिंग करते देखते हैं, तो उनको लगता है कि ये तो आम बात है। ऐसा सब करते हैं। यही नहीं, जब असली ज़िंदगी में भी लोग, बड़े-बड़े एक्टर्स के बारे में पढ़ते हैं, कि उसे स्मोकिंग करने की लत है, तो वो उनको और ज्यादा प्रोत्साहन मिलता है। उनको लगता है कि, एक्टर्स तो अपने स्वास्थ्य को बेहद गंभीरता से लेते हैं। क्या उनको अपनी ज़िंदगी की फिक्र नहीं है? मतलब, वो ये मान लेते हैं कि ये इतनी बड़ी या गलत बात नहीं है। फिल्मों और सीरीज में बेवजह ही ऐसे सीन ठूंस दिए जाते हैं। कहानी की मांग कहकर, निर्माता-निर्देशक इससे अपना पीछा छुड़ा लेते हैं। लेकिन हर कहानी की मांग ऐसी नहीं होती कि फ्लां व्यक्ति चेन स्मोकर है। पूरा दिन स्मोकिंग करता रहता है।

लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड के सैनिकों की तैनाती पर ट्रंप के आदेश पर अपील अदालत की मुहर

वाशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां) ।

संयुक्त राज्य अमेरिका की एक संघीय अपील अदालत ने गुरुवार को एक न्यायाधीश के आदेश पर रोक लगा दी। इस आदेश में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स के नेशनल गार्ड का नियंत्रण गवर्नर गेविन न्यूजॉम को वापस करने का निर्देश दिया गया था। नौवें सर्किट के लिए यूएस कोर्ट ऑफ अपील्स के तीन न्यायाधीशों के पैनल का सर्वसम्मत आदेश राष्ट्रपति के लिए एक जीत है। यह आदेश लॉस एंजिल्स में लगभग 4,000 नेशनल गार्ड सैनिकों की निरंतर तैनाती की अनुमति देता है। यह सैनिक प्रवर्तन कार्यों के दौरान संघीय संपत्ति और यूएस आव्रजन एजेंटों की रक्षा कर रहे हैं।

खबर में इस अदालती आदेश पर विस्तार से चर्चा की है। खबर के अनुसार, ट्रंप ने लॉस एंजिल्स में आव्रजन छापों के खिलाफ प्रदर्शनों के जवाब में सैनिकों को संघीय सेवा में बुलाने के लिए इस महीने की शुरुआत में कानून लागू किया था। तब से लगभग 4,100 नेशनल गार्ड सैनिक और 700 मरीन लॉस एंजिल्स में तैनात किए गए हैं।

डेमोक्रेट न्यूजॉम ने कैलिफोर्निया के सबसे बड़े शहर में सैनिकों के इस्तेमाल पर आपत्ति जताते हुए राष्ट्रपति के फैसले के खिलाफ मुकदमा दायर किया। संघीय न्यायाधीश (यूएस डिस्ट्रिक्ट जज) चार्ल्स ब्रेयर ने पिछले सप्ताह ट्रंप के आदेश पर सवाल खड़े करते हुए कहा था कि ट्रंप की कार्रवाई अवैध थी। न्यायाधीश ने लॉस एंजिल्स में सैनिकों को तैनात करने पर रोक लगा दी थी। ट्रम्प प्रशासन ने इस निर्णय को उच्च अदालत में चुनौती दी। उच्च अदालत में उनकी जीत हुई है। न्यायाधीशों ने आदेश में लिखा,संभवतः राष्ट्रपति ने अपने वैधानिक अधिकार का प्रयोग कानूनी रूप से किया है। यदि राष्ट्रपति यह निर्णय लेते हैं कि सैनिकों को तैनात करने की आवश्यकता है, तो उसका सम्मान होना चाहिए।

ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में ट्रंप ने गुरुवार देररात लिखा, राष्ट्रपति की नेशनल गार्ड को बुलाने की मुख्य शक्ति पर नौवें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स में बड़ी जीत! न्यायाधीशों ने स्पष्ट रूप से महसूस किया कि गैविन न्यूजकम अक्षम हैं।

न्यूज ब्रीफ

ईरान-इजराइल संघर्ष पर पुतिन और शी जिनपिंग आपस में जानकारी साझा करने को सहमत

मॉस्को/बीजिंग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने ईरान-इजराइल संघर्ष पर संवेदनशील जानकारियों के आदान-प्रदान को लेकर आपसी सहमति जताई है। क्रेमलिन ने गुरुवार को इसकी पुष्टि की। क्रेमलिन के विदेश नीति सलाहकार यूरी उशाकोव ने बताया कि दोनों राष्ट्राध्यक्षों के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई, जिसमें यह फैसला किया गया कि संबंधित एजेंसियों को आदेश दिया जाएगा कि वे ईरान से जुड़ी सूचनाएं एक-दूसरे के साथ साझा करें। यूरी उशाकोव के अनुसार, दोनों नेताओं की राय इस मुद्दे पर समान है और उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून के उल्लंघन के रूप में इजराइल की कार्रवाइयों की कड़ी निंदा की है। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने पिछले सप्ताह ऑपरेशन राइजिंग लायन शुरू किया था, जिसके तहत ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान की ओर से भी प्रतिशोधात्मक हमले किए जा रहे हैं।

ईरान में ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादेमी को आईआरजीसी के खुफिया संगठन का नया प्रमुख नियुक्त किया गया

तेहरान। ईरान के ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादेमी को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के खुफिया संगठन का नया प्रमुख नियुक्त किया गया है। आईआरजीसी के कमांडर इन चीफ ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद पाकपुर ने आधिकारिक तौर पर यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादेमी अब आईआरजीसी खुफिया संगठन का नेतृत्व करेंगे। खादेमी इससे पहले आईआरजीसी के सुरक्षा और खुफिया संगठन के प्रमुख के रूप में कार्यरत थे। खबर के अनुसार, आईआरजीसी के कमांडर इन चीफ ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद पाकपुर ने ब्रिगेडियर जनरल माजिद खादेमी को नई जिम्मेदारी सौंपी है। इस बीच इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कोर से संबद्ध ईरान की सरकारी संवाद समिति तस्नीम न्यूज सूचना दी है कि इस्लामी क्रांति के नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई ने ब्रिगेडियर जनरल मोहम्मद करामी को इस्लामी क्रांति गार्ड कोर ग्राउंड फोर्स का नया कमांडर नियुक्त किया। 19 जून को जारी एक आदेश में ईरानी सशस्त्र बलों के कमांडर इन चीफ अयातुल्ला खामेनेई ने ब्रिगेडियर जनरल करामी को मेजर जनरल मोहम्मद पाकपुर की जगह नियुक्त किया। पाकपुर को आईआरजीसी कमांडर के रूप में तरक्की दी गई है।

इजराइल-ईरान संघर्ष के चलते दो अमेरिकी एयरलाइनों ने मध्य पूर्व के लिए यात्री उड़ानों को किया स्थगित

वॉशिंगटन। इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और सैन्य संघर्ष को देखते हुए दो प्रमुख अमेरिकी एयरलाइन्स यूनाइटेड एयरलाइंस और अमेरिकन एयरलाइंस ने मध्य पूर्व के लिए अपनी यात्री उड़ानों को अस्थायी रूप से रोक दिया है। यूनाइटेड एयरलाइंस ने अपने बयान में कहा, क्षेत्र में संघर्ष को देखते हुए न्यूअर्क और दुबई के बीच की हमारी दैनिक उड़ानें फिलहाल स्थगित की जा रही हैं। एयरलाइन ने यह भी कहा कि वह हालात पर करीबी नजर रखेगी और यात्रियों को हर संभव सहायता प्रदान करेगी। वहीं, अमेरिकन एयरलाइंस ने भी कतर की राजधानी दोहा और फिलाडेल्फिया इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बीच अपनी उड़ान तालिका में बदलाव किया है। एयरलाइन ने बताया कि गुरुवार को दोहा से फिलाडेल्फिया के लिए एक उड़ान समय से पहले रवाना की गई, जबकि बाकी सेवाएं 22 जून तक अस्थायी रूप से समायोजित की जा रही हैं। अमेरिकन एयरलाइंस ने अपने बयान में कहा कि हम सुरक्षा और यात्रियों की रक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्थिति पर नजर रखेंगे और जरूरत पड़ने पर अपनी सेवाओं में आगे भी बदलाव करेंगे। मध्य पूर्व में जारी इजराइल-ईरान संघर्ष ने केवल स्थानीय नहीं, बल्कि वैश्विक विमान सेवाओं पर भी असर डालना शुरू कर दिया है।

अमेरिका ने ईरान को दो हफ्ते की मोहलत दी, बात नहीं बनी तो ट्रंप लेंगे सख्त फैसला

वाशिंगटन, 20 जून (एजेंसियां) ।

अमेरिका दिल कुछ पसीजा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के ईरान के खिलाफ रुख में कुछ नरमी आई है। कल दक्षिणी इजराइल के एक बड़े अस्पताल पर मिसाइल हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह अगले दो हफ्ते के भीतर तय करेंगे कि ईरान के खिलाफ इजराइल के बमबारी अभियान में शामिल होना है या नहीं।

खबर के अनुसार, व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने बयान में साफ किया है कि ट्रंप ने कहा, निकट भविष्य में ईरान के साथ बातचीत होने संभावना है। इसलिए वह अगले दो हफ्ते के भीतर अपना फैसला लेंगे। लेविट ने कहा कि ईरान के साथ किसी भी समझौते में यूरेनियम को समृद्ध करने और हथियार विकसित करने पर प्रतिबंध शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के मध्य पूर्व दूत स्टीव विटकॉफ ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं। सनद रहे कि ईरान ने इजराइल के बीरशेबा में सोरोका मेडिकल सेंटर और अन्य स्थानों पर कल मिसाइल हमला कर अपना आक्रामक रुख साफ कर दिया है।

खबर के अनुसार, ट्रंप ने सैन्य कार्रवाई पर निर्णय लेने से पहले ईरान के साथ कूटनीति वार्ता के लिए दो सप्ताह की अवधि तय की है। इसका मकसद इजराइल के बमबारी अभियान के बीच रुकी हुई वार्ता को फिर से शुरू करना है। ट्रंप और उनके सलाहकारों को उम्मीद है कि इजराइली हमलों और मिसाइलों के नुकसान के दबाव में ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन को बंद करने के लिए सहमत हो सकता है।

व्हाइट हाउस के प्रयासों में मध्य पूर्व के दूत स्टीव विटकॉफ और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस इस घटनाक्रम पर नजर रख रहे हैं। ब्रिटेन, जर्मनी और फ्रांस के यूरोपीय विदेश मंत्री जिनेवा में ईरानी प्रतिनिधियों से मिलेंगे और विटकॉफ के पहले के प्रस्ताव पर फिर से विचार करेंगे। हालांकि, ईरान ने कहा है कि जब तक इजराइल बमबारी बंद नहीं करता तब तक वह अमेरिका के साथ कोई बातचीत नहीं करेगा।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि ईरान और पूरी दुनिया को पता होना चाहिए कि संयुक्त राज्य अमेरिका की सेना दुनिया की सबसे मजबूत और सबसे घातक लड़ाकू शक्ति है। इस सप्ताह व्हाइट हाउस के सिचुएशन रूम की बैठकों में राष्ट्रपति ने फोर्डो में ईरान की भूमिगत परमाणु सुविधा को लक्षित करने वाले बंकर-बस्टर बमों से जुड़े विकल्पों की समीक्षा की है। उल्लेखनीय है कि इजराइल और ईरान के बीच सैन्य तनाव 13 जून से जारी है। इजराइल ने ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए राइजिंग लायन अभियान शुरू किया। ईरान ने इसकी घातक प्रतिक्रिया दी है। खबर के अनुसार, ट्रंप ने गुरुवार को अपनी टिप्पणियों के साथ कुछ सांस लेने की जगह का विकल्प चुना, जो उन्हें नए राजनयिक, सैन्य और गुप्त विकल्पों की मेजबानी ला सकता है। जिनेवा बैठक में भाग लेने वाले ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने बयान में कहा कि ईरान के साथ स्थिति खतरनाक बनी हुई है, लेकिन कूटनीतिक समाधान प्राप्त करने के लिए अगले दो सप्ताह के भीतर एक खिड़की मौजूद है।

पाकिस्तान ने अपनो को ही दिया धोखा, ईरान पर हमले को लेकर ट्रंप से कर ली डील

वॉशिंगटन। पाकिस्तान अपने ही लोगों को धोखा देने से पीछे नहीं हटता है। हाल ही में पाकिस्तान ने अमेरिका से ऐसी डील की है जो इस्लाम के लिए घातक है। इस डील के तहत अमेरिका को जब भी ईरान पर हमला करना होगा वो पाकिस्तान की जमीन का इस्तेमाल करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर के बीच वाइट हाउस में एक बैठक हुई, जो निर्धारित समय से दोगुनी यानी दो घंटे तक चली। इस बैठक में ईरान-इजरायल संघर्ष, भारत-पाकिस्तान तनाव, अमेरिका-पाकिस्तान व्यापार सहयोग, और काउंटर-टेररिज्म जैसे कई रणनीतिक विषयों पर चर्चा हुई। इस बैठक में मुनीर और ट्रंप के बीच एक डील हुई है, जिसमें पाकिस्तान ने मुस्लिम राष्ट्र ईरान पर हमला करने के लिए अमेरिका को पाकिस्तानी एयरबेस और हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल की इजाजत दे ही। इस्लाम की बात करने वाले पाकिस्तान ने एक दूसरे मुस्लिम राष्ट्र ईरान के खिलाफ कदम उठाया है। पाकिस्तानी सेना द्वारा जारी बयान के अनुसार, ट्रंप और मुनीर के बीच मध्य पूर्व में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते तनाव पर विस्तृत विचार-विमर्श हुआ। वहीं, ट्रंप ने प्रेस से बात करते हुए कहा, पाकिस्तान ईरान को बहुत अच्छे से जानता है। वहां जो हो रहा है, उससे पाक खुश नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तानी नेतृत्व ईरान और इजरायल दोनों से परिचित है, लेकिन ईरान के साथ उनका अनुभव ज्यादा गहरा है।

कनाडा में भारतीय छात्रा तान्या की अचानक मौत कारणों की हो रही जांच

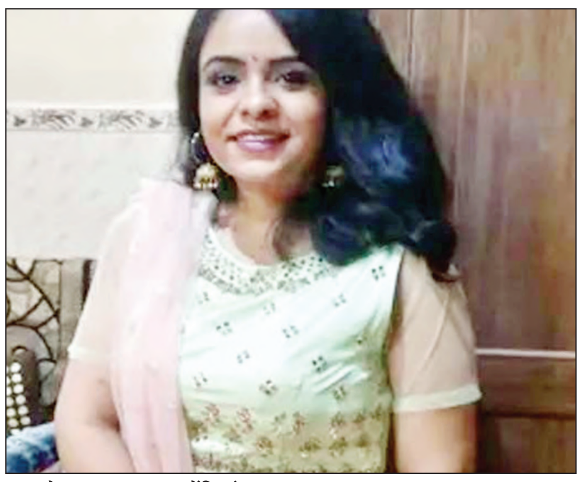

ओटावा, 20 जून (एजेंसियां) ।

कनाडा के यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी की अचानक मौत हो गई है। यह जानकारी वैंकूवर स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने गुरुवार को दी। दूतावास ने एक्स पर लिखा कि हमें यूनिवर्सिटी ऑफ कैलगरी में पढ़ रही भारतीय छात्रा तान्या त्यागी के आकस्मिक निधन से गहरा दुख हुआ है।

फिलहाल यह साफ नहीं हो पाया है कि उनकी मौत कैसे और किन परिस्थितियों में हुई। दूतावास ने आगे बताया कि वह स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है और तान्या के परिवार को हर संभव सहायता प्रदान करेगा। पोस्ट में लिखा गया कि हम मृतक की आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हैं और उनके परिवार व मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हैं।

केन्या में दो लोगों को 30 साल की सजा केन्या की एक अदालत ने 2019 में नैरोबी के एक लग्जरी होटल पर हुए आतंकी हमले में मदद करने वाले दो आरोपियों को 30 साल की सजा सुनाई है।

इस हमले में 21 लोगों की जान चली गई थी। दोनों आरोपी, हुसैन मोहम्मद अब्दिले अली और मोहम्मद अब्दी अली, केन्या के रहने वाले हैं। अदालत में बताया गया कि इन लोगों ने हमलावरों को पैसे भेजे और फर्जी पहचान पत्र बनवाने में मदद की थी। हमला करने वाले आतंकी बाद में मारे गए थे। इस हमले की जिम्मेदारी अल-कायदा से जुड़ा आतंकी संगठन अल-शबाब ने ली थी, जो सोमालिया में सक्रिय है।

गंभीर बीमारियों से भी बचाव कर सकती है कोविड वैक्सीन

कोविड वैक्सीन न केवल संक्रमण से सुरक्षा देती है, बल्कि गंभीर बीमारियों से भी बचाव कर सकती है। यह खुलासा हुआ है यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया-लॉस एंजिल्स (यूसीएलए) की एक नई रिसर्च में। शोध की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, जिन मरीजों को कोविड के दौरान एक्यूट किडनी इंजरी (एकेआई) हुई और उन्हें पहले से वैक्सीन लगी थी, उनकी हालत बिना वैक्सीन वाले मरीजों की तुलना में बेहतर रही। रिसर्च के मुताबिक, टीका लगवा चुके मरीजों को अस्पताल से छुट्टी के बाद डायलिसिस की जरूरत कम पड़ी और उनकी जान बचने की संभावना ज्यादा रही। शोधकर्ताओं ने बताया कि कोरोना संक्रमित करीब 46प्रतिशत मरीजों में एकेआई की संभावना होती है, जो किडनी की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकती है और कई बार गंभीर स्थिति में डायलिसिस की आवश्यकता भी पड़ती है। यूसीएलए के डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन की एसोसिएट प्रोफेसर और अध्ययन की प्रमुख लेखक डॉ. निलोफर नोबख्त ने कहा कि कोविड वैक्सीन गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकती है।

नेपाल अपना मिथेन गैस भंडार चीन को सौंपेगा

काठमांडू, 20 जून (एजेंसियां) ।

नेपाल अपना मिथेन गैस भंडार चीन को सौंपने जा रहा है। दैलेख गांव में इस भंडार की जानकारी चीन के आर्थिक और प्राविधिक सहयोग से मिली है। उद्योग, वाणिज्य और आपूर्तिमंत्री दामोदर भंडारी ने कहा कि इसके उत्पादन के लिए आज ही चीन सरकार के पास प्रस्ताव भेजा जाएगा।

उन्होंने कहा कि नेपाल सरकार अपने दम पर इसका उत्पादन नहीं कर सकती। इसलिए यह परियोजना चीन को सौंपी जा रही है। भंडारी ने बताया कि दैलेख में दो वर्ष पूर्व शुरू किए गए इस खोज में प्राकृतिक गैस के चार बड़े स्थानों का पता लगा। इसमें एक स्थान में ही सिर्फ 112 अरब घन मीटर मिथेन गैस होने की पुष्टि हो चुकी है। अनुमान है कि इन चारों स्थानों में करीब 430 अरब घन मीटर गैस का भंडार हो सकता है।

इस जिले में पेट्रोलियम पदार्थ होने की संभावना पर नेपाल सरकार ने 2016 में चीन के साथ समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे। 2019 में दोनों देशों के बीच पेट्रोलियम पदार्थ की संभावना वाले स्थान पर चीन के ही आर्थिक और प्राविधिक मदद से उत्खनन का काम शुरू करने के समझौते पर हस्ताक्षर किया गया।

चीन की सरकारी कंपनी चाइना जियोलॉजिकल सर्वे के तरफ से पहले भौगोलिक अध्ययन कराया गया था। इसके बाद सरकार ने उत्खनन करने के लिए चीन की चाइना नेशनल पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (सीएनपीसी) को बुलाया। पिछले वर्ष मार्च 2024 में इसका उत्खनन शुरू किया गया। इसके लिए चीन से ही टेक्निकल टीम और मशीन लाई गई थी। एक साल की मशक्कत के बाद बड़े गैस भंडार के बारे में पता लग पाया।

ईरान ने फिर दागीं इजराइल पर मिसाइलें, बीर्शेबा में टेक पार्क के पास विस्फोट, पास में है माइक्रोसॉफ्ट का ऑफिस

तेल अवीव, 20 जून (एजेंसियां) ।

ईरान-इजराइल सैन्य संघर्ष आज आठवें दिन में प्रवेश कर गया। इजराइल के शुरू किए गए हवाई हमलों से प्रतिशोध की आग में जल रहा ईरान तबाही मचा रहा है। ईरान ने बैलेस्टिक मिसाइलें दागनी शुरू कर दी हैं। ईरान की एक मिसाइल और बीर्शेबा शहर में टेक पार्क के पास गिरी है। इसके बाद विस्फोट और आग लगने से काफी नुकसान हुआ है। यह स्थान माइक्रोसॉफ्ट के ऑफिस के पास है।

खबर के अनुसार, ईरानी मिसाइल बीर्शेबा में गिरी है। इससे काफी नुकसान हुआ है पर किसी के घायल होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है। इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने नागरिकों से कहा कि वह बीर्शेबा में अपने आश्रय स्थल छोड़ सकते हैं। खबर के अनुसार, अभी भी बीर्शेबा शहर और आसपास के शहरों में हमले के सायरन बज रहे हैं। आईडीएफ ने कहा कि ईरानी मिसाइलों को निष्क्रिय करने के लिए डिफेंस सिस्टम काम कर रहा है।

अमेरिका के सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार, आईडीएफ ने कहा है कि बीर्शेबा में लगी आग बुझाई जा रही है। एक ईरानी मिसाइल को रोक दिया गया है। यह आग टेक पार्क के पास विस्फोट के बाद लगी है। यहां माइक्रोसॉफ्ट का ऑफिस है। इजराइल पुलिस ने कहा कि दक्षिणी जिले के खुले इलाकों में गोला-बारूद गिरने की रिपोर्ट मिली है। इससे चल-अचल संपत्ति को नुकसान हुआ है। उल्लेखनीय है कि कल ईरानी हमले में बीर्शेबा का प्रमुख अस्पताल सोरोका मेडिकल सेंटर क्षतिग्रस्त हो चुका है। बीर्शेबा नेगेव रेगिस्तान में है। यहां इजराइल का नेवातिम एयरबेस है।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी मेहर की खबर के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में ईरान के इस्लामी गणराज्य के मिशन ने सोरोका मेडिकल सेंटर को निशाना बनाने के इजराइल के आरोप को खारिज कर दिया है। मिशन ने कहा कि ईरान आत्मरक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप कार्रवाई कर रहा है।इस युद्ध पर ईरान के पूर्व विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ का कहना है कि अब इस्लामी गणतंत्र ईरान ही तय करेगा कि युद्ध का अंत कैसे होगा। खबर के अनुसार, इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स ने घोषणा की कि इजराइल के खिलाफ ईरान के जवाबी सैन्य हमलों का नया दौर गुरुवार शाम बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के झुंड के साथ शुरू किया गया। इनका प्रयोग सैन्य ठिकानों, हाइफा और तेल अवीव में इजराइली सैन्य उद्योगों से जुड़े औद्योगिक स्थलों को निशाना बनाने के लिए किया गया।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे

एयर इंडिया की 8 उड़ानें रद्द, अमृतसर-लंदन समेत तीन रूट पर परिचालन निलंबित

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

टाटा समूह की अगुवाई वाली एयर इंडिया ने शुक्रवार को एक बार फिर 8 फ्लाइट को कैंसिल किया है। एयरलाइंस ने एक साथ 8 अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों को कैंसिल किया है, जिसमें चेन्नई से दुबई, दिल्ली से मेलबर्न, हैदराबाद से मुंबई और अहमदाबाद से दिल्ली की उड़ानें शामिल हैं। विमानन कंपनी ने अपने अंतरराष्ट्रीय उड़ान संचालन में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। एयर इंडिया ने कहा कि ये सभी फ्लाइट्स रखरखाव और परिचालन कारणों से रद्द की गई हैं। अहमदाबाद में 12 जून को हुए विमान हादसे के बाद से मुश्किलों का सामना कर रही विमानन कंपनी ने बताया कि 21 जून से 15 जुलाई के बीच वह हर हफ्ते 38 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कटौती करेगी, जबकि एयरलाइन ने तीन अंतरराष्ट्रीय रूट्स पर सेवाएं अस्थायी रूप से रोक लगा दी है।

एयर इंडिया 21 जून से 15 जुलाई के बीच हर हफ्ते 38 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें कम करेगी

18 अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर उड़ानों में यह कटौती शेड्यूल में स्थिरता बहाल करने और यात्रियों को अंतिम समय में होने वाली असुविधा को कम करने के उद्देश्य से की जा रही है। एयलाइंस ने कहा कि डीजीसीए द्वारा आदेशित उड़ान-पूर्व सुरक्षा जांच के कारण उड़ानों में कटौती की गई है।

अब तक 33 बोइंग 787 विमानों में से 26 का निरीक्षण पूरा हो चुका है। एयर इंडिया अपने बोइंग 777 विमानों की भी जांच करेगी। विमानन कंपनी की ये विस्तृत घोषणा एक दिन पहले किए गए उस ऐलान के बाद आई है, जिसमें एयर इंडिया ने बड़े यात्री विमानों से संचालित उड़ानों में 15 फीसदी की अस्थायी कमी करने की बात कही थी। एयरलाइंस ने जारी एक बयान में स्पष्ट किया यह कटौती 21 जून से प्रभावी होगी और कम से कम 15 जुलाई 2025 तक जारी रहेगी। विमानन कंपनी ने कहा कि दिल्ली-नैरोबी, अमृतसर-लंदन (गैटविक) और गोवा (मोपा)-लंदन (गैटविक) पर 15 जुलाई तक सेवाएं निलंबित रहेंगी।

न्यूज ब्रीफ

एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने सीमित जोखिम वाली ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति सुझाई

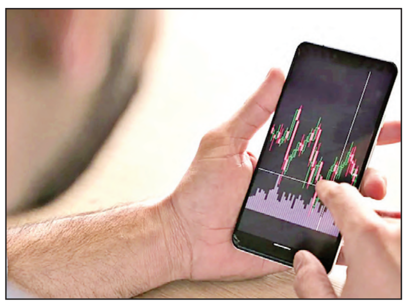

नई दिल्ली। मिडकैप निफटी इंडेक्स में पिछले दिनों आई में गिरावट और तकनीकी कमजोरी होने से एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने एक सीमित जोखिम वाली ऑप्शन ट्रेडिंग रणनीति सुझाई है। कंपनी के एक डेरिवेटिव विश्लेषक ने बताया कि बीअर स्प्रीड नाम की इस रणनीति से निवेशक 26 जून की एक्सपायरी तक अच्छी कमाई कर सकते हैं। इस रणनीति में निवेशक को केवल 5,160 का खर्च करना होगा, जबकि अधिकतम लाभ 6,840 तक मिल सकता है। बीअर स्प्रीड रणनीति में दो अलग अलग पीयूटी ऑप्शन का उपयोग किया जाता है। इस रणनीति के तहत निवेशक को 12,700 के स्ट्राइक वाला पीयूटी ऑप्शन 143 में खरीदना होता है और साथ ही 12,600 के स्ट्राइक वाला पीयूटी ऑप्शन 100 में बेचना होता है। 6 दिन में कमा सकते हैं 33 फीसदी तक का रिटर्न दोनों ऑप्शन 26 जून को एक्सपायर होंगे। इस तरह दोनों के बीच का अंतर 43 होता है, जो प्रति यूनिट लागत है। चूंकि मिडकैप निफटी का एक लॉट 120 यूनिट का होता है, इसलिए कुल खर्च 5,160 बैठता है। यह रणनीति निवेशकों को 6,840 तक का अधिकतम मुनाफा दे सकती है, बशर्ते कि 26 जून को मिडकैप निफटी 12,600 या उससे बंद हो। तकनीकी विश्लेषण में यह भी सामने आया है कि मिडकैप निफटी ने 7 अप्रैल और 13 जून के निचले स्तरों को जोड़ने वाली ऊपर जाती ट्रेंडलाइन को नीचे की ओर तोड़ दिया है। यह ट्रेंडलाइन ब्रेकडाउन गिरावट का साफ संकेत है। इसके साथ ही इंडेक्स के 12,900 और 13,000 स्तरों पर भारी कॉल राइटिंग देखने को मिली है, जिससे पीयूटी कॉल रेशों 0.93 से घटकर 0.77 पर आ गया है।

सभी व्यवसाय बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है: ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता

व्यक्त करते हुए कहा कि सभी व्यवसायों को बंद रखने से हमें अरबों डॉलर का नुकसान होता है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर लिखा, अमेरिका में बहुत सारी गैर-कामकाजी छुट्टियां हैं। इससे हमारे देश को अरबों डॉलर का नुकसान हो रहा है, क्योंकि इन छुट्टियों में सारी दुकानें और व्यवसाय बंद रहते हैं। ट्रंप ने अमेरिका में नॉन-हॉलिडे के आर्थिक प्रभाव के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए कहा कर्मचारी भी ऐसा नहीं चाहते हैं। जल्द ही हम साल के हर एक कार्य दिवस पर छुट्टी मनाने लगेंगे। अगर हम अमेरिका को फिर से महान बनाना चाहते हैं तो इसे बदलना होगा। हालांकि, अपने इस पोस्ट में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवकाश का नाम स्पष्ट रूप से नहीं बताया, लेकिन यह पोस्ट 20 जून 2025 को जूनटीन्थ के दिन पोस्ट किया गया है, जो 19 जून 1865 की घटना की याद में मनाया जाता है। 19 जून 1865 के दिन टेक्सास के गैल्वेस्टन में सैनिकों ने आकर अंतिम अश्वेत दासों को मुक्त करने का आदेश दिया था, जिसे गुलामी के अंत की शुरुआत का प्रतीक माना जाता है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, जूनटीन्थ के सम्मान में अधिकतर राष्ट्रीय बैंक, संघीय कार्यालय और संयुक्त राज्य डाक सेवा बंद रहे।

दूरसंचार कंपनियों का एजीआर बढ़कर 79,226 करोड़ हुआ

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनियों का मार्च 2025 को समाप्त तिमाही में समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)

सालाना आधार पर 12.44 प्रतिशत बढ़कर 79,226 करोड़ रुपये हो गया। दूरसंचार नियामक ट्राई ने हाल ही में एक रिपोर्ट में यह कहा। रिलायंस जियो 29,464 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ सूची में सबसे ऊपर है। यह वह राशि है जिससे सरकार लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क के रूप में अपना हिस्सा एकत्र करती है। ट्राई की रिपोर्ट के मुताबिक, भारती समूह 26,324 करोड़ रुपये के एजीआर के साथ जियो के बाद दूसरे स्थान पर है। हालांकि, कंपनी ने आलोच्य तिमाही में इस खंड में 25.64 प्रतिशत की उच्चतम वृद्धि हासिल की। कर्ज में फंसी वोडाफोन आइडिया का एजीआर 3.84 प्रतिशत बढ़कर 7,653.53 करोड़ रुपये रहा। वहीं बीएसएनएल का समायोजित सकल राजस्व 12.45 प्रतिशत बढ़कर 2,239.54 करोड़ रुपये रहा।मार्च तिमाही के दौरान टाटा टेलीसर्विसेज का एजीआर 2.31 प्रतिशत बढ़कर 677 करोड़ रुपये और एमटीएनएल का एजीआर 6.04 प्रतिशत घटकर 147 करोड़ रुपये रहा।

एचडीबी फाइनेंशियल के आईपीओ का प्राइस बैंड फिक्स, 25 को होगी लॉन्चिंग

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) एचडीबी फाइनेंशियल के आने वाले आईपीओ के लिए प्राइस बैंड का एलान कर दिया गया है। 25 जून को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलने वाले कंपनी के 12,500 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 700 रुपये से लेकर 740 रुपये का प्राइस बैंड फिक्स किया गया है। आईपीओ के तहत निवेशक 20 शेयर के लॉट साइज में बोली लगा सकेंगे। ये आईपीओ 27 जून को बंद होगा।

कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार एचडीबी फाइनेंशियल का आईपीओ एंकर इन्वेस्टर्स के लिए 24 जून को खुलेगा। आईपीओ के तहत 30 जून को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा। इसके बाद अगले महीने 2 जुलाई को बीएसई और एनएसई पर कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग होगी।

इस आईपीओ के तहत 2,500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 13,51,35,135 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे जाएंगे। नए शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने टियर-1 बेस कैपिटल को बढ़ाने में करेगी। वही ऑफर फॉर सेल के जरिए आने वाली 10,000 करोड़ रुपये की राशि अपने शेयर बेच रहे कंपनी के प्रमोटर एचडीएफसी बैंक को मिलेगी।

एचडीबी फाइनेंशियल के प्राइस बैंड से निवेशकों के बीच हलचल तेज हो गई है। दरअसल, अनलिस्टेड मार्केट (ग्रे मार्केट) में कंपनी के शेयर फिलहाल 1,250 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में आईपीओ के लिए फिक्स किया गया प्राइस बैंड अनलिस्टेड मार्केट की तुलना में जबरदस्त डिस्काउंट वाला है। हालांकि इसके पहले भी अनलिस्टेड मार्केट के भाव की तुलना में डिस्काउंट रेट पर प्राइस बैंड फिक्स किए जाते रहे हैं। टाटा टेक्नोलॉजी, यूटीआई ऐसेट मैनेजमेंट, एजीएस ट्रांजैक्ट और पीबी फिनटेक के आईपीओ के लिए भी अनलिस्टेड मार्केट की तुलना में कम भाव पर प्राइस बैंड फिक्स किया गया था।

साल 2007 से फाइनेंशियल सर्विस के सेक्टर में काम कर रही एचडीबी फाइनेंशियल एक नॉन बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी है, जिसका मुख्य कारोबार रिटेल सेगमेंट में फैला हुआ है। इसके अलावा ये कंपनी बैक ऑफिस सपोर्ट सर्विसेज, सेल्स रिपोर्ट सर्विसेज और इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स के डिस्ट्रीब्यूशन का काम भी करती है। कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई जानकारी के अनुसार पूरे देश के 1,170 छोटे-बड़े शहरों में इसकी 1,771 शाखाएं हैं। इनमें 80 प्रतिशत से अधिक शाखाएं अधिक जनसंख्या वाले देश के प्रमुख 20 शहरों के बाहर हैं। मतलब कंपनी ने मध्यम और छोटे शहरों पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है।

इजरायल का सरकारी खजाना खाली होने की कगार पर

जेरुसलम। मिडिल ईस्ट में जारी ईरान-इजरायल संघर्ष अब महज सैन्य टकराव नहीं रहा, बल्कि एक गंभीर आर्थिक जंग में बदल चुका है। इजरायल हर दिन करीब 63 अरब रुपए (725 मिलियन डॉलर) खर्च कर रहा है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव बन गया है और सरकारी खजाना तेजी से खाली होता जा रहा है। यह खुलासा इजरायली सेना (आईडीएफ) के पूर्व वित्तीय सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल (रिजर्व) रीम अमीनाच ने किया है। उनके अनुसार, युद्ध शुरू होने के सिर्फ पहले दो दिन में ही इजरायल ने 1.45 अरब डॉलर खर्च कर दिए जिसमें हमला और रक्षा दोनों खर्च शामिल हैं। इजरायल ने ईरान पर जो पहला हमला किया, उसमें विमानों के उड़ने और हथियारों के इस्तेमाल का खर्च 593 मिलियन डॉलर था। बाकी पैसा मिसाइलों को रोकने वाले सिस्टम और रिजर्व सैनिकों को बुलाने में खर्च हुआ। अमीनाच ने यह भी कहा कि यह सिर्फ सीधा खर्च है। इनडायरेक्ट कॉस्ट, जैसे जीडीपी पर असर अभी नहीं मापा जा सकता। असली बिल तो तब पता चलेगा जब नागरिक संपत्ति को हुए नुकसान और काम में कमी जैसे खर्चों को जोड़ा जाएगा। युद्ध के चलते इजरायल की आर्थिक विकास की उम्मीदें कम हो गई हैं। वित्त मंत्रालय ने पहले ही इस साल के लिए जीडीपी का 4.9 फीसदी घाटा तय किया था।

खाद्य तेल की कमी और कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

आने वाले दिनों में खाने के तेल की कमी और कीमतें बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी होने की वजह से यह स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) और कई व्यापारिक संगठनों ने सरकार को चेताया है कि यदि पोर्ट की स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो देशभर में सप्लाई चेन बाधित हो सकती है और तेल महंगा हो सकता है।

एसईए के अनुसार, नवंबर 2024 से मई 2025 के बीच भारत का खाद्य तेल आयात 9 फीसदी गिरकर 78.8 लाख टन रहा, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह 86.7 लाख टन था। भारत हर महीने लगभग 7.5 लाख टन पाम ऑयल आयात करता है और यह दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक है। कांडला पोर्ट पर फिलहाल 157,000 टन तेल लादे 8 जहाज बर्थिंग का इंतजार कर रहे हैं। सिर्फ 2 जहाजों से 45,000 टन तेल की अनलोडिंग हो रही है। अगले कुछ दिनों में 159,000 टन तेल के साथ 5 और जहाज पहुंचने वाले हैं।

कांडला पोर्ट पर जहाजों की भारी भीड़ और माल उतराई में हो रही देरी

पोर्ट अधिकारियों के अनुसार फिलहाल 6 खाद्य तेल और 6 रसायन वाले जहाज एंकर पर हैं। शुल्क कटौती बनी आयात बढ़ने की वजह से कांडला पोर्ट अथॉरिटी के एक प्रमुख अधिकारी के अनुसार मई में आयात शुल्क में कटौती के बाद खाद्य तेल की आवक में अचानक तेज़ी आई है। उन्होंने कहा कि औसतन 8-10 दिन की प्रतीक्षा हो रही है लेकिन संचालन प्रक्रियाओं को सख्त किया गया है और समाधान की कोशिशें जारी हैं।

वोल्वो कार्स ने टाटा टेक्नोलॉजीज को बनाया रणनीतिक साझेदार

स्वीडिश ऑटोमोबाइल कंपनी वोल्वो कार्स ने भारतीय कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को रणनीतिक सप्लायर बना लिया है। यह साझेदारी टाटा टेक्नोलॉजीज के लिए एक बड़ा मील का पत्थर है। इस गठजोड़ के तहत दोनों कंपनियां मिलकर एक स्मार्ट, सुरक्षित और सस्टेनेबल ऑटोमोटिव भविष्य की दिशा में काम करेंगी, खासकर इलेक्ट्रिक व्हीकल्स और सॉफ्टवेयर-डिफाइंड व्हीकल (एसडीवी) के क्षेत्र में। इस रणनीतिक साझेदारी के तहत टाटा टेक्नोलॉजीज, वोल्वो कार्स को प्रोडक्ट इंजीनियरिंग, एम्बेडेड सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस और प्रोडक्ट लाइफसायकल मैनेजमेंट (पीएलएम) सेवाओं में सहायता करेगी। यह सहयोग न केवल भारत से बल्कि रोमानिया, पोलैंड और स्वीडन के गोथेनबर्ग स्थित टाटा के ऑटोमोटिव सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से भी दिया जाएगा। दोनों मिलकर करेंगे ऑटोमोबाइल का डिजिटल भविष्य तय टाटा टेक्नोलॉजीज की यह भूमिका वोल्वो के इलेक्ट्रिफिकेशन और सॉफ्टवेयर-ड्रिवन मोबिलिटी प्लेटफॉर्म्स को विकसित करने में मदद करेगी। कंपनी की विशेषज्ञता वोल्वो की वैश्विक इंजीनियरिंग क्षमताओं को मजबूती देने का काम करेगी। वोल्वो कार्स लंबे समय से ऑटोमोबाइल सेफ्टी और पर्यावरणीय स्थिरता की दिशा में अग्रणी भूमिका निभा रही है।

कोर्ट ने नीरव मोदी की करोड़ों की संपत्तियों को रिलीज करने की दी अनुमति

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

मुंबई की एक विशेष अदालत ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी और उसकी बहन पूर्वी मोदी की पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा जब्त की गई 66.33 करोड़ की संपत्तियों को रिलीज करने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया, जिसमें कहा गया था कि इन संपत्तियों को बेचकर या नीलामी के माध्यम से बैंक को हुए नुकसान की आंशिक भरपाई की जा सके।

विशेष न्यायाधीश एवी गुजराती ने 17 जून को यह आदेश पारित किया। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पीएनबी को यह अंडरटेकिंग देनी होगी कि अगर भविष्य में जरूरत पड़ी, तो इन संपत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि को फिर से वसूला जा सकेगा। रिलीज की गई संपत्तियों में नीरव मोदी के मुंबई के वर्ली इलाके स्थित समुद्र महल आवास से बरामद ज्वेलरी, सिक्के, घड़ियां और नकदी शामिल हैं, जिनकी कुल कीमत करीब 40.83 करोड़ है।

कोर्ट ने यह आदेश पीएनबी द्वारा दायर एक अर्जी पर दिया

इसके अलावा, पूर्वी मोदी के नाम पर 19.50 करोड़ का एक फ्लैट और अन्य चल संपत्तियां भी इसी पते से जब्त की गई थीं। प्रवर्तन निदेशालय ने कोर्ट को बताया है कि उसे जब्त संपत्तियों को वापस देने पर कोई आपत्ति नहीं है, बशर्ते कुछ शर्तें पूरी की जाएं। इसके बाद कोर्ट ने पंजाब नेशनल बैंक की अर्जी को मंजूरी देते हुए नीरव मोदी की संपत्तियां उसे लौटाने का आदेश दे दिया। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि नीरव मोदी अब भी भगोड़ा है और भारत लौटने को तैयार नहीं है। नीरव मोदी और उनके मामा मेहुल चोकसी 13,500 करोड़ के पंजाब नेशनल बैंक घोटाले के मुख्य आरोपी हैं। मेहुल चोकसी इस समय बेल्जियम में कानूनी प्रक्रिया का सामना कर रहे हैं, जबकि नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन की जेल में बंद हैं।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशियाई बाजार में तेजी का रुख

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार करके बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में तेजी का रुख बना हुआ है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

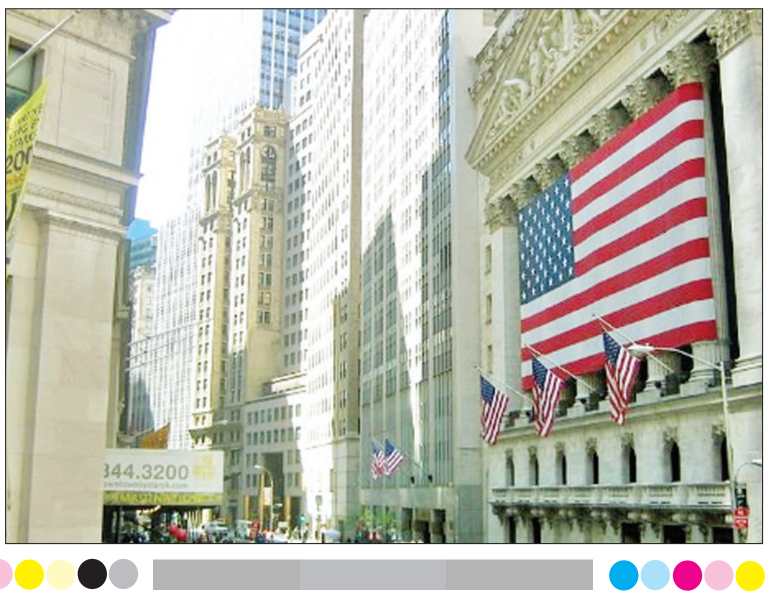

ईरान-इजराइल जंग में अमेरिका की भूमिका को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निवेशक सतर्क मुद्रा में कारोबार करते हुए दिखे, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सीमित दायरे में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ 5,980.87 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.13 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 19,546.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 228.37 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मजबूती के साथ 42,400.03 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,791.80 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 102.67 अंक यानी 1.36 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,553.45 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 260.43 अंक यानी 1.13 प्रतिशत टूट कर 23,057.38 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी होती हुई नजर आ रही है। एशिया के 9 बाजार में से 7 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 1.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,889.56 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 162.26 अंक यानी 0.74 प्रतिशत टूट कर 21,841.24 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.34 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,871.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,899.10 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.16 प्रतिशत उछल कर 3,012.38 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 229.27 अंक यानी 0.99 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,467.01 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,076.10 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,364.83 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक बढ़त के साथ 38,495 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

त्रिनबागो नाइट राइडर्स के नए हेड कोच बने ड्वेन ब्रावो

नई दिल्ली, 20 जून (एजेंसियां)। **कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2025 के लिए त्रिनबागो नाइट राइडर्स (टीकेआर) ने वेस्टइंडीज के पूर्व ऑलराउंडर ड्वेन ब्रावो को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। वह फिल सिमंस की जगह लेंगे, जो इस समय बांग्लादेश की पुरुष क्रिकेट टीम के मुख्य कोच हैं।**

ब्रावो ने इस जिम्मेदारी को लेकर सोशल मीडिया पर लिखा, टीकेआर जैसी टीम का हेड कोच बनने का मौका मिलना मेरे लिए एक सम्मान की बात है।

यह टीम मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं कोच फिल सिमंस को उनके योगदान के लिए धन्यवाद देता हूं और अब इस नई चुनौती को लेकर मैं और मेरी टीम पूरी तरह तैयार हैं।

ड्वेन ब्रावो ने 2013 से 2024 के बीच सीपीएल में 107 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 129 विकेट चटकाए और उनका इकॉनमी रेट 8.74 रहा। वह टीकेआर के लिए 11 में से 9 सीजन में खेले और टीम को पांच बार खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।2021 में उन्होंने सेंट किट्स एंड नेविस पैट्रियट्स की कप्तानी करते हुए टीम को चैंपियन बनाया था।

ब्रावो का कोचिंग सफर हाल के वर्षों में काफी तेजी से बढ़ा है। 2024 में वह आईएलटी20 में अबू धाबी नाइट राइडर्स के हेड कोच बने, जो कि नाइट राइडर्स ग्रुप की ही टीम है।

आईपीएल 2025 में उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए मेंटर की भूमिका निभाई थी, जबकि 2023 और 2024 में वह चेन्नई सुपर किंग्स के लिए बॉलिंग कंसल्टेंट भी रहे।

2024 टी20 वर्ल्ड कप में ब्रावो अफगानिस्तान टीम के गेंदबाजी सलाहकार थे, जिसने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया था, जहां टीम को दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।

इस साल सीपीएल का 13वां संस्करण 14 अगस्त से 21 सितंबर के बीच खेला जाएगा। पिछली बार टीकेआर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर रही थी, लेकिन एलिमिनेटर मुकाबले में बारबाडोस रॉयल्स से हारकर बाहर हो गई थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

इस बार...

बिहारी मुसलमानों की बस्तियां जेहादी विचारधारा और भारत विरोधी उग्रवाद का प्रजनन स्थल बन गई हैं। आईएसआई के मार्गदर्शन में चुने गए बिहारियों को 2022 की शुरुआत से पाकिस्तान भेजा गया, जहां उन्हें विस्फोटकों से निपटने, गुरिल्ला युद्ध करने और कट्टरपंथी इस्लामवादी विचारधारा फैलाने का प्रशिक्षण दिया गया। उनके लौटने पर, आईएसआई समर्थित गुर्गों ने शिविरों के भीतर भोजन और सहायता वितरित करना शुरू कर दिया, जिससे निर्भरता और निष्ठा पैदा हुई। स्थानीय केबल नेटवर्क के माध्यम से उर्दू भाषा की डॉक्यूमेंट्री प्रसारित की गई, जिसमें भारत में मुस्लिम उत्पीड़न के बारे में फर्जी कहानियां चलाई गईं और जेहाद का महिमामंडन किया गया। इस प्रचार अभियान ने पुरानी दुश्मनी को फिर से भड़का दिया और सांप्रदायिक विभाजन को काफी गहरा कर दिया।खुफिया रिपोर्टें बताती हैं कि अब तक 50 हजार से अधिक बिहारी मुसलमानों ने क्रमशः पाकिस्तान से अपना प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। इन्हीं पाकिस्तान प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों ने आग्नेयास्त्रों, हथगोलों और विस्फोटकों से लैस होकर पुलिस स्टेशनों पर समन्वित हमले किए, जेलों से भागने की कोशिश की, शस्त्रागार लूटे और लक्षित हत्याएं कीं। इन तत्वों ने बांग्लादेश में ऐसी हिंसक अराजकता सृजित की कि 5 अगस्त 2024 को व्यापक अशांति के बीच प्रधानमंत्री शेख हसीना को देश छोड़कर भागना पड़ा। इसके बाद पाकिस्तान ने अपना एजेंडा और तीव्र कर दिया। बांग्लादेश में आईएसआई के संचालकों ने प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों को नकदी और हथियार दिए और खूब हिंसा फैलाई। बिहारी मुसलमानों के जरिए अवामी लीग के समर्थकों, हिंदू अल्पसंख्यकों और मंदिरों को निशाना बनाया गया। दंगाइयों ने आगजनी की, घरों को लूटा और यौन हिंसा की।अल-कायदा और आईएसआईएस के कट्टरपंथी इस्लामी झंडे खुलेआम सड़कों पर लहराए गए। हिज्ब उत-तहरीर और हिफाजत-ए-इस्लाम जैसे समूह भी इस अशांति में शामिल हो गए, जिससे स्थिति और भी खराब होती चली गई। जमात-ए-इस्लामी और अन्य जेहादी संगठनों द्वारा समर्थित और बांग्लादेश के सशस्त्र बलों में कई इस्लामाबाद समर्थक लोगों की मिलीभगत से उत्साहित पाकिस्तान ढाका पर अपना प्रभाव फिर से स्थापित करने लगा। शेख हसीना के बाद के बांग्लादेश पर पाकिस्तान की पकड़ मजबूत होने के साथ ही आईएसआई ने अपनी रणनीति के तहत भारत में आतंक का निर्यात करना शुरू किया। प्रशिक्षित बिहारी गुर्गों को संगठित मानव तस्करी के जरिए छोटे-छोटे समूहों में बांग्लादेश सीमा के पार भारत भेजा गया। भारत में घुसने के बाद, इन घुसपैठियों ने भारत में बैठे पाकिस्तानी दलालों के जरिए आधार कार्ड हासिल कर लिए और समाज में घुलमिल गए। वे रसोइया, नाई, घरेलू नौकरानियां, निर्माण श्रमिक और दिहाड़ी मजदूर के रूप में धंधा करने लगे। हिंदी और उर्दू पर उनकी पकड़ के कारण उन्हें भारतीय नागरिक के रूप में पहचानना आसान हो गया। अधिकांश भारतीयों को यह नहीं पता है कि इनमें से अधिकांश लोग प्रशिक्षित आतंकवादी हैं, जिन्हें पाकिस्तानी आकाओं ने भारत के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने और देश को अंदर से अस्थिर करने का लक्ष्य दे रखा है।आईएसआई ऑपरेशन के सबसे भयावह तत्वों में से एक है एचआईवी संक्रमित महिलाओं का इस्तेमाल। आईएसआई के निर्देश पर कई युवा बिहारी महिलाओं को जानबूझकर एचआईवी संक्रमित किया गया और भारी भरकम मुआवजा देकर इन महिलाओं को वेश्यालयों और अन्य सेवा क्षेत्रों में काम करने के लिए भारत भेजा गया। वहां वे महिलाएं वायरस फैला रही हैं और हिंदुओं को निशाना बना रही हैं। यह भारत के हिंदू समाज को जर्जर करने में धीमे जहर का काम कर रहा है। इनमें से कुछ महिलाओं के अधिक बीमार होने पर इन्हें आत्मघाती मिशन को अंजाम देने के लिए तैयार रखे जाने की भी तैयारी है। भारतीय हिंदू आबादी में बीमारी फैलाने के लिए इसे जैविक हथियार की तरह इस्तेमाल करने की रणनीति पाकिस्तान के मूल नस्ल की सनद है। खुफिया एजेंसियों की खतरनाक सूचनाओं के बाद ही भारत में बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों का पता लगाने और उन्हें बाहर निकालने के प्रयास तेज हुए हैं। हालांकि आईएसआई-प्रशिक्षित बिहारी मुसलमानों की पहचान का काम बहुत मुश्किल टास्क साबित हो रहा है। जबकि यह जमात भारत के लिए विनाशकारी साबित हो सकती है।खुफिया एजेंसियों के मुताबिक आईएसआई पहलगाम नरसंहार जैसे हमलों को दोहराने की योजना बना रही है। इस बार यह हमला बांग्लादेश की तरफ से होगा। खुफिया एजेंसियों ने आईएसआई के प्रयासों को जमातुल मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी), हरकत-उल-जिहाद अल-इस्लामी (हूजी) और अंसार अल-इस्लाम जैसे आतंकी संगठनों से जोड़ा है। इन संगठनों भारत में स्लीपर सेल बना रखे हैं, जिन्हें पश्चिम बंगाल और अन्य पूर्वोत्तर राज्यों में आश्रय दिया जाता है।बांग्लादेश पर नियंत्रण स्थापित करने और बिहारी मुस्लिम समुदाय को अपना औजार बनाकर भारत के खिलाफ छद्म-युद्ध छेड़ने के लिए पाकिस्तान के सैन्य-खुफिया तंत्र द्वारा रची गई साजिश केवल क्षेत्रीय चिंता नहीं है, यह एक भू-राजनीतिक आपातकाल है। पाकिस्तान के इस आतंकी अभियान में राष्ट्रविहीन व्यक्तियों को पैदल सैनिक के रूप में हथियार बनाया जा रहा है। रक्षा विशेषज्ञ यह मानते हैं कि यदि इस खतरे का गंभीरता से सामना नहीं किया गया तो दक्षिण एशिया राज्य प्रायोजित उग्रवाद, सांप्रदायिक हिंसा और सीमा पार आतंकवाद के एक नए दौर में उलझ सकता है। अभी कार्रवाई न करने से न केवल इस्लामाबाद की बदनीयत को बढ़ावा मिलेगा बल्कि अस्थिरता की आग भड़क सकती है जो पूरे क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लेगी और वैश्विक शांति को खतरे में डाल देगी। इस मामले में निष्क्रियता का परिणाम अत्यंत घातक साबित हो सकता है।

पंजा-लालूटेन के...

पीएम मोदी ने कहा, पिछले 10 वर्षों में बिहार में करीब 55 हजार किमी ग्रामीण सड़कें बनी हैं। 1.5 करोड़ से अधिक घरों को बिजली के कनेक्शन से जोड़ा गया है। 1.5 करोड़ घरों को पानी का कनेक्शन दिया गया है। 45 हजार से ज्यादा कॉमन सर्विस सेंटर बनाए गए हैं। बिहार की प्रगति के लिए हमें इस गति को लगातार बढ़ाते रहना है।

बिहार के बुनियादी ढांचे के विकास के लिए प्रधानमंत्री ने 400 करोड़ रुपए से अधिक की नई वैशाली-देवरिया रेलवे लाइन परियोजना का उद्घाटन किया और इस मार्ग पर एक नई ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाई। इसके अलावा, उन्होंने उत्तर बिहार में कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए पाटलिपुत्र (पटना) से मुजफ्फरपुर और बेतिया से होते हुए गोरखपुर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। पीएम मोदी ने गिनी गणराज्य को निर्यात के लिए मढ़ौरा संयंत्र में निर्मित अत्याधुनिक रेल इंजन को भी हरी झंडी दिखाई। यह इस कारखाने में बना पहला रेल इंजन है, जिसे निर्यात किया जाना है। प्रधानमंत्री ने नमामि गंगे परियोजना के तहत 1,800 करोड़ रुपए से अधिक लागत के छह सीवेज उपचार संयंत्रों (एसटीपी) का उद्घाटन किया, जिससे क्षेत्र के लोगों की जरूरतें पूरी होंगी। पीएम मोदी ने बिहार के विभिन्न शहरों में 3,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली जलापूर्ति और स्वच्छता परियोजनाओं की आधारशिला भी रखी। उन्होंने बिहार में 500 मेगावाट क्षमता की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) की नींव रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के 53,600 से अधिक लाभार्थियों को पहली किस्त जारी की। पीएम ने पीएमएवाई शहरी परियोजना के तहत पूरे हो चुके 6,600 से अधिक मकानों के गृह प्रवेश समारोह के मौके पर कुछ लाभार्थियों को चाबियां भी सौंपी।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार समृद्ध होगा और देश के विकास में बड़ी भूमिका निभाएगा। मेरे इस विश्वास में आप सभी का सामर्थ्य है। आप सभी ने मिलकर जंगलराज का सफाया किया है। यहां के नौजवानों ने तो 20 साल पहले की बिहार की बदहाली सिर्फ किस्सों और कहानियों में सुनी होंगी। जंगलराज ने बिहार का क्या हाल कर दिया था, वह सभी लोग जानते हैं। जिस बिहार ने सदियों तक भारत की प्रगति को नेतृत्व दिया, उस बिहार को पंजे और लालटेन के शिकंजे ने पलायन का प्रतीक बना दिया था। पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के रहने वाले हर व्यक्ति का सबसे बड़ा धन उसका स्वाभिमान होता है। कठिन से कठिन परिस्थिति में बिहारी भाई-बहन काम करके दिखाते हैं। वह कभी अपने स्वाभिमान से समझौता नहीं करते। लेकिन, पंजे और लालटेन वालों ने मिलकर बिहार के स्वाभिमान को ठेस पहुंचाई। इन लोगों ने ऐसी लूट मचाई कि गरीबी बिहार का दुर्भाग्य बन गई। अनेक चुनौतियों को पार करते हुए नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए सरकार ने बिहार को विकास की पटरी पर लाने का काम किया है।पीएम मोदी ने कहा कि जंगलराज लाने वाले फिर से सपना देख रहे हैं कि बिहार के संसाधनों पर वे फिर से कब्जा कर सकें। इसके लिए वह तरह तरह के हथकंडे अपना रहे हैं। आपको अपने भविष्य के लिए सतर्क रहना है। बिहार के विकास पर ब्रेक लगाने वालों को कोसों दूर रखना है। वो लोग हर चुनाव में आकर बोलते थे गरीबी हटाओ गरीबी हटाओ। लेकिन, आपने जब से एनडीए सरकार को मौका दिया तब पता चला कि गरीबी कम भी हो सकती है। देश की 25 करोड़ की आबादी गरीबी रेखा से बाहर आई है। बीते दशक में बिहार के करीब पौने चार करोड़ साथियों ने खुद को गरीबी से मुक्त किया है। आजादी के इतने दशकों बाद भी लोग गरीबी से ग्रस्त थे। यह इसलिए नहीं हुआ कि बिहार या देश के लोगों में मेहनत में कमी थी। इन्हें आगे बढ़ने का रास्ता नहीं दिया गया। लंबे समय के लिए कांग्रेस और राजद वालों ने इन्हें गरीबी में धकेल दिया। इनके राज में गरीबों को घर नहीं मिलता था। शिक्षा, स्वास्थ्य और राशन तक मुहैया नहीं होती थी। गैस कनेक्शन के लिए सांसदों की सिफारिश लगानी पड़ती थी। नौकरी बिना सिफारिश के नहीं मिलती थी।पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस की करतूतें और इनकी कार्रवाई बिहार विरोधी हैं। निवेश विरोधी हैं। जब यह लोग विकास की बात करते हैं तो लोगों को अपनी दुकान, कारोबार, उद्योग-धंधे सब पर ताले लटकते नजर आते हैं। इसलिए ये लोग नौजवानों के दिल में कभी भी जगह नहीं बना पाए। ये लोग गुंडा राज, माफिया राज, बेहाल इंफ्रास्ट्रक्चर और भ्रष्टाचार के पोषक बने रहे। एनडीए कैसा बिहार बना रही है? इसका उदाहरण मढ़ौरा रेल फैक्ट्री है। आज मढ़ौरा को पहला इंजन अफ्रीका भेजा जा रहा है। आप सोचिए कि अफ्रीका में भी बिहार का जय-जयकार होने वाला है। यह फैक्ट्री उसी सारण में बनी है जिसे पंजे और लालूटेन वालों ने पिछड़ा कहकर छोड़ दिया था। जंगलराज वालों ने बिहार को विकास के मामले में काफी पीछे छोड़ दिया था। आज बिहार में रोड, रेल, हवाई यात्रा और जल मार्ग और हर प्रकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर काफी निवेश हो रहा है।इस मौके पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि केंद्र और राज्य की सरकार जिस तरह से काम कर रही हैं, उससे बिहार बहुत आगे बढ़ेगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने जो सौगात दी है, उससे बिहारवासियों को काफी फायदा होने वाला है। केंद्र सरकार द्वारा जाति जनगणना कराने के फैसले पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया। नीतीश ने लालू परिवार पर हमला बोलते हुए कहा कि इससे पहले जो लोग सरकार में थे, उन लोगों ने क्या किया था बिहार के लिए? क्या हाल था? नीतीश ने कहा कि विपक्ष अनाप-शनाप प्रचार कर रहा है। इससे बिहार के लोगों पर कोई फर्क नहीं पड़ने वाला। वे जब सरकार में थे तो क्या किया था बिहार के लिए। क्या हाल था? कोई काम नहीं किया था उन लोगों ने। पहले शाम में लोग घर से नहीं निकल पाते थे। हमलोगों की सरकार आई तो महिलाओं को आरक्षण दिया। जो भी मौका मिला हमलोगों ने विकास के लिए काम किया। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में विशेष ध्यान दिया। पुल और पुलियों का निर्माण करवाया। सीएम नीतीश कुमार ने पीएम नरेंद्र मोदी का धन्यवाद देते हुए कहा कि आपने बजट में बिहार को विशेष पैकेज दिया। मखाना, एयरपोर्ट, पश्चिमी कोसी नहर के लिए वित्तीय सहायता की घोषणा की। यह बहुत खुशी की बात है।

ओड़ीशा आना ...

राष्ट्रीय रेलवे नेटवर्क के साथ पीएम मोदी ने पहली बार जिले में रेल संपर्क बढ़ाने वाली नई ट्रेन सेवाओं को हरी झंडी भी दिखाई। प्रधानमंत्री मोदी ने भुवनेश्वर में राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) प्रणाली के अंतर्गत 100 इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी भी दिखाई।

जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा, आज 20 जून का दिन बहुत विशेष है। आज ओड़ीशा में पहली भाजपा सरकार ने सफलतापूर्वक एक वर्ष पूरा किया है। यह वर्षगांठ सिर्फ सरकार की नहीं है; यह सुशासन की स्थापना की वर्षगांठ है। यह एक वर्ष जनसेवा और जनविश्वास को समर्पित है। मैं ओड़ीशा के लोगों को हृदय से बहुत-बहुत बधाई देता हूं। मैं मुख्यमंत्री मोहन माझी और उनकी पूरी टीम को भी बधाई देता हूं।पीएम मोदी ने कहा, ओड़ीशा सिर्फ एक राज्य नहीं है, यह भारत की समृद्ध विरासत का एक चमकता सितारा है। सदियों से ओड़ीशा ने भारतीय सभ्यता और संस्कृति को समृद्ध किया है। यही कारण है कि आज जब विकास और विरासत का मंत्र भारत की प्रगति का आधार बन रहा है, तो ओड़ीशा की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। पिछले एक साल में ओड़ीशा ने विकास और विरासत दोनों के इस मंत्र को सही मायने में अपनाया है और उसे अपनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस दौरान अपनी विदेश यात्रा का जिक्र किया। उन्होंने कहा, अभी दो दिन पहले मैं जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए कनाडा में था। मेरी यात्रा के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मुझे फोन किया। उन्होंने कहा, चूंकि आप पहले से ही कनाडा में हैं, तो वाशिंगटन क्यों नहीं आते? चलिए खाना खाते हैं और बात करते हैं। उन्होंने गर्मजोशी से निमंत्रण दिया। मैंने संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति से सम्मानपूर्वक कहा, आपके निमंत्रण के लिए धन्यवाद, लेकिन मेरे लिए महाप्रभु की पवित्र भूमि पर जाना आवश्यक है। और इसलिए, मैंने विनम्रतापूर्वक उनके प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया, क्योंकि महाप्रभु के प्रति आपका प्रेम और भक्ति मुझे इस पवित्र भूमि पर खींच लाई।

पीएम मोदी ने कहा, आजादी के बाद दशकों तक देश के लोगों ने कांग्रेस के शासन मॉडल को देखा। उस मॉडल में सुशासन और जीवन की सुगमता, दोनों का अभाव था। विकास परियोजनाओं में देरी, उन्हें पटरी से उतारना और उनका कुप्रबंधन, घोटाले, भ्रष्टाचार, ये कांग्रेस के विकास मॉडल की पहचान थी। लेकिन हाल के वर्षों में देश ने भाजपा के विकास मॉडल को व्यापक स्तर पर देखा है। पिछले एक दशक में कई राज्यों ने पहली बार भाजपा की सरकारें देखी हैं। और इन राज्यों में सिर्फ सरकार ही नहीं बदली, बल्कि सामाजिक और आर्थिक बदलाव का एक नया युग शुरू हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, यह सुखद संयोग है कि जब ओड़ीशा की भाजपा सरकार अपने एक साल पूरे कर रही है तब आप सभी भगवान जगन्नाथ जी की रथ यात्रा की तैयारियों में जुटे हैं। महाप्रभु हमारे लिए आराध्य भी हैं, प्रेरणा भी हैं और महाप्रभु के आशीर्वाद से श्री मंदिर से जुड़े विषयों का समाधान भी हो गया है। यहां सरकार बनते ही श्री मंदिर के चारों द्वार खोल दिए थे, श्री मंदिर का रत्नभंडार भी खुल गया है और यह कोई राजनीतिक जय-विजय का विषय नहीं है, यह करोड़ों भक्तों की आस्था का सम्मान करने का कार्य हुआ है।प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आदिवासी साथियों के सपने पूरे करना, उन्हें नए अवसर देना, उनके जीवन से मुश्किलें कम करना, हमारी सरकार की प्राथमिकता है। इसलिए पहली बार जनजातीय विकास के लिए दो बहुत बड़ी राष्ट्रीय योजनाएं देश में बनी हैं। इन दो योजनाओं पर 1 लाख करोड़ रुपए से भी ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं। पहली योजना है धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान। बिरसा मुंडा जी के नाम पर इसे रखा गया है। इसके तहत देश भर में 60,000 से अधिक आदिवासी गांवों में विकास के काम किए जा रहे हैं। यहां ओड़ीशा में भी कहीं आदिवासियों के लिए घर बन रहे हैं, रोड बन रहे हैं, बिजली पानी की सुविधाएं बन रही हैं। यहां ओड़ीशा के 11 जिलों में 40 आवासीय विद्यालय भी बन रहे हैं। केंद्र सरकार इस पर भी सैकड़ों करोड़ों रुपए खर्च कर रही है। जो दूसरी योजना है, उसका नाम है पीएम जन-मन योजना है। इस योजना की प्रेरणा ओड़ीशा की धरती से आई है। देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति, ओड़ीशा की बेटी आदरणीय द्रौपदी मुर्मू ने इस योजना के लिए हमें मार्गदर्शन दिया है'।

20 रुपए में...

चांगसारी इंस्टॉल किया गया और वह पूरी कामयाबी के साथ काम कर रहा है। इस उपकरण की खासियत उसकी कुशल डिजाइन, ऊर्जा की किफायती खपत और न्यूनतम रखरखाव है। इस उपकरण की अनुमानित जीवन अवधि कम से कम 15 साल बताई गई है। इस उपकरण में हर छह महीने पर इलेक्ट्रोड बदलना होगा। इस मशीन को न्यूनतम पर्यवेक्षण की आवश्यकता होती है। शोध धल के नेता प्रोफेसर पुरकाइत ने कहा, हम यूनिट को संचालित करने और इलेक्ट्रो-कोएग्युलेशन प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न हाइड्रोजन गैस का उपयोग करने के लिए सौर या पवन ऊर्जा के उपयोग की भी खोज कर रहे हैं। इस शोध में पोस्ट-डॉक्टरल एसोसिएट्स डॉ. अन्वेषन और डॉ. पियाल मंडल के साथ-साथ रिसर्च स्कॉलर मुकेश भारती शामिल थे। ये सभी आईआईटी गुवाहाटी के केमिकल इंजीनियरिंग विभाग से संबद्ध हैं।

भारतीयों की....

वह अपने एयर स्पेस को लेकर जारी की गई कई पाबंदियां को कम कर रहा है। इसी कड़ी में बताया गया है कि ईरान में फंसे एक हजार भारतीय नागरिकों को ईरान के ही तीन स्पेशल एयरक्राफ्ट के जरिए दिल्ली तक पहुंचाया जाएगा।यहां भी ईरान से पहली फ्लाइट तो आज शुक्रवार रात ही रवाना होने जा रही है, अगली दो फ्लाइट शनिवार दोपहर तक दिल्ली पहुंचेंगी। ईरान के मुताबिक अगर जरूरत पड़ेगी तो भारत के लिए और दूसरे विमानों को भी रवाना किया जाएगा। जोर देकर बोला गया है कि इस समय ईरान में सभी भारतीय पूरी तरह सुरक्षित हैं। इसी हफ्ते 110 भारतीयों को ईरान से सुरक्षित वापस लाया गया था। ऑपरेशन सिंधु के तहत ही उन लोगों का रेस्क्यू हुआ था। दिल्ली पहुंचकर उन लोगों ने भारतीय एंबेसी की जमकर तारीफ भी की थी। वैसे ईरान के साथ-साथ इस समय इजराइल में भी क्योंकि हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, ऐसे में वहां से भी सभी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश जारी है। बताया जा रहा है कि एयर स्पेस को लेकर कई सारी पाबंदियां चल रही हैं, ऐसे में इजराइल से लैंड बॉर्डर के जरिए लोगों का रेस्क्यू हो सकता है।

मुसलमान बनाएंगे...

यह हिंदुओं का सीधा अपमान है।इधर, हाल के दिनों में गौमांस के अवशेष हिंदू मंदिरों के अंदर या आस-पास फेंकने की घटनाएं बढ़ी हैं, जो हिंदू आस्था पर सीधा हमला है। इस्लामी कट्टरपंथी और हिंदू विरोधी तत्व जानबूझकर हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने और दंगे भड़काने के लिए यह काम कर रहे हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने 13 जून को बताया कि बकरीद के अगले दिन धुबरी के मुस्लिम बहुल इलाके में एक हनुमान मंदिर के पास गाय का कटा हुआ सिर मिला, जिससे हिंदू समुदाय में तनाव फैल गया। शांति बैठक के बाद भी अगली सुबह फिर से मंदिर में गाय का सिर फेंका गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि धुबरी में एक मजहबी समूह सक्रिय है, जो जिले को बांग्लादेश में मिलाना चाहता है। कुछ लोगों ने पथराव किया और नबीन बांग्ला नाम के संगठन के पोस्टर लगाए। इसके बाद ही सीएम सरमा ने उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने का आदेश दिया।13 जून के बाद फिर 18 जून को असम के गोलपारा जिले के लखीमपुर कस्बे में एक हिंदू मंदिर के पास गाय का कटा हुआ सिर फेंकने की घटना सामने आई, जिससे इलाके में मजहबी तनाव फैल गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, सिर को हटाया और क्षेत्र की घेराबंदी कर दी ताकि आगे कोई और अपवित्र घटना न हो। इस मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए लोगों के नाम बोदिर अली, हजरत अली, तारा मिया, शाजमल मियां और जहांगीर अलोम है। 18 जून को ही लखीमपुर जिले में एक नामघर (प्रार्थना स्थल) के पास तीन गायों की खोपड़ियां मिलने के बाद सात मुस्लिम व्यक्तियों मंसूर अली, मोहम्मद रज्जाक अली, साहा अली, दिलवर हुसैन, दिलदार हुसैन, अबू कलाम अली और जाहिदुल इस्लाम को गिरफ्तार किया गया।इसी तरह मार्च महीने में उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मदेयगंज स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के बाहर अज्ञात लोगों ने एक बछड़े का कटा हुआ सिर फेंका। इससे स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश फैल गया और लोगों ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस मंदिर में दो साल में तीसरी बार ऐसी घटना की गई। लेकिन पुलिस ने इन मामलों में कोई गंभीरता नहीं दिखाई। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज के दरियाबाद इलाके में मार्च में ही हिंदू व्यापारियों के घरों के बाहर गाय के अवशेष फेंके गए थे। गोपाल अग्रवाल के घर के बाहर गाय का कटा हुआ सिर और दीपक कपूर के घर के बाहर गाय का पैर बरामद हुआ था। पुलिस अधिकारी संजय द्विवेदी ने माना भी कि यह घटना सांप्रदायिक तनाव फैलाने के इरादे से की गई थी। व्यापारी गोपाल अग्रवाल ने बताया कि पिछले पांच महीनों में यह तीसरी बार है जब उनके घर के बाहर गाय के अवशेष फेंके गए, लेकिन पहले की घटनाओं की तरह पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।छह जून को उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में शीतलगंज पुन्नपुर गांव स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर के पास कुछ बदमाशों ने मांस का टुकड़ा फेंक दिया। सुबह श्रद्धालुओं ने मंदिर के बाहर मांस देखा तो आक्रोशित हो गए। स्थानीय हिंदू कार्यकर्ताओं के विरोध के बाद थाना प्रभारी बृजेश सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे, भीड़ को शांत कराया और मांस हटा कर उसे मिट्टी में दबवा दिया। पुलिस ने मामले में कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र स्थित रॉबर्ट्सगंज में हनुमान मंदिर के पास एक गाय के बछड़े का शव मिलने के मामले में भी पुलिस की कार्रवाई ढीली ही रही। यही हाल शाहजहांपुर मंदिर के पास मांस के अवशेषों से भरा थैला बरामद किए जाने के मामले में भी हुआ। इसी तरह की घटनाएं उत्तर प्रदेश में कन्नौज स्थित रसूलाबाद मंदिर और शामली जिले में सिक्का गांव मंदिर में भी हुई। लेकिन पुलिस ने कुछ नहीं किया।मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के जौरा कस्बे में भगवान जगन्नाथ मंदिर परिसर में इसी महीने कुछ उपद्रवी तत्व गाय का कटा हुआ सिर फेंक कर भाग गए। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया। पुलिस ने इस मामले में सलमान मेवाती, शाकिर कुरैशी, नौशाद कुरैशी और शाहरुख सत्तार के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) लगाया और प्रशासन ने आरोपियों के घरों के अवैध हिस्से भी ढहा दिए। बकरीद से पहले दिल्ली के संगम विहार के गुप्ता कॉलोनी के पास एक बछड़े का कटा हुआ सिर मिला। इस घटना से इलाके में तनाव फैल गया और स्थानीय हिंदू संगठनों ने इसे जानबूझकर किया गया अपमान माना, साथ ही इस्लामवादियों पर आरोप लगाए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया लेकिन इस मामले में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। जयपुर के सुभाष चौक इलाके में 18 जून को उस समय तनाव फैल गया जब कुछ अज्ञात लोग बाइक पर आए और चाणक्य मार्ग स्थित शिव मंदिर के सामने मांस फेंककर भाग गए। यह घटना शाम करीब 4:30 बजे हुई और सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना गंगा एकादशी के दिन हुई, जो हिंदुओं के लिए पवित्र माना जाता है। मांस के टुकड़े मंदिर के सामने पड़े होने का वीडियो भी सामने आया। घटना की खबर फैलते ही लोग मौके पर पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। बाद में प्रदर्शनकारियों ने सुभाष चौक थाने में शिकायत दर्ज कराई।दिल्ली के तीस हजारी इलाके में झंडेवाला देवी मंदिर से पवित्र ज्योति ले जा रहे श्रद्धालुओं के जुलूस पर कुछ लोगों ने मांस के टुकड़े फेंक दिए थे। इससे धार्मिक जुलूस अपवित्र हो गया और स्थानीय हिंदू समुदाय में आक्रोश फैल गया। लोगों ने आरोप लगाया कि यह हमला जानबूझकर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुंचाने के लिए किया गया था। लेकिन इस मामले में भी पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके शीतला माता मंदिर के पास गाय के अवशेष मिले। डी ब्लॉक मंदिर के पास भी गाय के अवशेष फेंके गए। स्थानीय लोगों को मौके से एक पहचान पत्र मिला, जिसमें नाम इसानुल होदा और पिता का नाम अब्दुल जलील दर्ज था। लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।झारखंड भी इस तरह की घटनाओं का शिकार हो रहा है। झारखंड के साहिबगंज जिले में राजमहल थाना क्षेत्र स्थित फुलबरिया कालीबाड़ी दुर्गा मंदिर के अंदर मांस फेंका गया। झारखंड के करमदाहा (धनबाद और जामताड़ा जिले की सीमा) में दुखिया महादेव मंदिर के पास मांस फेंके जाने के मामले में पुलिस ने एफआईआर दर्ज करने के सिवा कुछ नहीं किया।

इजराइल से युद्ध ...

दुनिया में उसकी बात सुनी जाती है, ऐसे में उसे इजराइल की आलोचना कर एक सक्रिय भूमिका अदा करनी चाहिए। यह पहली बार है जब ईरान ने खुलकर इस युद्ध में भारत से कोई अपील की है।

वैसे इस समय ईरान भारत को एक और मामले में सहयोग कर रहा है। ईरान में 1000 के करीब भारतीय अभी भी फंसे हुए हैं, उन्हें कैसे सुरक्षित निकाला जाए, यह एक चुनौती बना हुआ है। उसी चुनौती को देखते हुए अब ईरान भारत की मदद कर रहा है, उसकी तरफ से तीन एयरक्राफ्ट भेजने की तैयारी है। इसी हफ्ते 110 भारतीयों को ईरान से सुरक्षित वापस लाया गया था। दिल्ली पहुंचकर उन लोगों ने भारतीय दूतावास की जमकर तारीफ भी की थी। ईरान के साथ-साथ इस समय इजराइल में भी हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं, ऐसे में वहां से भी सभी भारतीयों को सुरक्षित बाहर निकालने की कोशिश जारी है। बताया जा रहा है कि एयर स्पेस को लेकर कई सारी पाबंदियां चल रही हैं, ऐसे में इजराइल से लैंड बॉर्डर के जरिए लोगों का रेस्क्यू हो सकता है।

जानें आधुनिक जीवन में क्यों आवश्यक है योग

योग को अपनाएं, जीवन को बेहतर बनाएं, स्वस्थ रहें, मस्त रहें, खुश रहें

आज के आधुनिक जीवन में व्यक्ति का मन और शरीर एक-दूसरे से कटता जा रहा है। भागदौड़, मानसिक दबाव, अनियमित दिनचर्या और असंतुलित आहार के कारण उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, डायबिटीज़ और कैंसर जैसी गंभीर बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में योग एक वैज्ञानिक और आध्यात्मिक समाधान बनकर सामने आता है। योग न केवल रोगों से लड़ने की क्षमता देता है, बल्कि जीवन शैली को संतुलित और मानसिक शांति से युक्त बनाता है। यह तथ्य विभिन्न नैदानिक अध्ययनों द्वारा भी प्रमाणित किया गया है।

सप्ताह में दो घंटे की हॉबी नहीं, जीवन जीने की कला है

योग महज़ स्ट्रेचिंग या आराम नहीं है – यह दैनिक जीवन में जीने की कला है। यह शरीर, मन और आत्मा को संतुलन में लाकर एक पूर्ण और एकीकृत व्यक्तित्व का निर्माण करता है। योग:

- दिमाग को शांत करता है
- लचीलापन व ऊर्जा बनाए रखता है
- भावनाओं को संतुलित करता है
- मन-शरीर के बीच सामंजस्य लाता है।

हर जीवनशैली के लिए समाधान

हर व्यक्ति अपनी ज़रूरत और जीवनशैली के अनुसार योग का मार्ग चुन सकता है:

- हठ योग – शारीरिक मजबूती के लिए
- राज योग – ध्यान और आत्म-अनुशासन के लिए
- ज्ञान योग – विवेक और चिंतन के लिए
- भक्ति योग – ईश्वर से जुड़ने के लिए
- कर्म योग – निष्काम सेवा के लिए

इनमें से कोई एक या संयोजन अपनाकर व्यक्ति प्राणायाम, आसन, ध्यान, विश्राम और प्रत्याहार का अभ्यास कर सकता है।

मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र का प्राकृतिक उपचार

वर्तमान समय में मानसिक बीमारियाँ तेजी से बढ़ रही हैं – जैसे माइग्रेन, अवसाद, एंज़ायटी। स्नायु विज्ञान (न्यूरोलॉजी) अभी शोध के प्रारंभिक चरणों में है, और आज भी डॉक्टर योग को एक प्रभावी उपचार मानते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, जब हम सुबह 110 हर्ट्ज़ की ध्वनि में ॐ का उच्चारण करते हैं, तो यह मस्तिष्क को कंपन के माध्यम से 'न्यूरॉन मसाज' देता है। माइग्रेन जैसी बीमारियाँ, जिनका कोई निश्चित इलाज नहीं है, योग के माध्यम से नियंत्रित की जा सकती हैं।

मानसिक सुकून और 8 घंटे की नींद जितना आराम

आज की व्यस्त जीवनशैली में जब मन को विश्राम नहीं मिल पाता, तब योग मस्तिष्क को गहरी नींद के समान विश्राम देता है। शोध बताते हैं कि योग के नियमित अभ्यास से:

- तनाव कम होता है
- एकाग्रता बढ़ती है
- न्यूरो-डिसऑर्डर नियंत्रित होते हैं
- सकारात्मकता आती है

यही कारण है कि विदेशों में भी योग को व्यापक रूप से अपनाया गया है।

शरीर की नसों और तंत्रिकाओं को सक्रिय करने वाला विज्ञान

योग के विभिन्न आसन शरीर की नसों और तंत्रिकाओं को इस प्रकार खींचते और सक्रिय करते हैं कि शरीर की कार्यप्रणाली बेहतर हो जाती है। जैसे-जैसे तंत्रिकाएँ सक्रिय होती हैं, शरीर रोगों से लड़ने में सक्षम बनता है। इसलिए इसे प्राकृतिक इम्यून बूस्टर भी कहा जा सकता है।

11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में घोषित किया गया। भारत सदियों से योग का केंद्र रहा है – जहाँ तंत्र, मंत्र, ध्यान, प्राणायाम और कर्म के योग विविध रूपों में विकसित हुए हैं। आधुनिक वैश्विक कल्याण संस्थान (ट्रस्ट) और एवीके न्यूज सर्विस के संयुक्त प्रयास से योग सप्ताह (ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम) चलाया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य योग के महत्व, लाभ और इसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना है।

योग केवल एक शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला विज्ञान है। यह शरीर, मन और आत्मा का संतुलन है, और आधुनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। इसलिए- हर दिन थोड़ा योग करें, तनावमुक्त और स्वस्थ जीवन जिएं। योग को अपनाएं, जीवन को बेहतर बनाएं। स्वस्थ रहें, मस्त रहें, खुश रहें।

■ अलका सिंह
योग विशेषज्ञ

सुखद जीवन और निरोग्यता के लिए करें योग

योग की परम्परा अत्यन्त प्राचीन है और इसकी उत्पति तकरीबन छब्बीस हजार वर्ष पूर्व हुई थी ऐसा माना जाता है। योग के जनक या पित्र पुरुष पतंजलि ऋषि हैं । कहा जाता है कि जब से सभ्यता शुरू हुई है तभी से योग किया जा रहा है। योग सनातन धर्म की अप्रतिम धरोहर है। इसे आज सारा विश्व वैज्ञानिक और स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी मानता है , और पूरी शिद्दत से मान्यता देता है। तभी तो आज विश्व का प्रत्येक देश अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मना रहा है।

योग विद्या में भगवान शिव को आदि योगी व आदि गुरू माना जाता है। भगवान शंकर के बाद वैदिक ऋषि-मुनियों से ही योग का प्रारम्भ माना जाता है। बाद में कृष्ण, महावीर और बुद्ध ने इसे अपनी तरह से विस्तार दिया। इसके पश्चात पतञ्जलि ने इसे सुव्यवस्थित रूप दिया। इस रूप को ही आगे चलकर सिद्धपंथ, शैवपंथ, नाथपंथ, वैष्णव और शाक्त पंथियों ने अपने-अपने तरीके से विस्तार दिया।

योग से सम्बन्धित सबसे प्राचीन ऐतिहासिक साक्ष्य सिन्धु घाटी सभ्यता से प्राप्त वस्तुएँ हैं, जिनकी शारीरिक मुद्राएँ और आसन उस काल में योग के अस्तित्व के प्रत्यक्ष प्रमाण हैं। योग के इतिहास पर यदि हम दृष्टिपात करे तो इसके प्रारम्भ या अन्त का कोई प्रमाण नही मिलता, लेकिन योग का वर्णन सर्वप्रथम वेदों में मिलता है और वेद सबसे प्राचीन साहित्य माने जाते है। यह गर्व का विषय है कि योग की शुरुआत भारत में हुई थी, आज के समय में भारत देश के कई राज्यों में योग में ध्यान दिया जा रहा है। जिसमे सबसे आगे उत्तराखंड राज्य है, राज्य के प्रमुख धार्मिक नगर ऋषिकेश को योग नगरी के नाम से भी जाना जाता है । यहां पर गत कई वर्षों से योग गुरु रामदेव ने योग के प्रचार प्रसार और प्रयोग के लिए अनेक कार्य किए हैं।

योग सही तरह से जीने का विज्ञान है और इस लिए इसे दैनिक जीवन में शामिल किया जाना चाहिए। यह हमारे जीवन से जुड़े भौतिक, मानसिक भावनात्मक, आत्मिक और आध्यात्मिक, आदि सभी पहलुओं पर काम करता है। योग का अर्थ एकता या बांधना है। इस शब्द की जड़ है संस्कृत शब्द युज, जिसका मतलब है जुड़ना। आध्यात्मिक स्तर पर इस जुड़ने का अर्थ है सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का एक होना। व्यावहारिक स्तर पर, योग शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने और तालमेल बनाने का एक साधन है। यह योग या एकता आसन, प्राणायाम, मुद्रा, बँध, षट्कर्म और ध्यान के अभ्यास के माध्यम से प्राप्त होती है। तो योग जीने का एक तरीका भी है और अपने आप में परम उद्देश्य भी । योग सबसे पहले लाभ पहुँचाता है बाहरी शरीर को, जो ज्यादातर लोगों के लिए एक व्यावहारिक और क्रियात्मक पहलू है तो वही यह आंतरिक रूप से ध्यान और मस्तिष्क को भी पूरी तरह से प्रभावित करता है। हम अनुभव करते है, तो अंग,स्तर पर योग मानसिक और भावनात्मक स्तरों पर काम करता है। रोज़मर्रा की जिंदगी के तनाव और बातचीत के परिणामस्वरूप बहुत से लोग अनेक मानसिक परेशानियों से पीड़ित रहते हैं। योग इनका इलाज शायद तुरंत नहीं प्रदान करता लेकिन इनसे मुकाबला करने के लिए यह सिद्ध विधि है।

पिछली सदी में, हठ योग बहुत प्रसिद्ध और प्रचलित हो गया था। लेकिन योग के सही मतलब और संपूर्ण ज्ञान के बारे में जागरूकता अब जाकर लगातार बढ़ रही है। शारीरिक और मानसिक उपचार योग के सबसे अधिक ज्ञात लाभों में से एक है। यह इतना शक्तिशाली और प्रभावी इसलिए है क्योंकि यह सद्भाव और एकीकरण के सिद्धांतों पर काम करता है। योग अस्थमा, मधुमेह, रक्तचाप, गठिया, पाचन विकार और अन्य बीमारियों में चिकित्सा के एक सफल विकल्प है, ख़ास तौर से वहाँ जहाँ आधुनिक विज्ञान आजतक उपचार देने में सफल नहीं हुआ है। एड्स पर योग के प्रभावों पर अनुसंधान वर्तमान में आशाजनक परिणाम दे रहे हैं। चिकित्सा वैज्ञानिकों के अनुसार, योग चिकित्सा तंत्रिका और अंतःस्रावी तंत्र में बनाए गए संतुलन के कारण सफल होती है। जो शरीर के अन्य सभी प्रणालियों और अंगों को सीधे प्रभावित करती है।

अधिकांश लोगों के लिए, हालांकि, योग केवल तनावपूर्ण जीवन में स्वस्थ रहने का मुख्य साधन हैं। योग बुरी आदतों के प्रभावों को उलट देता है,जैसे कि सारे दिन कुर्सी पर बैठे रहना, मोबाइल फोन को ज़्यादा इस्तेमाल करना, व्यायाम ना करना, ग़लत ख़ान-पान रखना इत्यादि। इनके अलावा योग के कई आध्यात्मिक लाभ भी हैं। इसे पूरा लिखना आसान नहीं है, क्योंकि यह आपको स्वयं योग अभ्यास करके हासिल और फिर महसूस करने पड़ेंगे। हर व्यक्ति को योग अलग रूप से लाभ पहुँचाता है। तो योग को अवश्य अपनायें और अपनी मानसिक, भौतिक, आत्मिक और अध्यात्मिक सेहत में सुधार लायें। आधुनिक वैश्विक कल्याण संस्थान (ट्रस्ट) और अखिल विश्व कल्याण न्यूज सर्विस के संयुक्त प्रयास से योग सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य योग के महत्व, लाभ और इसके वैज्ञानिक दृष्टिकोण के प्रति जनसामान्य को जागरूक करना है।

अगर आप ये निम्न कुछ सरल नियमों का पालन करेंगे, तो अवश्य योग अभ्यास का लाभ उठा पाएँगे,। टीप:- अच्छा होगा किसी गुरु के निर्देशन में अभ्यास शुरू करें। सूर्योदय या सूर्यास्त के वक्त योग का सही समय है। योग करने से पहले स्नान ज़रूर करें।योग खाली पेट करें। योग करने से दो घंटे पहले कुछ ना खायें । आरामदायक सूती कपड़े पहनें।

तन की तरह मन भी स्वच्छ होना चाहिए। योग करने से पहले सब बुरे ख़याल दिमाग़ से निकाल दें। किसी शांत वातावरण और सॉफ जगह में योग अभ्यास करें। एक चटाई या दरी स्वच्छ पर आसन स्वरूप बिछा लें। अपना पूरा ध्यान अपने योग अभ्यास पर ही केंद्रित रखें। योग अभ्यास धैर्य और दृढ़ता से करें। अपने शरीर के साथ ज़बरदस्ती बिल्कुल ना करें। निरंतर योग अभ्यास जारी रखें। योग करने के आधा घंटा बाद तक कुछ ना खायें एवं एक घंटे तक न नहायें। धीरज रखें। योग के लाभ महसूस होने मे वक़्त लगता है। प्राणायाम हमेशा आसन अभ्यास करने के बाद करें। अगर कोई मेडिकल तकलीफ़ हो तो पहले डॉक्टर से ज़रूर सलाह लें। अगर तकलीफ़ बढ़ने लगे या कोई नई तकलीफ़ हो जाए तो तुरंत योग अभ्यास रोक दें। योगाभ्यास के अंत में हमेशा शवासन करें।

■ सुरेश सिंह बैस शाश्वत

मेरी लंबी आयु का रहस्य योग ही है : 104 वर्षीय योगाचार्य रतनलाल जाजू

हैदराबाद के सभी योग साधक जानते हैं, रतनलाल जाजू की उम्र 104 वर्ष में प्रवेश हो गई है और आज भी निरंतर योग की कक्षाएं दादाजी योगा ग्रुप के जरिए सभी व्यक्तियों, महिलाओं और पुरुषों को निःशुल्क योग सिखाते हैं और उनके स्वास्थ्य और दीर्घायु के लिए उपाय बताते रहते हैं।

श्री जाजू जी का जन्म क़लम, उस्मानाबाद जिले में एक छोटे से गांव में, लातूर के समीप सन् 1922 में हुआ था। बचपन में ही वह आर्य समाज और उसके गतिविधियों में बढ चढ़कर भाग लेने लगे और प्रतिदिन हवन/यज्ञ में क़लम स्थित आर्य समाज मंदिर में सम्मिलित होते और आर्यवीर दल के साथ जुड़ने से प्रातः एवं सायं शारीरिक व्यायाम, लठ चलाना, भाला चलाना और समाज सेवा में व्यस्त हो गए।

हैदराबाद स्टेट उन दिनों भारत परतंत्र रहने से और निजाम शासन के अत्याचारों के कारण बहुत ही संघर्षमय जीवन बिताना पड़ा और आर्य समाज से जुड़ने के कारण श्री जाजू ने समाज सेवा और हैदराबाद की निजाम शासन से मुक्ति के लिए अपना योगदान प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से निरंतर देते रहे।

क़लम में आयोजित आर्य समाज के सम्मेलनों में स्वयंसेवी बनकर भाग लेते और बैरिस्टर विनायकराव विद्यालंकार, तेज़ तर्रार युवा क्रांतिकारी नेता पंडित गंगाराम जी, पंडित नरेंद्र जी आदि महापुरुषों के ओजस्वी वाणी से प्रभावित होते और समाज में सभी को आर्य शिवरों से प्रशिक्षण में भाग लेने और समाज सेवा के लिए नवयुवकों के साथ संगठन को मजबूत करते रहे।

प्राथमिक और आगे की पढ़ाई हेतु क़लम से परली और अम्बाजोगाई फिर दसवीं कक्षा की पढ़ाई के लिए हैदराबाद आये और सिटी कॉलेज से पढ़ाई की और इस मेधावी बालक ने गणित और अन्य विषयों में बहुत अच्छे अंकों से उत्तीर्ण हुए। उस काल आठवीं कक्षा तक पढ़ा लिखा विद्यार्थी, वकालत कर सकता था, फिर इन्होंने दसवीं तक पढ़ाई की। आगे की पढ़ाई भी उन्होंने प्रसिद्ध सिटी कॉलेज से की, जो की उस काल में हाईकोर्ट को लग कर बनाया गया।

पढ़ाई पूर्ण कर बटन फैक्ट्री में काम करने लग गए। फैक्ट्री के काम से उन्हें देश विदेश के कई दूरस्थ स्थानों पर जाने का अवसर मिला और उसका उन्होंने भरपूर लाभ उठाया और भारत के बारे में अलग-अलग जगह पर कैसा कैसा शासन है उसे जाना पहचाना।

इनका विवाह प्रसिद्ध आर्य समाजी, समाजसेवी तथा हैदराबाद मुक्ति में अहम भूमिका निभाई ऐसे श्री मोहनलाल बलदेवा जी की दोहिती और घनश्याम दास एवं राधा बाई अठासनिया की सुपुत्री शांता देवी से सन् 1944 में आर्य समाजी परिवार में हुआ और इस दंपति ने उस काल में निरंतर आर्य समाज के उत्थान में तथा आर्य सत्याग्रहियों के सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ी और उनको सहयोग देते हुए कार्यक्रमों को सफल बनाया।

भारत स्वतंत्र हुआ लेकिन निजाम शासन काल में ही इन्होंने 15 अगस्त 1947 को हैदराबाद में हिंदी में शान्ति प्रिंटर्स के नाम पर चारमीनार के नजदीक प्रिंटिंग प्रेस आरंभ किया जो आज भी सक्रिय है, हिंदी की सेवा करते हुए, महर्षि दयानंद सरस्वती के बताए हुए हिंदी प्रचार प्रसार में लगा हुआ है।

आर्य समाज और महर्षि दयानंद से प्रभावित होने के कारण इन्होंने अपने पांचों सुपुत्रियों वसुंधरा, अरुणा, सुषमा, मंजुला और माधुरी को उच्च शिक्षा प्राप्त कराई, दो को डॉक्टर और दो को साइंटिस्ट बनवाया और आज वह विदेशों में अपना डंका बजा रही है, तीन अमेरिका में, एक ब्रिटेन में और एक औरंगाबाद में। यह सब इनके विचार और संस्कार में आर्य समाज का बड़ा योगदान रहा है। उनके दोनों सुपुत्र प्रदीप और गिरीश बड़े होने तथा अपने-अपने व्यवसायों पर लग जाने पर, आगे का जीवन में अपने आपको इन्होंने स्वस्थ्य और मोक्ष प्राप्ति के लिए योग पर अपना ध्यान केंद्रित करना शुरू किया। बाबा रामदेव जी के प्रथम हैदराबाद शिविर से योग यात्रा आरंभ कर योग प्रशिक्षण प्राप्त कर, हरिद्वार में एक महीना रहकर वहां पर भी पूर्ण प्रशिक्षण प्राप्त कर, इन्होंने पामेंटम गार्डन, मलकपेट में निःशुल्क योग केंद्र स्थापित की। सुबह और शाम में निरंतर कक्षाएं लेना शुरू किया जिसमें लगभग 100 से अधिक साधकों को लाभ होना शुरू हुआ और इनका भी हौसला बढ़ता ही गया।

103 वर्ष पूर्ण होने पर भी इन्होंने योग की शिक्षा निःशुल्क देने में कोई कसर नहीं छोड़ी और प्रतिदिन प्रातः अपने निवास स्थान कुत्बीगुड़ा, काचीगुड़ा पर दादाजी योगा ग्रुप नाम से योग कक्षाएं चलाते हैं और अनेक लोगों ने इसका लाभ उठाया और उठा रहे हैं।

इस दम्पति ने योग को विदेशों में भी अपने प्रवास में जनसाधारण के लिए सिखाया और आज भी वहां के साधक इनसे संपर्क में है और योग का लाभ उठा रहे हैं। इन्होंने अमेरिका में 8 दिन का प्रशिक्षण शिविर आयोजित कर अनेक साधकों को योग सिखाया। उनकी धर्मपत्नी शान्ता देवी जाजू के संग अपने प्रवास के दौरान बर्मिंघम, लंदन के प्रवास पर योग की कक्षाएं ली और अनेक लोगों को योग से प्रभावित एवं प्रशिक्षित किया।

आज 21 जून, 2025 को 11वें विश्व योग दिवस के अवसर पर रतनलाल जाजू का सभी के लिए यही पर्व संदेश है कि कम से कम एक घंटा अपने स्वास्थ्य के लिए योग साधना में लगाओ और सात्विक आहार तथा साधारण जीवन जियो। इसी में सुखी और स्वस्थ तथा लंबी आयु का रहस्य छिपा पड़ा है।

■ भक्त राम,
अध्यक्ष, पण्डित गंगाराम स्मारक मंच
हैदराबाद

विद्युत जामवाल ने संस्कृत में दिया भाषण, बोले

योग ने दी मेरी जिंदगी को दिशा

एक्शन स्टार और मार्शल आर्टिस्ट विद्युत जामवाल ने बुधवार को बेंगलुरु में स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान की ओर से आयोजित अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उद्घाटन समारोह में शिरकत किया, जहां उन्होंने संस्कृत में भाषण दिया।अभिनेता ने योग को अपनी जिंदगी का अहम हिस्सा बताते हुए फैंस को नशे से दूर रहने की सलाह दी। उन्होंने कहा, नशे से दूर रहना चाहिए। यह जिंदगी के हानिकारक है।कलारीपयट्टु के एक्सपर्ट विद्युत ने कहा, योग भारत की धरोहर है। पतंजलि के योग सूत्रों ने मेरे जीवन पर गहरा प्रभाव डाला। संस्कृत में यह संदेश देना, जो योग ग्रंथों की मूल भाषा है, मेरे लिए एक शिष्य की तरह अपनी परंपरा को सम्मान देने जैसा है, जिसने मेरी जिंदगी, अनुशासन और उद्देश्य को आकार दिया। समारोह की अध्यक्षता योग गुरु एच.आर. नागेंद्र और कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत ने की। नागेंद्र ने अपने मुख्य भाषण में योग के समग्र स्वास्थ्य पर पड़ने वाले महत्व पर प्रकाश डाला। यह उद्घाटन समारोह एक सप्ताह तक चलने वाले सीजन, वर्कशॉप और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का शुभारंभ था, जिसमें योग के प्राचीन विज्ञान के लिए समर्पित चिकित्सक, शोधकर्ता और नेता शामिल हुए।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस हर साल 21 जून को मनाया जाता है, जिसे साल 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने अपनाया था। इसकी पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 2014 के संयुक्त राष्ट्र संबोधन में की थी और इस प्रस्ताव को 177 देशों का समर्थन मिला, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया।

विद्युत के अभिनय करियर पर नजर डालें तो साल 2011 में तेलुगू फिल्म शक्ति से उन्होंने शुरुआत की और उसी साल बॉलीवुड में फोर्स के साथ डेब्यू किया। जामवाल साल 2013 में मार्शल आर्ट्स फिल्म कमांडो में पहली बार मुख्य भूमिका में दिखे थे। वह बिल्ला 2, बादशाहो, कमांडो 2, यारा, कमांडो 3 और सनक जैसी फिल्मों का भी हिस्सा रहे हैं। हाल ही में वह स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म क्रैक – जीतेगा तो जिएगा में दिखे, जिसमें उनके साथ अभिनेता अर्जुन रामपाल, नोरा फतेही और एमी जैक्सन जैसे कलाकार मुख्य भूमिका में थे।विद्युत जल्द ही तमिल एक्शन-थ्रिलर मद्रासी में नजर आएंगे, जिसका निर्देशन एआर मुरुगादॉस ने किया है। इसमें उनके साथ शिवकार्तिकेयन, रुक्मिणी वसंत, बिजु मेनन अहम भूमिकाओं में हैं।

मालविका मोहनन ने की प्रभास की तारीफ

बाहुबली की गिनाईं खूबियां

अभिनेत्री मालविका मोहनन की अपकमिंग हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साहब' सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार है। निर्देशक मारुति की फिल्म में मालविका के साथ अभिनेता प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। मालविका ने प्रभास की तारीफ करते हुए बताया कि वह शानदार इंसान हैं।

मालविका मोहनन ने को-स्टार प्रभास के साथ पहली मुलाकात का अनुभव शेयर करते हुए बताया कि उन्हें प्रभास के बातचीत करने का अंदाज पसंद है। मालविका मोहनन से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक फैन ने सवाल किया कि 'द राजा साहब' के सेट पर उनका सबसे पसंदीदा पल कौन सा था? मालविका ने कहा, मेरे लिए 'द राजा साहब' के सेट पर सबसे खास पल था, जब मैं प्रभास सर से पहली बार मिली।

उन्होंने आगे बताया, उस वक्त मेरा शेड्यूल काफी व्यस्त था और मैं उस समय दूसरी फिल्म की शूटिंग भी कर रही थी, 'द राजा साहब' के लिए जब मैं हैदराबाद पहुंची तो बहुत थकी हुई थी और नींद न लेने की वजह से काफी दिक्कतों का सामना भी करना पड़ रहा था। लेकिन, मैं जैसे ही सेट पर पहुंची तो प्रभास सर को देखते ही मेरी सारी थकान गायब हो गई। वह बहुत आकर्षक, गर्मजोशी से भरे शानदार इंसान हैं। वह बातचीत में भी कमाल हैं। मुझे उनका अंदाज पसंद है। 'द राजा साहब' को भारत में अब तक बनाए गए सबसे बड़े हॉरर-फैंटेसी सेट पर शूट किया गया है, जिसके लिए एक रहस्यमयी और डरावनी हवेली बनाई गई है। हाल ही में रिलीज हुए टीजर में प्रभास दो अलग-अलग अंदाज में नजर आए। एक में वह एनर्जी से भरे और एक्शन में तो दूसरे में रहस्यमयी अंदाज में दिखे।

प्रभास और मालविका मोहनन के अलावा फिल्म में संजय दत्त, निधि अग्रवाल और रिद्धि कुमार भी अहम भूमिकाओं में हैं। पीपल मीडिया फैक्ट्री ने फिल्म का निर्माण किया है और निर्देशन की जिम्मेदारी मारुति ने संभाली है। फिल्म का संगीत थमन एस ने दिया है और सिनेमैटोग्राफी कार्तिक पलानी ने की है।यह फिल्म 5 दिसंबर को तेलुगू, हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज होगी।

फिल्म वॉर 2 में एक्शन सीन को दमदार बनाने में लगा सबसे ज्यादा समय : अयान मुखर्जी

फिल्ममेकर अयान मुखर्जी ने फिल्म वॉर 2 को डायरेक्ट करने का अनुभव शेयर किया। उन्होंने इसे रोमांचक सफर करार दिया। कहा कि वह इस फिल्म के जरिए अपनी नई सोच और नया अंदाज लाना चाहते हैं। अयान मुखर्जी ने कहा है, मेरे लिए वॉर 2 फिल्म को डायरेक्ट करना रोमांचक सफर था। ब्लॉकबस्टर फ्रैंचाइज की फिल्म को आगे बढ़ाना बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है और उसमें अपनी छाप छोड़ना और भी जरूरी हो जाता है। मैंने वॉर 2 को डायरेक्ट करने का मौका एक मजेदार अनुभव की तरह देखा है, जिसमें मैं पहली फिल्म को सम्मान दे सकूं। इसमें कुछ नया और अलग अंदाज में कर सकूं।

फिल्ममेकर ने बताया कि उन्होंने कहानी पर खास ध्यान दिया। वह फिल्म में दो बड़े स्टार, ऋतिक रोशन और एनटीआर, के बीच ऐसा जबरदस्त टकराव दिखाना चाहते हैं जिसे देख दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो जाएं। अयान मुखर्जी ने कहा, हमें पहले से बनी हुई फिल्म और उसके माहौल को ध्यान में रखते हुए काम करना होता है, और फिर ऐसा कुछ नया दिखाना होता है जो फैंस को पसंद आए। एक डायरेक्टर के तौर पर मैंने पूरी ईमानदारी से इस एहसास को फिल्म में लाने की कोशिश की है।

उन्होंने कहा कि वॉर 2 की हर चीज, कहानी, एक्शन, सीन आदि को बहुत ध्यान से तैयार किया है, ताकि दर्शकों को थियेटर में फिल्म देखने में मजा आए और एक खास अनुभव महसूस हो।

अयान मुखर्जी ने कहा, फिल्म में ऋतिक और एनटीआर के बीच हुए एक्शन सीन को दमदार बनाने में सबसे ज्यादा समय लगा है। यह एक ऐसी फिल्म है जो भारतीय सि... ताकत को दिखाती... फिल्म दर्शकों क... ऐसा जोश देने... वाली है जैसा... पहले कभी नहीं... देखा गया होगा।

उन्होंने कहा... वॉर 2 सच... भारतीय सिनेमा... बड़ी मिसाल है, ... बड़े अभिनेता, ऋतिक और एनटीआर, साथ आ रहे हैं। ऐसे में फिल्म को लेकर लोगों की उम्मीदें भी बढ़ गई हैं। वॉर 2 14 अगस्त को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अपने दिल के जीपीएस संग बाग में दिखीं श्रेया घोषाल

गायिका श्रेया घोषाल ने पति के साथ बिताए खुशनुमा पलों की झलक दिखाने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। गायिका ने इंस्टाग्राम पर पति और बेटे के साथ एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो पति और बेटे समेत बगीचे में घूमती नजर आईं। वीडियो में श्रेया घूमती हुई नजर आ रही हैं और उनके पति पेड़ों से फल तोड़ रहे हैं। क्लिप के बैकग्राउंड में श्रेया ने फिल्म सुपर-30 का गाना जुगराफिया को जोड़ा है। श्रेया ने कैप्शन में लिखा, मेरे दिल का जीपीएस?

बता दें, श्रेया घोषाल ने 20 से ज्यादा भाषाओं में 3000 से ज्यादा गाने गाए हैं। साल 2010 से अमेरिका में 26 जून को श्रेया घोषाल दिवस मनाया जाता है। 2010 में, श्रेया घोषाल अमेरिका के ओहियो राज्य में एक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने गई थीं। उनके प्रदर्शन से प्रभावित होकर, ओहियो के तत्कालीन गवर्नर टेड स्ट्रिकलैंड ने 26 जून को श्रेया घोषाल दिवस के रूप में घोषित किया। यह सम्मान पाने वाली वह पहली भारतीय महिला बनी थीं।श्रेया घोषाल का जन्म 12 मार्च 1984 को पश्चिम बंगाल में एक बंगाली हिंदू परिवार में हुआ था। उनके पिता, विश्वजीत घोषाल, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र में एक विद्युत इंजीनियर थे और उनकी मां, शर्मिष्ठा घोषाल, एक गृहणी थीं।

उन्होंने 4 साल की उम्र में संगीत सीखना शुरू कर दिया था और 6 साल की उम्र में शास्त्रीय संगीत में औपचारिक प्रशिक्षण शुरू किया। 16 साल की उम्र में, उन्होंने सारेगामापा रियलिटी शो जीता, जिसने उन्हें फिल्म उद्योग में पहचान दिलाई। संजय लीला भंसाली ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और उन्हें देवदास में गाने का मौका दिया। पहली बार साल 2003 में फिल्म 'देवदास' के गाने 'बैरी पिया' में सर्वश्रेष्ठ महिला पार्श्व गायिका का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार मिला और तब से वह भारतीय फिल्म उद्योग में सबसे लोकप्रिय और सफल गायिकाओं में से एक बन गई हैं। उन्होंने कई पुरस्कार जीते हैं, जिनमें पांच राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और छह फिल्मफेयर पुरस्कार शामिल हैं।

सोनम कपूर की प्लेलिस्ट में है करियर का सबसे खास गाना

अभिनेत्री सोनम कपूर के दो मशहूर गाने 'प्रेम रतन धन पायो' और 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' ने यूट्यूब पर एक अरब से ज्यादा बार देखे जाने का रिकॉर्ड बना लिया है। इस खास मौके पर सोनम ने इन गानों के अपने अनुभव और प्यार को व्यक्त किया। सोनम ने बताया कि उनका पसंदीदा गाना कौन-कौन सा है। साल 2015 में रिलीज हुई फिल्म 'प्रेम रतन धन पायो' के टाइटल ट्रैक में सलमान खान और सोनम कपूर, नील नितिन मुकेश, स्वरा भास्कर के साथ अनुपम खेर भी अहम भूमिका में हैं।

सोनम ने कहा, जब 'प्रेम रतन धन पायो' गाना रिलीज हुआ था, तब डबस्मैश वीडियो हर जगह छाए हुए थे। इसने इंटरनेट पर तहलका मचा दिया था। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत मजा आया। ऐसा लगता है जैसे यह कल की बात हो। यह गाना आज भी लोगों के बीच खास है, जो मेरे लिए बहुत मायने रखता है।

वहीं, साल 2014 की फिल्म 'खूबसूरत' का गाना 'अभी तो पार्टी शुरू हुई है' सोनम का ऑल-टाइम फेवरेट है। इस गाने में रैपर बादशाह और आस्था गिल की आवाज है। सोनम ने बताया, यह गाना मेरे करियर का सबसे खास गाना है और आज भी मेरी डांस प्लेलिस्ट में शामिल है। इसकी शूटिंग के दौरान मैंने खूब मस्ती की थी। यह देखकर खुशी होती है कि यह आज भी पार्टियों में धूम मचाता है।

'खूबसूरत' फिल्म का निर्देशन शशांक घोष ने किया था। यह 1980 में आई रेखा और राकेश रोशन स्टारर फिल्म का रीमेक है। इसमें सोनम ने मिल्ली नाम की एक मजेदार फिजियोथेरेपिस्ट की भूमिका निभाई, जो एक शाही परिवार के लिए काम करती है और एक राजकुमार से प्यार कर बैठती है। इस फिल्म में सोनम कपूर के साथ फवाद खान, किरण खेर और रत्ना पाठक जैसे सितारे भी हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो सोनम आखिरी बार क्राइम-थ्रिलर 'ब्लाइंड' में नजर आई थीं, जो साल 2023 में रिलीज हुई थी। इसे शोम मखीजा ने डायरेक्ट किया था, जबकि सुजॉय घोष इसके प्रोड्यूसर थे। फिल्म में सोनम के अलावा पूरब कोहली, विनय पाठक और लिलेट दुबे जैसे कलाकार अहम किरदार में नजर आए। यह 2011 में इसी नाम से रिलीज हुई कोरियन फिल्म की हिंदी रीमेक है। कहानी एक अंधे पुलिस अधिकारी की है, जो एक सीरियल किलर की खोज में है।

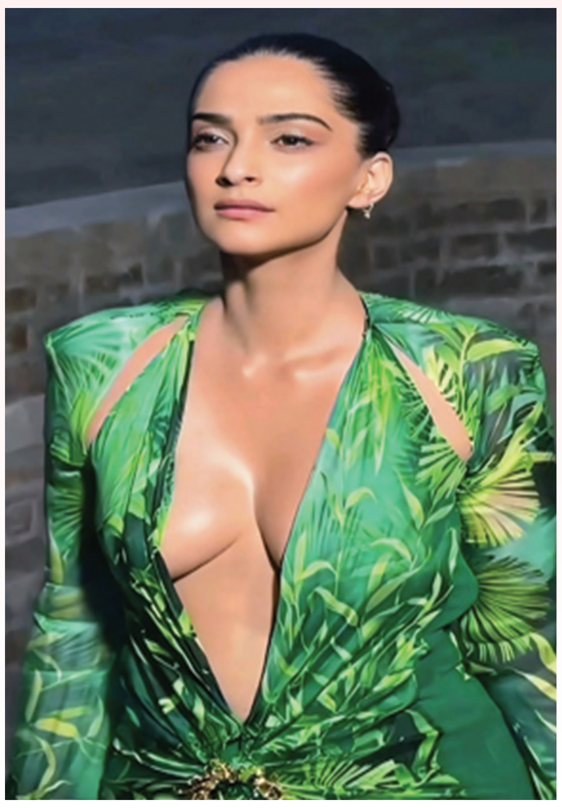

सलमान खान के गानों पर फिदा हुईं कृति सेनन, बोलीं- क्या म्यूजिक है यार!

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सेनन खुद 90 के दशक के गानों की फैन हैं। हाल ही में उन्हें बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान के मशहूर गाने 'जानम समझा करो और प्यार दिलों का मेला है पर झूमते हुए देखा गया। कृति सेनन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी वैनिटी वैन में तैयार होती दिख रही हैं। मेकअप करवाते समय वह साल 1999 के हिट गाने जानम समझा करो के बोल गुनगुना रही हैं। यह गाना सलमान खान और उर्मिला मातोंडकर पर फिल्माया गया था।

इस वीडियो में कृति मजे से गाने का आनंद ले रही हैं और इसे गुनगुनाती भी दिख रही हैं। इस गाने को लेकर कृति सेनन कहती हैं, मुझे यह गाना बहुत पसंद है।' इसके आगे वह इस गाने के संगीत की तारीफ करते हुए वह कहती हैं, क्या म्यूजिक है यार!

इस गाने के बाद दूसरा गाना प्यार दिलों का मेला है प्ले होता है, जो साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म दुल्हन हम ले जाएंगे का है। इस फिल्म में सलमान खान और करिश्मा कपूर मुख्य भूमिका में थे। इस गाने को सुनकर कृति मेकअप आर्टिस्ट से बात करते हुए कहती हैं, सारे गाने कमाल के हैं।' कृति ने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, मैं हमेशा 90 के दशक की बच्ची रहूंगी!!

वर्कफ्रंट की बात करें तो, कृति सेनन इस समय अपनी आने वाली फिल्म तेरे इश्क में' की शूटिंग में व्यस्त हैं, इसमें उनके साथ सुपरस्टार धनुष हैं। 'तेरे इश्क में' को फिल्म 'रांझणा' की कहानी से जुड़ा एक नया हिस्सा माना जा रहा है। यह फिल्म अधूरी मोहब्बत, प्यार की तड़प और भावनात्मक संघर्ष जैसे विषयों पर आधारित है। फिल्म को गुलशन कुमार, टी-सीरीज और कलर येलो मिलकर पेश कर रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन आनन्द एल राय और हिमांशु शर्मा ने किया है। वहीं भुषण कुमार और कृष्ण कुमार भी इसके प्रोड्यूसर हैं।

फिल्म के निर्देशक आनन्द एल राय हैं, वहीं कहानी हिमांशु शर्मा ने लिखी है। यह फिल्म ए.आर. रहमान के संगीत से भरी होगी, और इसके गाने इरशाद कामिल ने लिखे हैं। फिल्म 28 नवंबर को हिंदी और तमिल दोनों भाषाओं में रिलीज़ होगी।

पूजा हेगड़े को बेहद पसंद है साड़ियां मैं हमेशा कांजीवरम गर्ल रहूंगी

अभिनेत्री पूजा हेगड़े ने कांजीवरम साड़ियों के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने कहा कि वह हमेशा 'कांजीवरम गर्ल' रहेंगी।पूजा हेगड़े ने इंस्टाग्राम पर बैंगनी और सुनहरे रंग की खूबसूरत कांजीवरम साड़ी में अपनी तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने ड्रॉप इयररिंग्स, चोकर और चूड़ियों के साथ अपने लुक को पूरा किया। मेकअप में उन्होंने न्यूड लिप्स चुना और अपने लंबे काले बाल खुले रखे।

शेयर की गई तस्वीरों के साथ पूजा ने कैप्शन में लिखा, वन्स कांजीवरम गर्ल, ऑलवेज कांजीवरम गर्ल। पूजा की पोस्ट पर फैंस कमेंट करते नजर आए। एक फैन ने लिखा, आप बेहद खूबसूरत हैं। दूसरे ने लिखा, साड़ी में खूबसूरत झलक।

कांजीवरम साड़ियां दक्षिण भारत की शानदार शिल्पकला और शुद्ध मलबरी रेशम से बनती है। ये भारी होती है और इनकी बुनाई में बारीक कारीगरी दिखती है।वर्कफ्रंट की बात करें तो पूजा जल्द ही डेविड धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' में नजर आएंगी। इस रोमांटिक-कॉमेडी-ड्रामा में उनके साथ अभिनेता वरुण धवन मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म में पूजा हेगड़े, वरुण धवन के साथ अभिनेत्री मृणाल ठाकुर, मौनी रॉय, चंकी पांडे, मनीष पॉल, जिमी शेरगिल, राकेश बेदी, अली असगर, कुब्रा सैत, रोहित सराफ, राजीव खंडेलवाल, नितीश निर्मल और श्रीलीला जैसे सितारे भी अहम भूमिकाओं में हैं।फिल्म का टाइटल डेविड धवन की साल 1999 की सफल फिल्म 'बीवी नं.1' के गाने 'इश्क सोना है' से प्रेरित है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन मुख्य भूमिकाओं में हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें, जो आध्यात्मिक जीवन के लिए आवश्यक है। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. बढ़िया दिन है जब आप सबके ध्यान को अपनी तरफ़ खींचेंगे– आपके सामने चुनने के लिए कई चीज़ें होंगी और आपके सामने समस्या यह होगी कि किसे पहले चुना जाए । आईटी से जुड़े लोगों को अपना जौहर दिखाने का मौक़ा मिल सकता है। आपको क़ामयाबी पाने के लिए केवल काम पर एकाग्र होकर जी–तोड़ मेहनत करने की ज़रूरत है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। कुछ सहकर्मी कई अहम मुद्दों पर आपकी कार्यशैली से नाख़ुश होंगे, लेकिन यह वे आपको बताएंगे नहीं। अगर आपको लगता है कि परिणाम आपकी उम्मीद के मुताबिक़ नहीं आ रहे हैं, तो अपनी योजनाओं का फिर से विश्लेषण कर उनमें सुधार लाना बेहतर रहेगा। अगर आज आप यात्रा कर रहे हैं तो आपको अपने सामान की अतिरिक्त सुरक्षा करने की ज़रूरत है। आपका जीवनसाथी आपको ख़ुश करने के लिए आज काफ़ी कोशिशें करता नज़र आएगा ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए आपको कुछ कर दिखाने की ज़रूरत है। जो लोग काफी वक्त से आर्थिक तंगी से गुजर रहे थे उन्हें आज कहीं से धन प्राप्त हो सकता है जिससे जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाएंगी। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर आपके जीवनसाथी का मन खिन्न है और चाहते हैं की दिन अच्छा गुज़रे, तो चुप्पी साधे रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रुपये–पैसे के हालात और उससे जुड़ी समस्याएँ तनाव का कारण साबित हो सकती हैं। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ज़रूरत के वक़्त आपको दोस्तों का सहयोग मिलेगा। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में आपसी समझ नहीं रहती । लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक होने वाला है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

नफ़रत की भावना महंगी पड़ सकती है। यह न केवल आपकी सहन–शक्ति घटाती है, बल्कि आपके विवेक को भी ज़ंग लगा देती है और रिश्तों में हमेशा के लिए दरार डाल देती है। व्यापार में मुनाफा आज कई व्यापारियों के चेहरे पर खुशी ला सकता है। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। मार्केटिंग के क्षेत्र में काम करने की आपकी महत्वाकांक्षा फलीभूत हो सकती है। आज आपका खाली वक्त भी ऑफिस के काम को पूरा करने में ही लगेगा। कोई रिश्तेदार अचानक आपके घर आ सकता है, जिसके चलते आपकी योजनाएँ गड़बड़ा सकती हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अपने व्यक्तित्व को विकसित करने के लिए गम्भीर तौर पर प्रयास करें। इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। आपका मज़ाकिया स्वभाव सामाजिक मेल–जोल की जगहों पर आपकी लोकप्रियता में इज़ाफ़ा करेगा। किसी लघु या मध्यावधि पाठ्यक्रम में दाखिला लेकर अपनी तकनीकी क्षमताओं में निखार लाएँ। सफ़र के लिए दिन ज़्यादा अच्छा नहीं है। अगर थोड़ी–सी कोशिश की जाए तो जीवनसाथी के साथ आज का दिन खुशनुमा हो सकता हैं ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सिर्फ़ अक़्लमंदी से किया गया निवेश ही फलदायी होगा– इसलिए अपनी मेहनत की कमाई सोच–समझ कर लगाएँ। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। संतोषजनक परिणाम पाने के लिए काम को योजनाबद्ध तरीक़े से करें, दफ़्तर की परेशानियों को हल करने में आपको मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। समय का सदुपयोग करना सीखें। यदि आपके पास खाली वक्त है तो कुछ रचनात्मक करने की कोशिश करें। वक्त को बर्बाद करना अच्छी बात नहीं है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज खेल–कूद में हिस्सा लेने की ज़रूरत है । आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढाएंगे। आज के दिन किसी के साथ छेड़खानी करने से बचें। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। जीवन की आपाधापी के बीच आज आप अपने बच्चों के लिए वक्त निकालेंगे। उनके साथ वक्त गुजार के आपको महसूस हो सकता है कि आपने जीवन के कई जरुरी पल गवां दिए हैं। वैवाहिक जीवन के कुछ साइड इफ़ेक्ट्स भी होते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। परिवार वालों का हँसी–मज़ाक भरा बर्ताव घर के वातावरण को हल्का–फुल्का और ख़ुशनुमा बना देगा। आप आज प्यार की मनोदशा में होंगे– और आपके लिए काफ़ी मौक़े भी होंगे। आज आपका कोई छुपा विरोधी आपको ग़लत साबित करने की पुरज़ोर कोशिश करेगा। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। आप अपने जीवन की कुछ यादगार शामों में से एक आज अपने जीवनसाथी के साथ बिता सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के मनोरंजन में बाहर की गतिविधियों और खेल–कूद को शामिल किया जाना चाहिए। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते आपको कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है। कोई चिट्ठी या ई–मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। आज के दिन कार्यालय का माहौल बढ़िया बना रहेगा। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। जब आप अपने प्रिय के साथ बाहर जाएँ तो अपने पहनावे और बरताव में नयापन रखें। आज अनुभवी लोगों से जुड़कर जानने की कोशिश करें कि उनका क्या कहना है। छात्र–छात्राओं को आज अपने काम को कल पर नहीं टालना चाहिए, आपको जब भी खाली समय मिले अपने काम को पूरा कर लें। ऐसा करना आपके लिए हितकारी है। शादी के ठीक पहले के ख़ूबसूरत दिनों की याद ताज़ा हो सकती है ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहचानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। धन का आगमन आज आपको कई आर्थिक परेशानियों से दूर कर सकता है। शाम का वक़्त दोस्तों के साथ मौज–मस्ती के लिए अच्छा है, साथ ही छुट्टियों के लिए योजना भी बन सकती है। किसी दिलचस्प इंसान से मिलने की प्रबल संभावना है। आपके द्वारा आज खाली समय में ऐसे काम किये जाएंगे जिनके बारे में आप अक्सर सोचा करते हैं लेकिन उन कामों को कर पाने में समर्थ नहीं हो पाते।

आज का पंचांग

दिनांक : 21 जून 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 07:21 तक
नक्षत्र : अश्विनी रात्रि 07:51 तक
योग : अतिगंड रात्रि 08:28 तक
करण : विष्टि प्रातः 07:21 तक
चन्द्रराशि : मेष
सूर्योदय : 05:42, सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:48 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:35 ,सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 07:51 तक , एकादशी व्रत स्मार्त , भद्रा प्रातः 07:19 तक, एकादशी तिथि का क्षय , सूर्य दक्षिणायन आरंभ , पुण्यकाल सूर्योदय समय , विश्व योग दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

पंडित दीनदयाल उपाध्याय संबल पखवाड़े के आयोजन से

जरूरतमंद तक पहुंचेगा योजनाओं का पूरा लाभ : भजनलाल

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अनुसूचित जनजातियों के कल्याण एवं टीएसपी क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद केन्द्र एवं राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रही है।

शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग की ओर से आयोजित राजस्थान अनुसूचित जनजाति परामर्शदात्री परिषद की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनप्रतिनिधि प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर 15 से 30 जून तक चलाए जा रहे धरती आबा जन–भागीदारी अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए इसे सफल बनाएं। उन्होंने वनाधिकार अधिनियम–2006 के तहत लंबित व्यक्तिगत एवं सामुदायिक दावों का शीघ्र निस्तारण कर अधिकार पत्र जारी करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग द्वारा स्वीकृत किए गए कार्यों को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश प्रदान किए। उन्होंने बजट घोषणा वर्ष 2024–25 के कार्यों को जल्द पूरा करने और बजट घोषणा वर्ष 2025–26 के कार्यों में गति लाने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने स्कूल शिक्षा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता और उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा विद्यार्थियों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति का समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।

शर्मा ने जल संसाधन विभाग की परियोजनाओं तथा कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की गतिविधियों में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण एवं जल जीवन मिशन के कार्यों को पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा करने के लिए निर्देशित किया। वहीं उन्होंने जनजाति क्षेत्र में बिजली कनेक्शन समय पर जारी करने के भी निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने टीएसपी क्षेत्र में प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत रोगियों की पहचान और उपचार सहायता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम–जनमन के तहत स्वीकृत कार्यों को गति प्रदान करने और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत आयोजित हो रही विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से आदिवासी परिवार तक सरकारी योजनाओं का शत–प्रतिशत लाभ पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री वन–धन योजना के माध्यम से जनजाति समुदाय की आय बढ़ाने के लिए भी निर्देशित किया।

शर्मा ने 24 जून से प्रारम्भ होने वाले पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाडे में जनप्रतिनिधियों को पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए कहा, जिससे योजनाओं का पूरा लाभ जरूरतमंद तक पहुंच सके। उन्होंने अधिकारियों को आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों का नियमित निरीक्षण करने सहित मां–बाड़ी केन्द्रों में भोजन और पोषाहार की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने टीएसपी क्षेत्र में मिनी बीज किट के शेष वितरण कार्य को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी, राजस्व मंत्री हेमन्त मीणा, विधायक समाराम, फूल सिंह मीणा, प्रताप लाल भील, शान्ता अमृत लाल मीणा, गोपीचंद मीणा, ललित मीणा, महेन्द्र पाल मीणा, हंसराज मीणा, राजेन्द्र मीणा, रामबिलास, शंकर लाल डेचा एवं मुख्य सचिव सुधांश पंत सहित विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव एवं वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सलूंबर में लोहे से भरे ट्रक ने मारी 5 गाड़ियों को टक्कर, 3 की मौत, 10 घायल

सलूंबर, 20 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के सलूंबर क्षेत्र में शुक्रवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। लोहे की सरियों से भरे तेज रफ्तार ट्रक ने एक के बाद एक 5 वाहनों को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण हादसे में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 10 अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों का इलाज लसाड़िया के सरकारी अस्पताल में चल रहा है।

यह हादसा लसाड़िया थाना क्षेत्र के बांसी मायदा घाट सेक्शन में हुआ, जहां एक ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटने के कारण पहले से ही जाम की स्थिति बनी हुई थी। इसी दौरान लोहे से भरे ट्रक का बैलेंस बिगड़ गया और वह अनियंत्रित होकर सामने खड़ी कार, ट्रैक्टर, बाइक सहित 5 वाहनों को टक्कर मारते हुए रुक पाया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक ट्रैक्टर पलट गया और उसमें भरे सीमेंट के कट्टे सड़क पर बिखर गए।

दुर्घटना के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए। पुलिस ने घायलों को तुरंत एंबुलेंस से लसाड़िया अस्पताल पहुंचाया। वहीं मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। लसाड़िया थानाधिकारी हर्षराज सिंह ने बताया कि मृतकों की शिनाख्त अभी नहीं हो पाई है। घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है।

जानकारी के अनुसार, मायदा घाट सेक्शन की ढलान पर सीमेंट से भरी ट्रैक्टर–ट्रॉली पलट गई थी। ट्रॉली को हटाने के लिए जेसीबी मौके पर काम कर रही थी। इस वजह से बांसी से धरियावद मार्ग पर वाहनों की लंबी कतार लगी थी। ट्रक के अनियंत्रित होने के पीछे इसी जाम को कारण माना जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि मायदा घाट सेक्शन की यह ढलान बेहद खतरनाक है, जहां अक्सर हादसे होते रहते हैं। एक दिन पहले भी इसी जगह एक ट्रेलर पलट गया था, जिसमें ड्राइवर की मौत हो गई थी।

डॉ. राकेश बिश्नोई आत्महत्या मामला

एसएमएस थाना पुलिस ने बेनीवाल समेत 5 को थमाया नोटिस, सीएम आवास कूच से पहले बढ़ा सियासी पारा

जयपुर, 20 जून (एजेंसियां)। एसएमएस अस्पताल के मोर्चरी गेट से सीएम आवास की ओर कूच से पहले ही राजस्थान की सियासत गरमा गई है। पुलिस ने राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी संयोजक हनुमान बेनीवाल, छात्र नेता अभिमन्यु पूनिया, निर्मल चौधरी, अनिल चोपड़ा और श्रवण चौधरी को नोटिस थमाते हुए साफ कर दिया है – अगर आंदोलन के दौरान कोई भी अप्रिय घटना होती है तो उसकी जिम्मेदारी इन्हीं नेताओं की होगी। यह नोटिस डॉ. राकेश बिश्नोई आत्महत्या मामले को लेकर दिए गए प्रदर्शन और सीएम आवास कूच की चेतावनी के बाद जारी किया गया है।

नोटिस में पुलिस ने आरोप लगाया कि इन नेताओं ने बिना अनुमति आरोग्य पथ, डचड अस्पताल मुर्दाघर के पास टेंट लगाकर अवैध जमावड़ा किया। न केवल अस्पताल का रास्ता रोका गया, बल्कि सोशल मीडिया के जरिए भी भीड़ जुटाने का खुला आह्वान किया गया।पुलिस ने लिखा है कि इससे गंभीर मरीजों की आवाजाही बाधित हुई है, वहीं मोर्चरी से शवों को ले जाने वाला एकमात्र रास्ता भी अवरुद्ध हो सकता है। नोटिस में चेतावनी दी गई कि यदि किसी मरीज को क्षति पहुंचती है या कोई अप्रिय वारदात होती है तो इसका दायित्व इन्हीं नेताओं का होगा। नोटिस में यह भी कहा गया कि यह गतिविधि न केवल अवैध है बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था भंग करने वाली है।

पुलिस की इस कार्रवाई के बावजूद हनुमान बेनीवाल ने अपने सोशल मीडिया मंच 'द' पर पोस्ट कर एक बार फिर समर्थकों से जालूपुरा स्थित उनके निवास पर एकत्र होने की अपील की है। उन्होंने लिखा – 'दिवंगत डॉ. राकेश बिश्नोई के परिजनों को न्याय दिलाने के लिए जयपुर और आसपास के सभी क्षेत्रों के लोग, युवा साथी 11 बजे तक मेरे निवास पर पहुंचें। दोपहर 1 बजे हम मोर्चरी से सीएम आवास की तरफ कूच करेंगे।' बताया जा रहा है कि इस कूच में बड़ी संख्या में समर्थकों के शामिल होने की संभावना है।डॉ. राकेश बिश्नोई आत्महत्या मामले को लेकर परिजनों का धरना आज सातवें दिन में प्रवेश कर चुका है। गौरतलब है कि 12 जून को डॉ. बिश्नोई ने कथित रूप से जहर खा लिया था। इलाज के दौरान डचड अस्पताल में उनकी मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि मेडिकल कॉलेज में उनके विभागाध्यक्ष द्वारा लगातार प्रताड़ित किए जाने से बिश्नोई ने यह कदम उठाया।

हरियाणा के सरकारी स्कूल ने रचा इतिहास दुनिया के टॉप–10 में बनाई जगह

चंडीगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। सोचिए, किसी गांव या छोटे शहर के स्कूल का दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शामिल होना कितना गर्व की बात होगी। इस धारणा को थोड़ा और करीब से देखिए, क्योंकि यह कोई सपना नहीं बल्कि फरीदाबाद, हरियाणा की हकीकत है।

हालांकि अक्सर सरकारी स्कूल शब्द सुनते ही मन में आधे–अधूरे ढांचे, टूटी हुई डेस्क और गंदे क्लासरूम की तस्वीर उभर आती है, लेकिन फरीदाबाद के गवर्नमेंट गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, छखढ–5 ने इस धारणा को चुनौती दी है और कुछ ऐसा हासिल किया है जो अब तक केवल निजी और अंतरराष्ट्रीय स्कूल ही कर पाए हैं।दुनिया भर के हजारों स्कूलों में से, यह हरियाणा का एकमात्र स्कूल है जिसे विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार 2025 में शीर्ष–10 में स्थान मिला है।

फिल्मी डायलॉग छोड़कर प्रदेश की बदहाल कानून व्यवस्था को सुधारें मुख्यमंत्री : चौटाला

चंडीगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने बीजेपी द्वारा सोशल मीडिया पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का ...गुंडागर्दी छोड़ दो या हरियाणा छोड़ दो' का पोस्टर जारी करने पर बड़ी हैरानी जताई हैं। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सीएम ने कई महीने पहले ऐसा फिल्मी डायलॉग बहादुरगढ़ में एक मंच से बोला था, जब गोहाना में जलेबी दुकानदारों को बदमाशों की धमकियां मिली थी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दिनों–दिन प्रदेश की कानून व्यवस्था का बुरा हाल हुआ है और प्रदेश के खराब हालात किसी से छिपे हुए नहीं है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि प्रदेश में आए दिन लूट, फिरौती, सरेआम गोली मारकर हत्या की बड़ी वारदातें हो रही है। यहां तक कि शराब के ठेके बिकवाने के लिए भी सीएम को बैठकें करनी पड़ रही है। वे शुक्रवार को यमुनानगर जिले के दौरे के दौरान पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे।

पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने कहा कि सोशल मीडिया पर पोस्टर लगाने और घरों पर जेसीबी चलाने से लॉ एंड ऑर्डर सही नहीं होता क्योंकि आज फैसले न लेने की वजह से हरियाणा पुलिस कमजोर हुई है। उन्होंने कहा कि सीएम अगर सच में लॉ एंड ऑर्डर सही करना चाहते है तो सभी 22 जिलों में असामाजिक तत्वों पर कार्रवाई करने के लिए पुलिस को विशेष अभियान चलाने की छूट दें और पुलिस बल बढ़ाकर बिना अनुभव वाले अफसरों को तुरंत बदले। पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कांग्रेस पर भी कटाक्ष करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों से अब तक कांग्रेस में जिला अध्यक्षों की नियुक्तियां नहीं हुई है, केवल प्रदेश अध्यक्ष ही बनाए जा रहे हैं।

हरियाणा पुलिस में तैनात सब इंस्पेक्टर ने की खुदकुशी

रोहतक, 20 जून (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस में तैनात एक सब इंस्पेक्टर ने रोहतक में पीजीआई के मोर्चरी हाउस के सामने गोली मारकर खुदकुशी कर ली है। मृतक का नाम पवन बताया जा रहा है, जो रोहतक के सुंदाना गांव का रहने वाला था।

जानकारी के अनुसार, रोहतक के पीजीआई स्थित मोर्चरी हाउस के सामने एक शख्स ने सुबह करीब आठ बजे के आसपास खुद के सिर में गोली मार ली। जैसे ही गोली की आवाज आई तो वहां ड्यूटी दे रहे पीजीआई के सिक्योरिटी गार्ड दौड़कर घटनास्थल पहुंचे। इसके बाद उन्होंने एक शख्स को खून से लथपथ हालात में पड़ा हुआ देखा और इसके बारे में उन्होंने अपने इंचार्ज को सूचित किया। सिक्योरिटी इंचार्ज ने तुरंत ही पुलिस को इस घटना के बारे में बताया।

बताया जा रहा है कि हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर तैनात पवन की पोस्टिंग झज्जर में थी और रोहतक में वे परिवार के साथ रहते थे। उन्होंने शुक्रवार सुबह सर्विस रिवॉल्वर से सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली।

डीएसपी गुलाब सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया कि शुक्रवार सुबह आठ बजे के करीब सूचना मिली थी कि एक शख्स ने पीजीआई के मोर्चरी हाउस के सामने गोली मारकर सुसाइड किया है। इसके बाद जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो पता चला कि मृतक पवन कुमार सुंदाना गांव का रहने वाला है और वह हरियाणा पुलिस में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत थे।

उन्होंने बताया कि उनके सुसाइड की वजह का पता नहीं चल पाया है और परिवार से भी इस मामले में पूछा जाएगा। पता चला है कि उन्होंने सर्विस रिवॉल्वर से खुद को गोली मारी है। पवन की पोस्टिंग झज्जर में थी, लेकिन वे फिलहाल अपने घर पर आए हुए थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मौके से एक पिस्टल भी बरामद की है।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज का राहुल गांधी पर प्रहार, बोले

पाकिस्तान के प्रवक्ता हैं राहुल, बिहार में सुरक्षा का दावा

चंडीगढ़, 20 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला है। पाकिस्तानी मीडिया में राहुल गांधी के बयानों के बार–बार आने पर विज ने उन्हें पाकिस्तान का प्रवक्ता बताया। उन्होंने पलटवार करते हुए पाकिस्तान के उप–प्रधानमंत्री के बयान का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने स्वीकार किया है कि हिंदुस्तान ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह किया। विज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि राहुल गांधी को इससे ज्यादा और क्या सबूत चाहिए, जब खुद पाकिस्तान इसकी पुष्टि कर रहा है। विज ने चुटकी लेते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी को यकीन नहीं होता तो उन्हें बसों में भरकर पाकिस्तान ले जाना चाहिए और दिखाना चाहिए कि कैसे हिंदुस्तान ने पाकिस्तान के एयरबेस को तबाह किया है।

यमुनानगर में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राजकुमार त्यागी द्वारा गन पॉइंट पर जमीन जोतने का काम रुकवाने के सवाल पर विज ने कहा, कांग्रेसी इस काम में ट्रेंड हैं। कांग्रेसियों का इतिहास निकाल कर देख लो इन्होंने किस–किस तरह के गुल खिलाए हैं। दादागिरी, गुंडागर्दी, बदमाशी सब इन्हीं के आशीर्वाद से हो रही है।

परिवहन मंत्री विज ने हरियाणा रोडवेज के ड्राइवरों की तारीफ करते हुए कहा कि वे विचार कर रहे हैं कि बड़ी–बड़ी कंपनियों को बुलाकर ट्रैफिक नियमों को लेकर रोडवेज चालकों को रिफ्रेशर कोर्स करवाए जाएं। उन्होंने हरियाणा रोडवेज के ड्राइवरों को हरियाणा के हजारों–लाखों यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने में जिम्मेदार बताया।

आरजेडी नेता तेजस्वी यादव के बिहार में 'अपराधियों के राज' वाले बयान पर विज ने करारा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि आरजेडी जब सत्ता में थी तब बिहार का सत्यानाश किया।

उन्होंने तेजस्वी के बयान को 'सत्ता से बाहर होने और आने वाले चुनाव में हारने की टीस' बताया। विज ने दावा किया कि नीतीश कुमार और एनडीए ने बिहार को सुधार दिया है, और वहां का माहौल अब पूरी तरह सुरक्षित है। उन्होंने पटना और गया की अपनी यात्रा का उदाहरण देते हुए कहा कि आधी रात को भी वहां सुरक्षा का माहौल है, जो नीतीश कुमार का जादू है।

तटीय सांप्रदायिक हिंसा के पीछे राजनीतिक, धार्मिक और माफिया गठजोड़: केपीसीसी तथ्य-खोजी रिपोर्ट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्यसभा सांसद नसीर हुसैन की अगुआई वाली एक तथ्य-खोजी समिति ने कर्नाटक के तटीय क्षेत्र, खासकर उडुपी और मेंगलूरु में सांप्रदायिक हिंसा के पीछे कई कारणों का हवाला देते हुए केपीसीसी अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को एक प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में राजनीतिक मकसद, धार्मिक माफिया, ड्रग व्यापार, पुलिस की निष्क्रियता और सोशल मीडिया पर गलत सूचनाओं के तेजी से फैलने को प्राथमिक कारणों के रूप में उजागर किया गया है। केपीसीसी सत्य-खोजी समिति का गठन तटीय कर्नाटक में हाल ही में हुई सांप्रदायिक हत्याओं की जांच के लिए किया गया था। उडुपी और मेंगलूरु के दौरे के दौरान, समिति ने क्षेत्र में बढ़ते तनाव में योगदान देने वाले कई प्रमुख कारकों की पहचान की। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भाजपा और संघ परिवार के नेताओं द्वारा धर्म-आधारित राजनीति सांप्रदायिक हिंसा में वृद्धि के पीछे प्रमुख कारणों में से एक है। इसमें यह भी कहा गया है कि कांग्रेस जैसी धर्मनिरपेक्ष पार्टियों ने इस मुद्दे पर स्पष्टता नहीं बनाए रखी है, जिससे अप्रत्यक्ष रूप से अशांति में योगदान दिया है। राजनीतिक लाभ के लिए धार्मिक पहचान का शोषण संघर्ष को बढ़ावा देने वाली एक खतरनाक प्रवृत्ति बताई गई है। समिति ने पाया कि तटीय क्षेत्र में धार्मिक अलगाव का प्रभाव गहरा रहा है, हिंदू और मुस्लिम दोनों समुदायों के कई युवा और धार्मिक नेता विभाजनकारी विचारधाराओं का समर्थन कर रहे हैं। त्यौहारों को जानबूझकर दूसरे धर्म के त्यौहारों से बेहतर तरीके से मनाया जा रहा है, जिससे धार्मिक दुश्मनी बढ़ रही है। धार्मिक कट्टरता से प्रेरित नैतिक पुलिसिंग में वृद्धि ने तनाव को और बढ़ा दिया है। रिपोर्ट में विभिन्न माफियाओं की मौजूदगी पर प्रकाश डाला गया है- जिनमें ड्रग्स, मारिजुआना, रेत और जबरन वसूली करने वाले माफिया शामिल हैं- जो इस क्षेत्र में पनपते हैं और सांप्रदायिक अशांति में योगदान करते हैं। इसमें मवेशियों के मांस के व्यापार और गुंडागर्दी को अतिरिक्त उत्तेजक कारकों के रूप में पहचाना गया है। चिंताजनक रूप से, हिंदू और मुस्लिम दोनों संगठनों को स्थानीय निवासियों के साथ-साथ बाहरी ताकतों से भी समर्थन मिल रहा है, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव खराब हो रहा है। रिपोर्ट में सांप्रदायिक घटनाओं को रोकने और नियंत्रित करने में पुलिस की निष्क्रियता की आलोचना की गई है। इसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर गलत सूचना और फर्जी खबरों के तेजी से प्रसार को भी क्षेत्र में हिंसा को बढ़ाने और शांति भंग करने का एक महत्वपूर्ण कारण बताया गया है। प्रारंभिक रिपोर्ट गुरुवार को केपीसीसी कार्यालय में केपीसीसी अध्यक्ष डी के शिवकुमार को सौंपी गई।

मंत्री ईश्वर खंड्रे ने खतरनाक पेड़ों और शाखाओं को हटाने का दिया निर्देश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हवा और बारिश के कारण गिर रहे पेड़ों और शाखाओं से जान-माल का नुकसान हो रहा है और वन, जीव विज्ञान और वानिकी मंत्री ईश्वर बी. खंड्रे ने वन अधिकारियों को खतरनाक पेड़ों की पहचान करने और मानसून के मौसम से पहले उनकी शाखाओं को काटने का निर्देश दिया है। बेंगलूरु छावनी के पास सड़क किनारे एक पेड़ के चारों ओर रखे कंक्रीट को हटाकर वृक्ष संरक्षण कार्य के शुभारंभ पर बोलते हुए उन्होंने 29 वर्षीय अक्षय की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया, जो पेड़ की एक शाखा गिरने से घायल हो गया था। खोखले पेड़ और जो पेड़ उखाड़े नहीं गए हैं, वे बारिश और हवा का शिकार बन जाते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इसका कारण कंक्रीट, पत्थर की स्लैब और टाइलें हैं जो पानी को जड़ों तक पहुंचने से रोकने के लिए रखी जाती हैं। इस संबंध में राष्ट्रीय हरित अधिकरण ने भी फैसला दिया है और सरकार ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी किया है। बीबीएमपी के विशेष आयुक्त ने पेड़ों के आसपास से कंक्रीट हटाने का आदेश दिया और कहा कि अब से सड़क किनारे पौधे लगाते समय यह सुनिश्चित किया जाए कि एक मीटर के दायरे में मिट्टी हो। उन्होंने कहा कि बागवानी विभाग और वन विभाग के सामाजिक वानिकी प्रभाग को पहले से लगाए गए पेड़ों के आसपास कंक्रीट और डामर हटाने की कार्रवाई करनी चाहिए। वृक्ष प्राधिकरण को नियमित बैठकें करनी चाहिए, खतरनाक पेड़ों की पहचान करनी चाहिए और उनकी शाखाओं और टहनियों को हटाने के लिए तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए। विशेषज्ञों का कहना है कि आराम से सांस लेने के लिए एक व्यक्ति के पास 7 पेड़ होने चाहिए। लेकिन आज, बेंगलूरु एक कंक्रीट का जंगल बन गया है, और 7 लोगों के लिए 1 पेड़ भी नहीं है। इसलिए, सभी को पेड़ों की रक्षा और संवर्धन के लिए पहल करनी चाहिए। एसिड जनरेटर की जरूरत हर किसी को होती है, लेकिन उनके घर के सामने पेड़ नहीं होना चाहिए। ऐसा कहा जाता है कि अगर इसके पत्ते गिर जाते हैं, तो यह घर के सामने कचरा बन जाता है। उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि पेड़ों को काटने का चलन बढ़ रहा है क्योंकि यह घर की सुंदरता के लिए अच्छा नहीं है या फिर दुकानों के साइनबोर्ड दिखाई नहीं देते। बेंगलूरु शहरी जिले में करीब 2041 एकड़ वन भूमि पर अतिक्रमण है। उन्होंने बताया कि इसमें से पिछले 2 वर्षों में करीब 4000 करोड़ रुपये की 128 एकड़ वन भूमि को हटाया गया है।

दरभंगा कोर्ट में चर्चित वकील अम्बर इमाम हाशमी गिरफ्तार

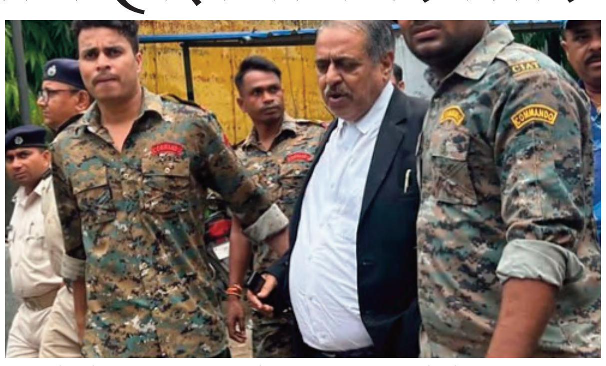

दरभंगा/एजेंसियां। दरभंगा व्यवहार न्यायालय में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब कोर्ट ने एक नामी क्रिमिनल लॉयर अम्बर इमाम हाशमी को अदालत से ही गिरफ्तार कर जेल भेजने का आदेश दे दिया। यह मामला 32 साल पुराने एक हत्या से जुड़ा है, जिसमें हाशमी समेत उनके दो भाइयों पर गंभीर आरोप हैं। दरअसल, वकील अम्बर इमाम हाशमी ने आज कोर्ट में उपस्थित होने से बचने के लिए फॉर्म 117 भरकर बताया था कि वे जिले से बाहर हैं। लेकिन कुछ ही देर बाद वे उसी एडीजे तृतीय (सुमन कुमार दिवाकर) की अदालत में एक अन्य केस की बहस करने पहुँच गए। जज ने जब उन्हें देखा तो पूछा कि आप तो अवकाश पर थे, फिर यहां कैसे? इसके बाद कोर्ट ने उन्हें तत्काल न्यायिक हिरासत में लेकर गिरफ्तार करने का आदेश दिया। अम्बर इमाम हाशमी की गिरफ्तारी से दरभंगा कोर्ट में वकीलों में जबरदस्त आक्रोश देखने को मिला। अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया और कहा कि जब तक हाशमी को बिना शर्त रिहा नहीं किया जाता, वे सभी न्यायिक कार्यों से खुद को अलग रखेंगे। वकीलों ने कहा कि आज का दिन दरभंगा न्यायालय के इतिहास में 'काला दिन' के रूप में देखा जाएगा। यह केस वर्ष 1994 का है, जब हनुमाननगर थाना क्षेत्र के पटोरी बसंत गांव में दर्जनों राउंड फायरिंग हुई थी। इस घटना में रामकृपाल चौधरी की मौके पर ही मौत हो गई थी और छह लोग घायल हो गए थे। इसके बाद विशनपुर थाने में मामला संख्या 58/1994 दर्ज किया गया था। अम्बर इमाम हाशमी के साथ उनके सहयोगी वकील सुशील कुमार चौधरी को भी गिरफ्तार किया गया है। सुशील चौधरी ने बताया कि उन्हें भी इसी केस के तहत न्यायिक हिरासत में लेकर जेल भेजा गया है। वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव रंजन ठाकुर ने इस कार्रवाई को गलत ठहराते हुए कहा कि किसी भी अधिवक्ता को ऐसे मामले में जमानत का अधिकार होता है। कोर्ट ने बिना कारण उन्हें जेल भेजकर मनमानी की है।

बिहार पुलिस भर्ती में एनसीसी कैडेट्स को मिलेगा बोनस अंक

सासाराम/एजेंसियां। बिहार पुलिस में भर्ती होने वाले एनसीसी सर्टिफिकेट धारकों को अब बोनस अंक का लाभ मिलेगा। राज्य सरकार स्तर पर इस प्रस्ताव को लेकर लगभग सहमति बन चुकी है। भविष्य की बहालियों में इसका फायदा एन-सीसी कैडेट्स को मिलना शुरू हो जाएगा। यह जानकारी बिहार एवं झारखंड एनसीसी निदेशालय के एडीजी मेजर जनरल एएस बजाज ने सासाराम स्थित 42 बिहार बटालियन एनसीसी में चल रहे संयुक्त वार्षिक शिविर के निरीक्षण के दौरान दी। उन्होंने कहा कि बिहार में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, जरूरत है बस सही मार्गदर्शन और दिशा देने की। साथ ही छात्रों को अपने इतिहास, संस्कृति और धरोहर पर गर्व करने की प्रेरणा दी। उन्होंने युवाओं से अंग्रेजी को दूसरी भाषा के रूप में अपनाने की भी सलाह दी। एडीजी बजाज ने कहा कि एन-सीसी का मुख्य उद्देश्य युवाओं को एक जिम्मेदार और अनुशासित नागरिक बनाना है। जब युवा अनुशासन में रहना सीखेंगे, तभी देश की तरक्की संभव होगी। निरीक्षण के दौरान कैडेट्स ने मेजर जनरल बजाज को क्वार्टर गार्ड में गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद उन्होंने कैंप में बने विभिन्न कार्यालयों, क्लासरूम, सिम्युलेटर हॉल, फायरिंग रेंज, मेस और कैडेट्स के रहने के स्थान का निरीक्षण किया। शिविर में 42 बिहार बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल धर्मेंद्र सिंह मलिक और प्रशासनिक अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल अनूप कुमार के नेतृत्व में कैडेट्स को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें ड्रिल, मैप रीडिंग, हथियार संचालन, फायरिंग, साइबर सिक्योरिटी, सेल्फ डिफेंस, आपदा प्रबंधन, फायर सेफ्टी, ट्रैफिक कंट्रोल, एसएसबी वर्कशॉप और एआरओ क्लास शामिल हैं। शिविर का उद्देश्य थल सेना कैंप, इंटर डायरेक्टोरेट स्पोर्ट्स शूटिंग कैंप, बेस्ट कैडेट और आईजीजीबीसी के लिए प्रतिभागियों का चयन करना है।

कटिहार रेलखंड में बड़ा हादसा

अवध-असम एक्सप्रेस से टकराई रेलवे ट्रॉली, एक की मौत

पटना/एजेंसियां। कटिहार-बरौनी रेलखंड पर शुक्रवार को एक भीषण रेल हादसा हो गया। यह दुर्घटना काढागोला और सेमापुरी स्टेशन के बीच महारानी गांव के पास उस समय हुई जब बरौनी से कटिहार की ओर आ रही 15910 अवध-असम एक्सप्रेस ट्रेन की रेलवे ट्रॉली से आमने-सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन रेलकर्मी गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि एक ट्रॉलीमैन की मौके पर ही मौत हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रॉली के परखच्चे उड़ गए और वहां मौजूद कर्मचारियों को संभलने तक का मौका नहीं मिला। घटना सोनपुर रेल मंडल क्षेत्र की है, लेकिन यह क्षेत्र कटिहार रेल मंडल की सीमा से सटा हुआ है। कटिहार रेल मंडल के एडीआरएम मनोज कुमार सिंह ने हादसे की प्रारंभिक पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलते ही कटिहार से मेडिकल टीम को तत्काल रवाना कर दिया गया। फिलहाल सभी घायलों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। रेलवे प्रशासन ने इस घटना को गंभीरता से लेते हुए उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही सभी रेल कर्मियों को ट्रैक पर काम करते समय अधिकतम सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। हादसे के कारण इस रूट पर कुछ समय के लिए ट्रेन परिचालन भी बाधित रहा, जिसे बाद में बहाल कर दिया गया।

अमेरिका यात्रा की अनुमति को अदालत में चुनौती दें प्रियांक खड़गे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे को सलाह दी है कि उन्हें अमेरिका की यात्रा की अनुमति न देने के केंद्र सरकार के फैसले को अदालत में चुनौती देना चाहिए। पी. चिदंबरम ने सोशल मीडिया पर अपनी राय व्यक्त करते हुए कहा कि प्रियांक खड़गे ने आमंत्रण के अनुसार अमेरिका में कुछ कार्यक्रमों में जाने की पेशकश की थी। वहां निवेशकों और विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों के साथ चर्चा का कार्यक्रम तय था। हालांकि अमेरिका की यात्रा की अनुमति न दिए जाने से प्रियांक खड़गे काफी निराश हैं। केंद्र सरकार को इस पर तुरंत जवाब देना चाहिए। अगर जवाब संतो-षजनक नहीं है तो प्रियांक खड़गे इसे अदालत में चुनौती दे सकते हैं। यात्रा करने और बोलने की सभी को स्वतंत्रता है। चिदंबरम ने कहा कि इस पर अंकुश लगाने के लिए केंद्र सरकार का तानाशाह की तरह काम करना ठीक नहीं है।

2 जुलाई को नंदी हिल्स में होगी कैबिनेट की बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य मंत्रिमंडल की बैठक 2 जुलाई को चिक्कबल्लापुर जिले के नंदीबेट्टा स्थित मयूरा हॉल में होगी। यह दूसरी बार है जब नंदीबेट्टा में मंत्रिमंडल की बैठक के लिए समय और स्थान तय किया गया है। पिछले साल मई में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित करने की घोषणा करने वाली राज्य सरकार ने 19 जून का समय तय किया था। लेकिन वहां होने वाली बैठक अचानक रद्द कर दी गई और बेंगलूरु के विधान सौधा में आयोजित की गई। अब अधिसूचना जारी की गई है कि बैठक फिर से नंदीबेट्टा में आयोजित की जाएगी। नंदीबेट्टा में बैठक के लिए काफी तैयारियां की गई थीं। नंदीबेट्टा बैठक के बाद

बुनियादी ढांचे के विकास और प्रमुख परियोजनाओं की घोषणा करने की योजना थी। लेकिन अंतिम समय में तकनीकी समस्याओं के कारण बैठक रद्द कर दी गई। ऐतिनाहोले समेत कई लंबित परियोजनाओं के लिए समय सीमा तय करने और अब उनकी फिर से घोषणा करने का निर्णय लिया गया है।

गयाजी में भारी बारिश से कोठवारा-बैरिया पुल क्षतिग्रस्त, तीन साल में ही धंसा

गयाजी/एजेंसियां। जिले में भारी बारिश के चलते एक बड़ा हादसा टल गया। डोभी प्रखंड की निलांजना नदी पर बना कोठवारा-बैरिया पुल बारिश में क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है। यह पुल मात्र तीन साल पहले 2022 में करोड़ों रुपये की लागत से बनाया गया था। अब इसका एक पाया धंसने से पुल की गुणवत्ता पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। गया समेत पूरे बिहार में लगातार मूसलधार बारिश से जनजीवन प्रभावित हो गया है। नदियां उफान पर हैं और कई इलाकों में पुल-पुलिया टूटने या कमजोर होने की खबरें आ रही हैं। कोठवारा-बैरिया पुल के एक पाया के धंसने के बाद स्थानीय

लोगों ने तुरंत बैनर लगाकर आम लोगों को आगाह किया कि यह पुल अब आवागमन के लिए सुरक्षित नहीं है। बैनर में साफ तौर पर लिखा गया है, यह पुल आवागमन के लिए सुरक्षित नहीं है। वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करें। शेरघाटी एसडीओ मनीष कुमार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि अभी तक इस तरह की कोई सूचना औपचारिक रूप से प्राप्त नहीं हुई है, लेकिन सीओ को मौके पर जांच के निर्देश दे दिए गए हैं। महज तीन साल में पुल का धंसना स्थानीय लोगों के बीच गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है। लोग पूछ रहे हैं कि करोड़ों की लागत से बने पुल की यह स्थिति कैसे हो गई? निर्माण में लापरवाही की आशंका भी जताई जा रही है।

दानापुर में शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग

पटना/एजेंसियां। जिले के दानापुर थाना क्षेत्र के तकियापर में शुक्रवार सुबह शॉर्ट सर्किट से लगी आग में आधा दर्जन दुकानें जलकर राख हो गईं। घटना में लगभग सात लाख रुपये की संपत्ति का नुकसान हुआ है। बारिश रुकने के बाद तकियापर बाजार की एक फास्ट फूड दुकान में अचानक शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आग ने विकराल रूप ले लिया और आसपास की जनरल स्टोर, मोबाइल दुकान, फल दुकान और

चिकन दुकान को भी चपेट में ले लिया। घटना के समय बाजार में अफरा-तफरी मच गई। दुकानें बंद करने और आग बुझाने की हड़बड़ी में स्थानीय लोग भी आग पर काबू पाने में लग गए। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की चार दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। अग्निशमन सहायक अधिकारी विजय शंकर यादव ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट से फैली थी, जिसमें कुल छह दुकानें जलकर राख हो गईं। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। लोगों ने बिजली विभाग की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए शॉर्ट सर्किट रोकने के लिए सुरक्षा इंतजाम मजबूत करने की मांग की है। लगातार हो रही आगलगी की घटनाएं लोगों में दहशत पैदा कर रही हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com